

1. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 का पूरा नाम क्या है?

(क) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का 2)

(ख) भारतीय दंड संहिता 1860

(ग) दण्ड प्रशासन संहिता, 1973

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

2. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 को कब लागू किया गया था?

(क) 1 जनवरी 1860

(ख) 1 अप्रैल 1974

(ग) 1 जनवरी 1973

(घ) 1 जनवरी 1862

3. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 में कुल कितने अध्याय हैं?

(क) 37 अध्याय

(ख) 23 अध्याय

(ग) 39 अध्याय

(घ) 22 अध्याय

4. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 में कुल कितनी धाराएं हैं?

(क) 511

(ख) 484

(ग) 384

(घ) 510

5. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 निम्न में से किस प्रकार का कानून है?

- (क) प्रक्रियात्मक कानून है
- (ख) दंडात्मक कानून है।
- (ग) क और ख दोनों
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

6. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 किस राज्य में लागू है?

- (क) सम्पूर्ण भारतवर्ष में
- (ख) जम्मू कश्मीर राज्य को छोड़कर संपूर्ण भारत वर्ष में
- (ग) लद्दाख को छोड़कर पूरे भारतवर्ष में
- (घ) पूरे भारतवर्ष को छोड़कर केवल हिमाचल प्रदेश में

7. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) को कब से जम्मू कश्मीर में भी लागू कर दिया गया है?

- (क) 31 अक्टूबर 2019
- (ख) 31 दिसंबर 2019
- (ग) 01 जनवरी 2020
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

8. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार अन्वेषण किसके द्वारा की जाती है?

- (क) मजिस्ट्रेट द्वारा
- (ख) वकील द्वारा
- (ग) थाना के प्रभारी द्वारा

(घ) उपरोक्त सभी द्वारा

9. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अधीन जनता, मजिस्ट्रेट व पुलिस की सहायता करने को बाध्य है ?

(क) धारा 187 के अंतर्गत

(ख) धारा 38 के अंतर्गत

(ग) धारा 37 के अंतर्गत

(घ) धारा 100 के अंतर्गत

10. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 37 के अनुसार मजिस्ट्रेट व पुलिस द्वारा सहायता मांगे जाने पर यदि कोई व्यक्ति सहायता प्रदान नहीं करता है तो किस धारा का अपराध हुआ?

(क) भारतीय दंड संहिता की धारा 187

(ख) भारतीय दंड संहिता की धारा 188

(ग) भारतीय दंड संहिता की धारा 189

(घ) भारतीय दंड संहिता की धारा 186

11. यदि कोई व्यक्ति दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 160 के आदेश की अवहेलना करता है तो उसके खिलाफ भारतीय दण्ड संहिता 1860 की किस धारा के अंतर्गत कार्यवाही की जा सकती है?

(क) धारा 174 के अंतर्गत

(ख) धारा 175 के अंतर्गत

- (ग) धारा 170 के अंतर्गत
- (घ) धारा 188 के अंतर्गत

12. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 82 के अधीन किसी फरार अपराधी के खिलाफ न्यायालय द्वारा की गई उद्घोषणा की तामील किस प्रकार की जाएगी?

- (क) जहां वह निवास करता है वहां गली या मोहल्ले में पढ़कर सुनाई जाएगी।
- (ख) उसके गांव में जहां सभी की नजर पड़ती हो वहां एक प्रतिलिपि चिपकाई जाएगी।
- (ग) एक प्रतिलिपि न्यायालय के नोटिस बोर्ड में लगाई जाएगी।
- (घ) उपरोक्त सभी रितियों द्वारा

13. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अधीन किसी गिरफ्तार किये गए व्यक्ति की तलाशी ली जाती है?

- (क) धारा 47 के अंतर्गत
- (ख) धारा 51 के अंतर्गत
- (ग) धारा 100 के अंतर्गत
- (घ) धारा 100(3) के अंतर्गत

14. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार किस धारा के तहत किसी अभियुक्त के खिलाफ उद्घोषणा जारी की जाती है?

- (क) धारा 71
- (ख) धारा 81
- (ग) धारा 83
- (घ) धारा 82

15. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 173 के अन्तर्गत अन्वेषण पूरा होने पर अंतिम रिपोर्ट किस अधिकारी द्वारा तैयार की जाती है?

- (क) मजिस्ट्रेट द्वारा
- (ख) अन्वेषण अधिकारी द्वारा
- (ग) थाना प्रबंधक द्वारा
- (घ) थाना के मुंशीद्वारा

16. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 82 के अनुसार न्यायालय द्वारा अभियुक्त को न्यायालय में हाजिर होने के लिए जो उद्घोषणा की जाती है, उसमें अभियुक्त को न्यायालय में हाजिर होने के लिए कम से कम कितना समय दिया जाता है?

- (क) 30 दिन
- (ख) 90 दिन
- (ग) 60 दिन
- (घ) 15 दिन

17. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 167 के अनुसार पुलिस हिरासत रिमांड अधिकतम कितने दिन तक दिया जा सकता है?

- (क) 30 दिन
- (ख) 90 दिन
- (ग) 60 दिन
- (घ) 15 दिन

18. यदि किसी अभियुक्त को बलात्कार के अभियोग के लिए गिरफ्तार किया गया है तो उसका चिकित्सा परीक्षण दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार कराया जाएगा?

- (क) धारा 164ए के अनुसार
- (ख) धारा 53 के अनुसार
- (ग) धारा 54 के अनुसार
- (घ) धारा 53ए के अनुसार

19. यदि किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाता है उसे दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 57 के अनुसार न्यायालय में कितने समय के भीतर पेश किया जाएगा?

- (क) 24 घंटे के भीतर
- (ख) 48 घंटे के भीतर
- (ग) 3 दिन के भीतर
- (घ) 2 दिन के भीतर

20. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार वारंट की कितनी प्रतिलिपियाँ होती हैं?

- (क) दो
- (ख) एक
- (ग) तीन
- (घ) चार

21. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार FIR दर्ज होती है-

- (क) धारा 154 (1) के अंतर्गत
- (ख) धारा 19 के अंतर्गत
- (ग) धारा 155 के अंतर्गत
- (घ) धारा 157 के अंतर्गत

22. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अन्तर्गत FIR निम्न में से कैसा रिकॉर्ड है?

- (क) स्थाई
- (ख) अस्थायी
- (ग) पंचवर्षीय
- (घ) दस वर्षीय

23. पुलिस साक्षी का ब्यान दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अधीन लिखती है?

- (क) धारा 161 के अंतर्गत

- (ख) धारा 24 के अंतर्गत
- (ग) धारा 162 के अंतर्गत
- (घ) धारा 154 के अंतर्गत

24. यदि किसी अपराधी को किसी अभियोग में गिरफ्तार किया जाता है और अन्वेषण 24 घंटों के अंदर पूरा न हो सके तो उसे दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार रिमांड पर लिया जा सकता है?

- (क) धारा 57 के अनुसार
- (ख) धारा 58 के अनुसार
- (ग) धारा 87 के अनुसार
- (घ) धारा 167 के अनुसार

25. इकबालिया (Confession) ब्यान दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अधीन लिखा जाता है ?

- (क) धारा 164 के तहत मजिस्ट्रेट द्वारा
- (ख) धारा 164 (1) के तहत पुलिस के राजपत्रित अधिकारी द्वारा
- (ग) थाना प्रभारी द्वारा
- (घ) धारा 164 के तहत उपरोक्त सभी द्वारा

26. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के निम्न में से किस प्रावधान के अनुसार अवैध भीड़ को सशस्त्र बल के प्रयोग द्वारा तितर-बितर किया जा सकता है?

- (क) धारा 130 के अंतर्गत

- (ख) धारा 129 के अंतर्गत
- (ग) धारा 171 के अंतर्गत
- (घ) उपरोक्त सभी गलत

27. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 161 के अन्तर्गत दर्ज गवाहों के व्याप्तो पर इस संहिता की निम्न धारा के अधीन हस्ताक्षर नहीं लिए जाएंगे?

- (क) धारा 130 के अंतर्गत
- (ख) धारा 154 के अंतर्गत
- (ग) धारा 162 के अंतर्गत
- (घ) उपरोक्त सभी गलत

28. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत मजिस्ट्रेट अभियोग पंजीकृत करने के आदेश दे सकता है?

- (क) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 154
- (ख) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 154(1)
- (ग) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 155(2)
- (घ) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 156(3)

29. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार मजिस्ट्रेट असंज्ञेय अपराध की तफ्तीश के आदेश देता है ?

- (क) धारा 155(2) के अंतर्गत
- (ख) धारा 154 के अंतर्गत

(ग) धारा 155(4) के अंतर्गत

(घ) धारा 158 के अंतर्गत

30. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अन्तर्गत डर, भय, धमकी या लालच देकर व्यान न लेने के लिए बतलाया गया है?

(क) धारा 161 के अंतर्गत

(ख) धारा 162 के अंतर्गत

(ग) धारा 163 के अंतर्गत

(घ) धारा 164 के अंतर्गत

31. एक पुलिस अधिकारी गांव में लड़ाई की सूचना मिलने पर मौका पर जाता है तो दो पार्टियां उसकी मौजूदगी में एक दूसरे को मरने-मारने पर उतारू हैं, पुलिस अधिकारी उनको दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की निम्न किस धारा में गिरफ्तार कर सकता है?

(क) धारा 107/150 के अंतर्गत

(ख) धारा 107/109 के अंतर्गत

(ग) धारा 175 के अंतर्गत

(घ) धारा 107/151 के अंतर्गत

32. पुलिस का प्रमुख कार्य अपराधों की रोकथाम करना है । पुलिस दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की निम्न धाराओं के अंतर्गत संगीन अपराधों की रोकथाम करती है?

(क) धारा 161,162,163 के अंतर्गत

- (ख) धारा 128,129,130 के अंतर्गत
- (ग) धारा 149,150,151 के अंतर्गत
- (घ) धारा 164,165 के अंतर्गत

33. गिरफ्तार व्यक्तियों की तलाशी के बारे दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा में प्रावधान है ?

- (क) धारा 11 के अंतर्गत
- (ख) धारा 52 के अंतर्गत
- (ग) धारा 100 (3) के अंतर्गत
- (घ) धारा 51 के अंतर्गत

34. जब किसी व्यक्ति को किसी जुर्म में गिरफ्तार किया जाता है तो उसका चिकित्सा परीक्षण दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अन्तर्गत कराया जाएगा?

- (क) धारा 54 के अंतर्गत
- (ख) धारा 53 के अंतर्गत
- (ग) धारा 83 के अंतर्गत
- (घ) धारा 164 के अंतर्गत

35. एक अपराधी को पुलिस द्वारा न्यायालय में पेश किया जाता है, इसी दौरान वह अपराधी जज साहब से कहता है कि उसका चिकित्सा परीक्षण करवाया जाए ताकि वह अपने आप को निर्दोष साबित कर सके। इस दशा

में उसका चिकित्सा परीक्षण दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अन्तर्गत कराया जाएगा?

- (क) धारा 51 के अंतर्गत
- (ख) धारा 52 के अंतर्गत
- (ग) धारा 53 के अंतर्गत
- (घ) धारा 54 के अंतर्गत

36. जब पुलिस को कोई लावारिस, चोरी की वस्तु या कोई खून से सना हुआ हथियार मिलता है तो पुलिस उसे दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत कब्जा में लेती है?

- (क) धारा 103 के अंतर्गत
- (ख) धारा 102 के अंतर्गत
- (ग) धारा 117 के अंतर्गत
- (घ) धारा 421 के अन्तर्गत

37. एक व्यक्ति को चोरी के अपराध के लिए पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जाता है तथा न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाता है। इस दशा में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अन्तर्गत अन्वेषण अधिकारी अंतिम रिपोर्ट कितनी अवधी में तैयार करेगा?

- (क) 15 दिनों के भीतर
- (ख) 30 दिनों के भीतर
- (ग) 60 दिनों के भीतर
- (घ) 90 दिनों के भीतर

38. यदि किसी व्यक्ति को यह अंदेशा हो कि उसे किसी अजमानतीय अपराध में गिरफ्तार किया जा सकता है तो वह दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अन्तर्गत अग्रिम जमानत निम्न में से किसके माध्यम से ले सकता है-

- (क) जिला के पुलिस अधीक्षक से
- (ख) जिला के डीएम से
- (ग) सेशन व उच्च न्यायालय से
- (घ) चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट से

39. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 154 (1) के अनुसार प्रथम सूचना किसके द्वारा अभिलिखित की जाती है?

- (क) थाना प्रबंधक द्वारा
- (ख) थाना प्रबंधक के निर्देश पर अन्य अधिकारी द्वारा
- (ग) सीसीटीएनएस के अधिकारी द्वारा
- (घ) क और ख दोनों सही

40. किसी संज्ञेय अपराध का अन्वेषण पूरा होने के बाद अंतिम रिपोर्ट दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अन्तर्गत तैयार की जाती है ?

- (क) धारा 173 के अंतर्गत
- (ख) धारा 170 के अंतर्गत
- (ग) धारा 175 के अंतर्गत
- (घ) धारा 185 के अंतर्गत

41. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अन्तर्गत थाना प्रबन्धक द्वारा संज्ञेय अपराधों की तफ्तीश किस धारा के अनुसार की जाती है?
- (क) धारा 161 के अंतर्गत
 - (ख) धारा 156 के अंतर्गत
 - (ग) धारा 166 के अंतर्गत
 - (घ) धारा 164 के अंतर्गत
42. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार FIR में किस प्रकार के अपराध दर्ज किए जाते हैं?
- (क) धारा 154 के अंतर्गत संज्ञेय अपराध
 - (ख) धारा 155 के अंतर्गत असंज्ञेय अपराध
 - (ग) धारा 163 के अंतर्गत मारपीट के अपराध
 - (घ) उपरोक्त सभी ठीक
43. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार किसी असंज्ञेय अपराध की तफ्तीश कब शुरू होगी?
- (क) जब न्यायिक मजिस्ट्रेट 155 (2) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार आदेश दें।
 - (ख) जब धारा 154 दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के तहत थाना प्रभारी आदेश दें।
 - (ग) धारा 156 (3) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के तहत मजिस्ट्रेट के आदेश से।
 - (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

44. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार जब मामले की विषय वस्तु में संज्ञेय और असंज्ञेय अपराध दोनों का होना पाया जा रहा है तो पूरे मामले को क्या समझा जाएगा?

- (क) जमानतीय मामला
- (ख) संज्ञेय अपराध
- (ग) असंज्ञेय मामला
- (घ) आजमानतीय मामला

45. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार जब किसी औरत को किसी अपराध में गिरफ्तार किया जाता है तो उसकी तलाशी निम्न में से किसके द्वारा ली जाएगी?

- (क) किसी पुलिस अधिकारी द्वारा
- (ख) पारिवारिक सदस्यों द्वारा
- (ग) किसी महिला पुलिस अधिकारी द्वारा
- (घ) थाना के भारसाधक अधिकारी द्वारा

46. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 160 के अनुसार पुलिस-

- (क) किसी महिला या 15 वर्ष से कम आयु के बच्चे को थाने में नहीं बुला सकती है।
- (ख) किसी 65 वर्ष से ऊपर वृद्ध को थाने में नहीं बुला सकती है।

(ग) मानसिक या शारीरिक तौर पर अशक्त व्यक्ति को थाने में नहीं ला सकती है।

(घ) उपरोक्त सभी सही

47. एक पुलिस अधिकारी समन की तामील करने जाता है लेकिन वह व्यक्ति घर पर नहीं मिलता है। दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अन्तर्गत क्या ऐसा पुलिस अधिकारी उस व्यक्ति के घर में मौजूद किसी औरत, बच्चे या नौकर से समन तामील करवा सकते हैं?

(क) हां

(ख) नहीं

(ग) परिस्थितियों के अनुसार

(घ) केवल उस व्यक्ति की पत्नी पर

48. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार पुलिस को उद्घोषित अपराधी को बिना वारंट गिरफ्तार करने को शक्ति प्रदत्त है?

(क) धारा 43 के अंतर्गत

(ख) धारा 41(1) के अंतर्गत

(ग) धारा 42 के अंतर्गत

(घ) धारा 164 के अंतर्गत

49. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार अपवादात्मक (exceptional) मामलों में रात के समय औरत की

गिरफ्तारी औरत द्वारा की जायेगी, यह दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की कौन-सी धारा में वर्णित है?

- (क) धारा 51 के अंतर्गत
- (ख) धारा 43 के अंतर्गत
- (ग) धारा 46(1) के अंतर्गत
- (घ) धारा 46(4) के अंतर्गत

50. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार जब किसी व्यक्ति को वारंट के अधीन गिरफ्तार किया जाता है तो गिरफ्तारी के बाद 24 घंटे के अंदर न्यायालय में पेश करना कौन-सी धारा में वर्णित है?

- (क) धारा 73 के अंतर्गत
- (ख) धारा 74 के अंतर्गत
- (ग) धारा 76 के अंतर्गत
- (घ) धारा 57 के अंतर्गत

51. एक व्यक्ति वारंट पर नहीं आता है तब उसको दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत पी.ओ. घोषित करेंगे?

- (क) धारा 83 के अंतर्गत
- (ख) धारा 81(1) के अंतर्गत
- (ग) धारा 82 के अंतर्गत
- (घ) धारा 90 के अंतर्गत

52. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अन्तर्गत बंद स्थान के मालिक तलाशी लेने देंगे, कौन सी धारा में वर्णित है?
- (क) धारा 43 के अंतर्गत
 - (ख) धारा 46(1) के अंतर्गत
 - (ग) धारा 82 के अंतर्गत
 - (घ) धारा 100 के अंतर्गत
53. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत लावारिस वस्तु या जिसका चोरी की वस्तु होने का सन्देह हो का सीजर मेमो (अधिग्रहण) बनाया जाता है?
- (क) धारा 102 के अंतर्गत
 - (ख) धारा 100 के अंतर्गत
 - (ग) धारा 47 के अंतर्गत
 - (घ) धारा 90 के अंतर्गत
54. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अंतर्गत एक मुख्य आरक्षी किसी अभियोग में अपराधी को पकड़ता है तो उसे थाना प्रभारी के समक्ष पेश करेगा?
- (क) धारा 53 के अंतर्गत
 - (ख) धारा 56 के अंतर्गत
 - (ग) धारा 57 के अंतर्गत
 - (घ) धारा 58 के अंतर्गत

55. जब भविष्य में किसी व्यक्ति द्वारा शांति भंग होने का अंदेशा हो तो पुलिस अफसर दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की निम्न में से किस धारा के तहत कलंदरा तैयार करेगा?

- (क) धारा 107/149 के अंतर्गत
- (ख) धारा 107/150 के अंतर्गत
- (ग) धारा 107/151 के अंतर्गत
- (घ) धारा 188 के अंतर्गत

56. एक व्यक्ति का आधार कार्ड गुम हो जाता है और वह थाने में आकर इसके बारे रिपोर्ट करता है तो पुलिस क्या कार्यवाही करेगी?

- (क) प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करेगी।
- (ख) Non-Cognizable रिपोर्ट तैयार करेगी।
- (ग) उसे आधार कार्ड को ढूँढने के लिए कहेगी।
- (घ) उपरोक्त सभी ठीक

57. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार जब किसी थाना का प्रभारी FIR नहीं लिखता है तब दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत न्यायालय प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने के लिए आदेश दे सकता है?

- (क) धारा 157(2) के अंतर्गत
- (ख) धारा 156(3) के अंतर्गत
- (ग) धारा 156(2) के अंतर्गत
- (घ) धारा 154 के अंतर्गत

58. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 167Cr.P.C. के अनुसार रिमांड कितने प्रकार का होता है?

- (क) दो प्रकार का
- (ख) एक प्रकार का
- (ग) तीन प्रकार का
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

59. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार पुलिस (थाना प्रबन्धक) कौन-सी धारा के तहत जमानत ले सकती है?

- (क) धारा 436 व 437 (2) के अन्तर्गत
- (ख) धारा 437 के अंतर्गत
- (ग) धारा 442 के अंतर्गत
- (घ) धारा 439 के अंतर्गत

60. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार जब सजा 1 से 3 वर्ष तक है तब परिसीमा काल कितना होगा?

- (क) 2 वर्ष
- (ख) 3 वर्ष
- (ग) 4 वर्ष
- (घ) 5 वर्ष

61. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार पुलिस अफसर द्वारा पूछे जाने पर यदि कोई व्यक्ति अपना नाम

पता नहीं बताएं तब दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा में गिरफ्तारी होती है?

- (क) धारा 43 के अंतर्गत
- (ख) धारा 42 के अंतर्गत
- (ग) धारा 43 के अंतर्गत
- (घ) धारा 44 के अंतर्गत

62. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार अगर घर पर कोई न मिले तब घर के बाहर समन की कॉपी चिपकाई जाएगी?

- (क) धारा 64 के अंतर्गत
- (ख) धारा 65 के अंतर्गत
- (ग) धारा 66 के अंतर्गत
- (घ) धारा 71 के अंतर्गत

63. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार स्थानीय सीमाओं से बाहर जब पुलिस गिरफ्तारी करने जाती है तब मुलजिम मिलने पर उसको कहाँ पेश किया जाता है?

- (क) उस स्थान के निकटतम दायरे में जज के सामने पेश करेंगे
- (ख) जहां मामले की सुनवाई होनी है वहां पेश करेंगे
- (ग) उच्च न्यायालय के समक्ष पेश करेंगे
- (घ) उपरोक्त सभी गलत

64. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार उद्घोषित अपराधी की संपत्ति की कुर्की दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत की जाती है?

- (क) धारा 83 के अंतर्गत
- (ख) धारा 82 के अंतर्गत
- (ग) धारा 84 के अंतर्गत
- (घ) धारा 102 के अंतर्गत

65. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार उद्घोषणा करने के कितने दिन बाद संपत्ति की कुर्की की जाती है?

- (क) 60 दिनों के भीतर
- (ख) 30 दिन के बाद जब अपराधी नहीं आता है
- (ग) कोई समय निश्चित नहीं है
- (घ) न्यायालय अपनी मर्जी के अनुसार कभी भी कर सकता है

66. पुलिस पार्टी को गश्त के दौरान खून से सना हुआ चाकू या कोई हथियार मिल जाता है, पुलिस पार्टी दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत कब्जे में लेगी?

- (क) धारा 117 के अंतर्गत
- (ख) धारा 103 के अंतर्गत
- (ग) धारा 102 के अंतर्गत
- (घ) धारा 100(3) के अंतर्गत

67. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार विधि विरुद्ध जमाव को किस धारा के तहत सिविल बल के द्वारा तितर-बितर करने का प्रावधान है?

- (क) धारा 102 के अंतर्गत
- (ख) धारा 130 के अंतर्गत
- (ग) धारा 128 के अंतर्गत
- (घ) धारा 129 के अंतर्गत

68. संज्ञेय अपराधों की रोकथाम करने के लिए पुलिस को दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा में शक्तियां प्रदत्त हैं?

- (क) धारा 149 के अंतर्गत
- (ख) धारा 150 के अंतर्गत
- (ग) धारा 151 के अंतर्गत
- (घ) धारा 190 के अंतर्गत

69. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार रिमांड कितने प्रकार का होता है तथा पुलिस रिमांड कितने दिन तक मिलता है?

- (क) रिमांड दो प्रकार का होता है, पुलिस रिमांड 15 दिन तक मिलता है
- (ख) रिमांड दो प्रकार का होता है तथा 21 दिन तक मिलता है
- (ग) रिमांड तीन प्रकार का होता है तथा 14 दिन तक मिलता है

(घ) उपरोक्त सभी गलत

70. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार अग्रिम जमानत किस धारा के तहत होती है?

- (क) धारा 438 के अंतर्गत
- (ख) धारा 439(1) के अंतर्गत
- (ग) धारा 138 के अंतर्गत
- (घ) धारा 438(5) के अंतर्गत

71. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार जब किसी को किसी अपराध में शक के आधार पर पकड़ लिया जाता है और उसके खिलाफ कोई सबूत न मिलने पर दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत छोड़ा जाता है?

- (क) धारा 154
- (ख) धारा 155
- (ग) धारा 169
- (घ) धारा 170

72. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अंतर्गत गिरफ्तार अपराधी को छोड़ने से पूर्व पुलिस व न्यायालय बंधपत्र या जमानत लेकर डिस्चार्ज करेंगे?

- (क) धारा 59
- (ख) धारा 65
- (ग) धारा 41

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

73. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार सशस्त्र बलों द्वारा अपने कर्तव्य निष्पादन के दौरान किए गए किसी अपराध की सूरत में गिरफ्तारी किसके आदेश से की जाएगी?

(क) उपमंडल के मजिस्ट्रेट के आदेश से

(ख) राज्य सरकार की अनुमति से

(ग) केंद्रीय सरकार

(घ) उपरोक्त सभी गलत

74. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत किसी स्थान के मालिक द्वारा तलाशी लेने से मना करने पर खिड़की-दरवाजे तोड़कर तलाशी लेने की शक्ति प्राप्त है?

(क) धारा 100

(ख) धारा 47(2)

(ग) धारा 46(2)

(घ) धारा 45(1)

75. प्रबंधक थाना से श्रेणी में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अंतर्गत अन्वेषण के प्रयोजन के लिए प्रबंधक थाना की शक्तियों का इस्तेमाल कर सकता है?

(क) धारा 156

- (ख) धारा 157
- (ग) धारा 36
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

76. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार थाना प्रबंधक किस धारा के अंतर्गत अन्वेषण के प्रयोजन के लिए शक्तियों का इस्तेमाल कर सकता है?

- (क) धारा 156
- (ख) धारा 157
- (ग) धारा 36
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

77. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत प्राइवेट व्यक्ति द्वारा गिरफ्तारी की जा सकती है?

- (क) धारा 43 के अंतर्गत
- (ख) धारा 46 के अंतर्गत
- (ग) धारा 100 के अंतर्गत
- (घ) धारा 156 के अंतर्गत

78. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार बिना वारंट गिरफ्तारी के गिरफ्तार किसी व्यक्ति को थाना प्रभारी के समक्ष पेश किया जाता है?

- (क) धारा 68 के अंतर्गत
- (ख) धारा 56 के अंतर्गत
- (ग) धारा 57 के अंतर्गत

(घ) धारा 167 के अंतर्गत

79. अपराधी को अजमानतीय अपराध में जमानत दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस प्रावधान के तहत मिल सकती है ?

(क) धारा 468 के अंतर्गत

(ख) धारा 436 के अंतर्गत

(ग) धारा 437 के अंतर्गत

(घ) धारा 439 के अंतर्गत

80. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत जज के सामने ब्यान करवाया जाता है?

(क) धारा 168 के अंतर्गत

(ख) धारा 164 के अंतर्गत

(ग) धारा 482 के अंतर्गत

(घ) धारा 167 के अंतर्गत

81. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार गिरफ्तारी वारंट के अनुसरण में गिरफ्तार व्यक्ति को 24 घंटे के अंदर पेश किया जाएगा?

(क) धारा 78 के अंतर्गत

(ख) धारा 73 के अंतर्गत

(ग) धारा 57 के अंतर्गत

(घ) धारा 76 के अंतर्गत

82. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार पुलिस द्वारा आत्महत्या की जांच की जाती है?

- (क) धारा 158 के अंतर्गत
- (ख) धारा 173 के अंतर्गत
- (ग) धारा 176 के अंतर्गत
- (घ) धारा 174 के अंतर्गत

83. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार शांति भंग होने के अंदेशा होने पर तुरन्त गिरफ्तारी की जाती है?

- (क) धारा 150 के अंतर्गत
- (ख) धारा 153 के अंतर्गत
- (ग) धारा 149 के अंतर्गत
- (घ) धारा 151 के अंतर्गत

84. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार गवाह के ब्यान पर हस्ताक्षर नहीं करवाए जाते हैं?

- (क) धारा 168 के अंतर्गत
- (ख) धारा 163 के अंतर्गत
- (ग) धारा 162 के अंतर्गत
- (घ) धारा 154 के अंतर्गत

85. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार गिरफ्तारी कितने प्रकार की होती है?

- (क) 2

(ख) 4

(ग) 3

(घ) 5

86. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार दहेज मामला संबंधी तथा पुलिस हिरासत में मृत्यु होने पर मैजिस्ट्रेट जांच किस धारा के तहत होती है?

(क) धारा 175 के अंतर्गत

(ख) धारा 176 के अंतर्गत

(ग) धारा 173 के अंतर्गत

(घ) धारा 172 के अंतर्गत

87. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार डाक द्वारा गवाह को समन तामील होता है?

(क) धारा 69 के अंतर्गत

(ख) धारा 63 के अंतर्गत

(ग) धारा 66 के अंतर्गत

(घ) धारा 67 के अंतर्गत

88. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार फौजी भगोड़े को दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत गिरफ्तार किया जाता है?

(क) धारा 41(1)ए के अंतर्गत

(ख) धारा 42(1)बी के अंतर्गत

(ग) धारा 41(1)एफ के अंतर्गत

(घ) धारा 46(1) के अंतर्गत

89. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति पर किस धारा के तहत आवश्यकतानुसार बल प्रयोग कर सकते हैं?

(क) धारा 48 के अंतर्गत

(ख) धारा 49 के अंतर्गत

(ग) धारा 60 के अंतर्गत

(घ) धारा 67 के अंतर्गत

90. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार किसी व्यक्ति को अपराध में गिरफ्तार किया जाता है तो उसकी गिरफ्तारी के संबंध में सूचना उसके परिवार के सदस्य या नातेदार को दी जाती है?

(क) धारा 41बी के अंतर्गत

(ख) धारा 50ए के अंतर्गत

(ग) धारा 50 के अंतर्गत

(घ) धारा 41(1) के अंतर्गत

91. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार पहचान परेड (TIP) किस धारा के अनुसार करवाई जाती है?

(क) धारा 58 के अंतर्गत

(ख) धारा 53 के अंतर्गत

(ग) धारा 54 के अंतर्गत

(घ) धारा 54ए के अंतर्गत

92. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत बलात्संग पीड़िता का चिकित्सा परीक्षण करवाया जाता है?

- (क) धारा 53ए के अंतर्गत
- (ख) धारा 54 के अंतर्गत
- (ग) धारा 164ए के अंतर्गत
- (घ) धारा 53 के अंतर्गत

93. एक व्यक्ति को बलात्संग के अपराध में गिरफ्तार किए जाता है तो उसका चिकित्सा परीक्षण दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार करवाया जाता है ।

- (क) धारा 53ए के अंतर्गत
- (ख) धारा 53 के अंतर्गत
- (ग) धारा 54 के अंतर्गत
- (घ) धारा 164ए के अंतर्गत

94. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत इस संहिता की धारा 161 के अंतर्गत अभिलिखित किए गए कथनों पर हस्ताक्षर नहीं करवाए जाते हैं, दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की

- (क) धारा 163 के अंतर्गत
- (ख) धारा 163ए के अंतर्गत
- (ग) धारा 162 के अंतर्गत

(घ) धारा 164 के अंतर्गत

95. निम्न में जमानती अपराध का क्या मतलब होता है

(क) ऐसा अपराध जो दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की प्रथम अनुसूची में जमानतीय दर्शाया गया है या अन्य कानून के अंतर्गत जमानतीय बनाया गया है

(ख) जमानती अपराध में जमानत अपराधी का अधिकार है

(ग) जमानती अपराध में जमानत अपराधी का अधिकार नहीं है

(घ) क एवं ख

96. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार संज्ञेय अपराध से क्या तात्पर्य होता है?

(क) जिसमें पुलिस अफसर बिना वारंट के गिरफ्तार नहीं कर सकता है

(ख) जिसमें पुलिस अफसर मजिस्ट्रेट की अनुमति से तफ्तीश करता है

(ग) जिसमें पुलिस अफसर बिना वारंट के गिरफ्तार कर सकता है

(घ) उपरोक्त कोई नहीं

97. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार पुलिस अफसर कब शिकायतकर्ता समझा जाएगा?

(क) आरोप पत्र दायर करने के बाद

(ख) प्रत्येक अभियोग में

- (ग) एफ आई आर दर्ज करने के बाद
- (घ) जब कोई अभियोग तफ्तीश करने के बाद असंज्ञेय अपराध पाया जाता है

98. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार जांच से क्या तात्पर्य है

- (क) वह जांच जो पुलिस द्वारा की जाती है
- (ख) वह जांच जो मर्ग के समय की जाती है
- (ग) वह प्रत्येक जांच जो मजिस्ट्रेट द्वारा की जाती है लेकिन उसमें विचारण सम्मिलित नहीं होता है
- (घ) वह जांच जो इन्क्वायरी कमीशन द्वारा की जाती है

99. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार उच्च न्यायालय में लोक अभियोजक नियुक्त करने की शक्ति किसके पास है

- (क) राज्य सरकार
- (ख) उच्च न्यायालय
- (ग) केंद्रीय सरकार
- (घ) केंद्रीय या राज्य सरकार उच्च न्यायालय से परामर्श के बाद

100. जिले के लिए लोक अभियोजक नियुक्त करने के लिए व्यक्तियों के नामों का पैनल तैयार करने की शक्ति किसके पास है

- (क) सत्र न्यायाधीश

- (ख) राज्य सरकार
- (ग) उच्च न्यायालय
- (घ) जिला मजिस्ट्रेट सत्र न्यायाधीश से परामर्श के बाद

101. कोई पुलिस अफसर किसी व्यक्ति को, किसी ऐसे संज्ञेय अपराध में जिसकी सजा 7 साल से कम है, बिना वारंट कब गिरफ्तार कर सकता है

- (क) जब अन्य अपराध को करने का अंदेशा हो
- (ख) अपराध के उचित अन्वेषण हेतु
- (ग) साक्ष्य को गायब करने या उसे छेड़छाड़ करने की संभावना हो
- (घ) उपरोक्त सभी या किसी एक के लिए

102. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी के ज़ापन में निम्न में से किन-किन बातों का होना अनिवार्य है

- (क) ज़ापन पर किसी भी साक्षी द्वारा अनुप्रमाणित होना आवश्यक नहीं है
- (ख) ज़ापन एक ऐसे साक्षी द्वारा अनुप्रमाणित होना चाहिए जो गिरफ्तार व्यक्ति के परिवार का सदस्य हो
- (ग) गिरफ्तार व्यक्ति के हस्ताक्षर
- (घ) ख व ग दोनों

103. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार अन्वेषण के दौरान गिरफ्तार व्यक्ति से पूछताछ के समय उसकी पसंद के अधिवक्ता के साथ बातचीत कर सकता है

- (क) सही
- (ख) गलत
- (ग) पता नहीं
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

104. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति के अधिकारों का वर्णन निम्न में से किस धारा में है

- (क) धारा 50 दंड प्रक्रिया संहिता
- (ख) धारा 50 A दंड प्रक्रिया संहिता
- (ग) धारा 41B दंड प्रक्रिया संहिता
- (घ) धारा 50A(1) दंड प्रक्रिया संहिता

105. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार बलात्संग के अपराध के आरोपी की चिकित्सा परीक्षा किसी अन्य पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी से कब करवाई जाएगी

- (क) जब सरकारी अस्पताल में नियोजित रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी उपलब्ध न हो
- (ख) जब स्थानीय प्राधिकारी द्वारा स्थापित अस्पताल में रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी उपलब्ध न हो
- (ग) जब उपरोक्त क में वर्णित चिकित्सा व्यवसायी उपलब्ध न हो

(घ) जब उपरोक्त क व ख दोनों में वर्णित चिकित्सा व्यवसायी उपलब्ध ना हो

106. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार पुलिस अधिकारी द्वारा गिरफ्तार व्यक्ति को सिवाय निम्न के रिहा नहीं किया जाएगा?

- (क) मुचलका
- (ख) जमानत
- (ग) मजिस्ट्रेट की विशेष आदेश
- (घ) उपरोक्त तीनों में से किसी एक के

107. किसी अपराध में गिरफ्तार व्यक्ति की शिनाख्त करवाने के आदेश कौन दे सकता है

- (क) कोई कार्यपालक मजिस्ट्रेट
- (ख) कोई न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (ग) अधिकारिता रखने वाला न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (घ) अधिकारिता रखने वाला उपमंडल दंडाधिकारी

108. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार किसी पुलिस अधिकारी को निर्दिष्ट वारंट का निष्पादन किसी अन्य पुलिस अधिकारी द्वारा कब किया जा सकता है?

- (क) पुलिस अधीक्षक के आदेश के पश्चात
- (ख) प्रबंधक अधिकारी थाना के आदेश के पश्चात
- (ग) उस पुलिस अधिकारी के आदेश के बाद जिसको वारंट निर्दिष्ट हुआ है

(घ) पर्यवेक्षण अधिकारी थाना के आदेशों के पश्चात

109. उद्घोषित अपराधी की संपत्ति की कुर्की के आदेश न्यायालय कब दे सकता है?

(क) उद्घोषणा जारी करने के बाद किसी भी समय

(ख) यदि विशेष कारण हो तो उद्घोषणा जारी करने के साथ-साथ भी

(ग) उद्घोषणा जारी करने से पहले

(घ) उपरोक्त दोनों क व ख के अनुसार

110. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत धारा 97 का वारण्ट निम्नलिखित में से कौन सा मैजिस्ट्रेट जारी कर सकता है?

(क) जिला मजिस्ट्रेट

(ख) उपखंड मजिस्ट्रेट

(ग) न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी

(घ) उपरोक्त सभी

111. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 98 के तहत वारंट लेने के लिए किस तरह आवेदन किया जाएगा?

(क) साधारण रूप से शिकायत करके

(ख) मजिस्ट्रेट को टेलीफोन करके

(ग) शपथ पत्र द्वारा शिकायत करके

(घ) उपरोक्त सभी प्रकार से

112. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की कौन सी धारा में तलाशी के दौरान दो गवाह रखने का प्रावधान दिया गया है?

- (क) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 47(2)
- (ख) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 100(1)
- (ग) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 100(2)
- (घ) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 100(4)

113. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 100 के अंतर्गत किसी स्त्री की तलाशी किन परिस्थितियों में किसी स्त्री से भिन्न किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ली जा सकती है।

- (क) जब कोई भी स्त्री वहां पर उपलब्ध न है
- (ख) स्त्री की रजामंदी से
- (ग) स्त्री की माता पिता के सामने
- (घ) किसी भी परिस्थिति में नहीं

114. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 100 के अंतर्गत तलाशी के दौरान यदि कोई व्यक्ति बतौर गवाह उपस्थित रहने के लिए बिना किसी कारण के मना करता है तो उसके खिलाफ क्या कार्रवाई की जा सकती है

- (क) भारतीय दंड संहिता की धारा 186
- (ख) भारतीय दंड संहिता की धारा 187
- (ग) भारतीय दंड संहिता की धारा 188

(घ) भारतीय दंड संहिता की धारा 189

115. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 102 के अंतर्गत यदि कोई पुलिस अधिकारी किसी संपत्ति को अभिगृहीत करता है तो वह उसकी सूचना प्रभारी थाना को किस उपधारा के तहत देगा

(क) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 102(1)

(ख) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 102(2)

(ग) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 102(3)

(घ) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 102(4)

116. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 107 के अंतर्गत अन्य दशाओं में शांति कायम रखने के लिए निम्नलिखित में से अधिकतम कितने समय के लिए प्रतिभूति ली जा सकती है

(क) 6 माह

(ख) एक वर्ष

(ग) मजिस्ट्रेट के आदेश के अनुसार

(घ) उस व्यक्ति के कृत्य के अनुसार

117. पुलिस संज्ञेय अपराधों को रोकने के लिए पूरी समर्था से काम करेगी, यह दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा में अभिलिखित किया गया है?

(क) धारा 150

(ख) धारा 149

(ग) धारा 148

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

118. किसी ऐसे व्यक्ति को जो संज्ञेय अपराध के करने की परिकल्पना रखता है दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत बिना वारंट के कब गिरफ्तार किया जा सकता है?

(क) जब उसने संज्ञेय अपराध को अंजाम दिया हो

(ख) जब गिरफ्तार किए बिना संज्ञेय अपराध के घटित होने का निवारण नहीं किया जा सकता है

(ग) क और ख दोनों सही

(घ) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

119. संज्ञेय अपराध की सूचना प्राप्त होने पर दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी

(क) धारा 155 दंड प्रक्रिया संहिता

(ख) धारा 154 दंड प्रक्रिया संहिता

(ग) धारा 156 दंड प्रक्रिया संहिता

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

120. पुलिस थाना पालमपुर का कोई अन्वेषण अधिकारी जो किसी केस की तफ्तीश कर रहा है उस केस के तथ्यों से परिचित किसी व्यक्ति को जो जिला शिमला का रहने वाला है दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा

160 के अंतर्गत पालमपुर थाना में पूछताछ हेतु बुला सकता है?

- (क) हां
- (ख) नहीं
- (ग) पता नहीं
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

121. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत वह पुलिस अफसर जिसे किसी कानूनी प्रावधान के अंतर्गत मजिस्ट्रेट की शक्तियां प्राप्त की गई हैं इकबालिया बयान दर्ज कर सकता है?

- (क) हां
- (ख) नहीं
- (ग) पता नहीं
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

122. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत क्या बलात्कार की पीड़ित महिला के शरीर का चिकित्सा परीक्षण उसकी या उसकी तरफ से सक्षम किसी व्यक्ति की बिना अनुमति के करवाया जाना वैध है?

- (क) हां
- (ख) नहीं
- (ग) पता नहीं
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

123. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत किसी केस का अन्वेषण अधिकारी उस केस के संबंधित किसी चीज के लिए तलाशी अपने थाना के क्षेत्राधिकार में बिना तलाशी वारंट के कब ले सकता है

- (क) जब इस बात का विश्वास करने का उचित आधार हो कि उस केस के अन्वेषण के लिए आवश्यक है
- (ख) जब अन्वेषणाधिकारी को लगता है कि वह चीज अन्यथा प्राप्त नहीं की जा सकती
- (ग) अपने विश्वास के कारण लिखने के उपरांत
- (घ) उपरोक्त सभी

124. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत कोई कार्यपालक मजिस्ट्रेट किसी अपराध के अभियुक्त को कुल कितने दिन तक पुलिस रिमांड दे सकता है

- (क) 10 दिन
- (ख) 15 दिन
- (ग) 7 दिन
- (घ) 20 दिन

125. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 167 के अंतर्गत किसी ऐसे अपराध में जिसकी सजा मृत्युदंड, आजीवन कारावास या 10 साल से कम नहीं है, उपरोक्त को कुल कितने दिन की न्यायिक व पुलिस अभिरक्षा प्रदान की जाएगी

- (क) 60 दिन

- (ख) 90 दिन
- (ग) 15 दिन
- (घ) इनमें से कोई नहीं

126. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत 10 साल से कम सजा वाले अपराधों में कुल कितने दिन की न्यायिक हिरासत मंजूर हो सकती है?

- (क) 90 दिन
- (ख) 75 दिन
- (ग) 45 दिन
- (घ) 60 दिन

127. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत एक अन्वेषण अधिकारी जो सहायक उप निरीक्षक के पद का है किसी संज्ञेय अपराध के अन्वेषण की रिपोर्ट किसको देगा?

- (क) पुलिस अधीक्षक को
- (ख) पर्यवेक्षण अधिकारी थाना को
- (ग) थाना के भारसाधक अधिकारी को
- (घ) उप निरीक्षक को

128. जब किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद उसके विरुद्ध अधिरोपित अपराध के संबंध में पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध नहीं है तो दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत उसे बंधपत्र पर कौन छोड़ सकता है?

- (क) अन्वेषण अधिकारी
- (ख) प्रबंधक अधिकारी थाना
- (ग) पुलिस अधीक्षक
- (घ) उपरोक्त सभी

129. यदि कोई साक्षी इस संहिता की दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 170 के अंतर्गत निर्देशित बंधपत्र निष्पादित करने से इन्कार करता है तो उसके विरुद्ध प्रभारी थाना क्या कार्रवाई अम्ल में लाएगा?

- (क) हिरासत में लेकर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करेगा
- (ख) उसकी गिरफ्तारी के लिए मजिस्ट्रेट से वारंट हासिल करेगा
- (ग) वारंट हासिल करने के उपरांत हिरासत में लेगा
- (घ) उससे पुनः अनुरोध करेगा

130. एक अन्वेषण अधिकारी एक अभियोग में 1 दिन में कितनी केस डायरी लिख सकता है?

- (क) एक
- (ख) दो
- (ग) तीन
- (घ) आवश्यकतानुसार

131. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत बलात्कार के अपराध से पीड़ित महिला के अभियोग का अन्वेषण कितनी समय अवधि में पूर्ण किया जाएगा?

- (क) 3 मास
- (ख) 2 मास
- (ग) 1 मास
- (घ) 6 मास

132. जब किसी महिला से पुलिस हिरासत में बलात्कार किया जाता है तो दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत किसके द्वारा जांच अमल में लाई जाएगी?

- (क) उपमंडल दंडाधिकारी
- (ख) जिला दंडाधिकारी
- (ग) न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (घ) उपरोक्त सभी

133. केस डायरी दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अंतर्गत लिखी जाती है?

- (क) 171
- (ख) 173
- (ग) 170
- (घ) 172

134. अन्वेषण पूर्ण होने के पश्चात अन्वेषण अधिकारी द्वारा पुलिस फाइल दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अधीन अंतिम जिमनी लिखकर एसएचओ के समक्ष प्रस्तुत की जाती है?

- (क) 161

(ख) 163

(ग) 168

(घ) 169

135. किसी पुलिस अधिकारी द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 151 के अंतर्गत गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की जमानत दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 436 के अंतर्गत क्या थाना प्रबंधक अधिकारी द्वारा ली जा सकती है?

(क) हां

(ख) नहीं

(ग) हां, पुलिस नियम के अंतर्गत

(घ) केवल पुलिस उपाधीक्षक के रैंक के अधिकारी के आदेश पर

136. थाना के रजिस्टर नंबर 9 में दर्ज तथ्यों के आधार पर किसी व्यक्ति के विरुद्ध दोषसिद्धि को दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत किसी जांच विचारण में, साबित किया जा सकता है?

(क) हां

(ख) नहीं

(ग) यदि ऐसी रिपोर्ट को राजपत्रित पुलिस अधिकारी द्वारा सत्यापित किया गया है

(घ) केवल सीसीटीएनएस की रिपोर्ट के ऊपर

137. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 436 के अंतर्गत दिए गए प्रतिबंध के उद्देश्यों के लिए कौन सा व्यक्ति निर्धन है?

- (क) जिसके पास उचित प्रतिभूति देने के लिए संपत्ति न हो
- (ख) जो गिरफ्तारी के दिन से 1 सप्ताह तक जमानत देने में असमर्थ हो
- (ग) यदि ऐसा व्यक्ति गरीबी रेखा से नीचे हो
- (घ) यदि ऐसा व्यक्ति किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त है

138. व्यक्ति जो मृत्यु या आजीवन कारावास से दंडनीय अपराध का दोषी है दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 437 के अंतर्गत निम्न में से किन परिस्थितियों में जमानत पर छोड़ा जा सकता है?

- (क) यदि वह 18 वर्ष से कम आयु का है
- (ख) यदि वह कोई स्त्री है
- (ग) क और ख दोनों
- (घ) दोनों में से कोई नहीं

139. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 451 में संपत्ति के अंतर्गत निम्नलिखित वस्तुएं भी आती हैं।

- (क) कोई मूर्त संपत्ति जो विचारण के दौरान न्यायालय में पेश की जाती है
- (ख) कोई दस्तावेज जो विचारण के दौरान न्यायालय में पेश किया जाता है
- (ग) क और ख दोनों

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

140. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 102 के अंतर्गत पुलिस द्वारा कब्जे में ली गई किसी लावारिस संपत्ति, जिसके मालिक का पता न हो ऐसी संपत्ति का निपटारा करने के बारे में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा में प्रावधान है?

(क) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 452

(ख) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 457

(ग) पुलिस एक्ट की धारा 118

(घ) उपरोक्त किसी में भी नहीं

141. किसी संगीन अपराध में थाना प्रभारी अन्वेषण कर रहे हैं लेकिन पीड़ित की प्रार्थना पर, मामला पुलिस अधीक्षक को अन्वेषण के लिए सौंप दिया जाता है तो पुलिस अधीक्षक को दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अंतर्गत थाना प्रभारी की शक्तियां प्राप्त हो जाएगी?

(क) धारा 156 दंड प्रक्रिया संहिता

(ख) धारा 36 दंड प्रक्रिया संहिता

(ग) धारा 154 दंड प्रक्रिया संहिता

(घ) उपरोक्त सभी द्वारा

142. जब न्यायालय द्वारा कोई गिरफ्तारी वारंट तामील के लिए पुलिस अधिकारी को न देकर किसी दूसरे व्यक्ति

को दिया जाता है तो ऐसा व्यक्ति जरूरत पड़ने पर किसी दूसरे व्यक्ति से सहायता की अपेक्षा दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत कर सकता है?

- (क) धारा 38
- (ख) धारा 36
- (ग) धारा 37
- (घ) धारा 187

143. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार क्या जनता अपराधों की सूचना देने के लिए बाध्य है?

- (क) नहीं, धारा 45
- (ख) हां, धारा 39
- (ग) नहीं, धारा 41
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

144. एक गांव में कुछ लोग बढ़ती महंगाई के चलते सरकार के खिलाफ अगले दिन जलूस निकालने की तैयारी करते हैं जिसकी जानकारी स्थानीय प्रधान को पता चल जाती है। क्या दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अन्तर्गत प्रधान मजिस्ट्रेट या पुलिस को सूचित करने के लिए बाध्य हैं?

- (क) हां, धारा 37
- (ख) नहीं, धारा 39
- (ग) हां, धारा 40

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

145. एक दोष सिद्ध व्यक्ति को दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 356(5) के तहत शर्त पर छोड़ा गया है, लेकिन वह नियमों की उल्लंघना करता है। क्या उसे बिना वारंट गिरफ्तार किया जा सकता है?

(क) नहीं

(ख) हां, धारा 41 के अनुसार उसे बिना वारंट गिरफ्तार किया जा सकता है

(ग) न्यायालय की अनुमति से

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

146. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा में बतलाया गया है कि गिरफ्तार करने वाला पुलिस अधिकारी गिरफ्तारी के समय सही नाम पट्टिका धारण किए होना चाहिए?

(क) धारा 41ख

(ख) धारा 41क

(ग) धारा 41ग

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

147. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा में बतलाया गया है कि गिरफ्तारी की दशा में गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के नाम, पता व पुलिस अधिकारी के बारे में

जानकारी जिला व राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष में दर्शित की जाएगी?

- (क) धारा 41ए
- (ख) धारा 41बी
- (ग) धारा 41सी
- (घ) धारा 41 डी

148. यदि गिरफ्तार व्यक्ति पुलिस से यह कहता है कि मुझसे जो कुछ भी पूछना है वह मेरे वकील के सामने पूछा जाए तो दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अन्तर्गत क्या पुलिस ऐसा करने के लिए अधिकृत कर सकती है?

- (क) हां धारा 41डी, पूछताछ के दौरान गिरफ्तार व्यक्ति का वकील हाजिर रह सकता है, किंतु संपूर्ण पूछताछ के दौरान नहीं
- (ख) किसी भी सूरत में वकील को हाजिर रहने के लिए नहीं कहा जा सकता है
- (ग) वकील नहीं बल्कि पारिवारिक सदस्यों के सामने पूछताछ की जा सकती है
- (घ) उपरोक्त सभी गलत

149. एक प्राइवेट व्यक्ति किसी व्यक्ति को दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अधीन गिरफ्तार कर सकता है?

- (क) धारा 46 के अनुसार

- (ख) धारा 154 के अनुसार
- (ग) धारा 43(1) के अनुसार
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

150. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अन्तर्गत यदि कोई प्राइवेट व्यक्ति किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करता है तो गिरफ्तार व्यक्ति को किस को सुपुर्द करेगा?

- (क) मजिस्ट्रेट के पास ले जाएगा
- (ख) पुलिस अधीक्षक को सुपुर्द करेगा
- (ग) धारा 43(1) के अनुसार तुरंत पुलिस अफसर के हवाले कर देगा या निकटतम थाने में ले जाएगा या भिजवाएगा
- (घ) उपरोक्त में से किसी को नहीं

151. न्यायिक मजिस्ट्रेट या कार्यपालक मजिस्ट्रेट को अपने अधिकार क्षेत्र में किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करने का अधिकार दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा में प्रदत्त है?

- (क) धारा 44
- (ख) धारा 45
- (ग) धारा 46
- (घ) धारा 47

152. सशस्त्र बलों को अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए किसी बात के लिए गिरफ्तारी के दौरान बचाव दण्ड

प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा में बतलाया गया है?

- (क) धारा 46
- (ख) धारा 48
- (ग) धारा 49
- (घ) धारा 45

153. असाधारण परिस्थितियों के दौरान यदि किसी स्त्री को सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच गिरफ्तार करना हो तो गिरफ्तारी के संबंध में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अन्तर्गत कौन सी बात सही है?

- (क) महिला की गिरफ्तारी धारा 46(4) के अनुसार की जाएगी
- (ख) एक महिला पुलिस अधिकारी विद्यमान परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट से गिरफ्तारी की पूर्व अनुज्ञा प्राप्त करेगी
- (ग) महिला की गिरफ्तारी महिला द्वारा ही की जाएगी
- (घ) उपरोक्त सभी सही

154. यदि गिरफ्तार किए जाने वाला व्यक्ति किसी घर में घुस गया हो तो उसकी गिरफ्तारी दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत अम्ल में लाई जाएगी?

- (क) धारा 47 के अनुसार
- (ख) धारा 100 के अनुसार
- (ग) धारा और 43 के अनुसार

(घ) धारा 100 के अनुसार

155. एक पुलिस अधिकारी के सामने कोई व्यक्ति संज्ञेय अपराध करता है तथा भाग जाता है। इस दशा में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अन्तर्गत पुलिस अधिकारी उस व्यक्ति का पीछा कहां तक कर सकता है?

- (क) अपने थाना के सीमा क्षेत्र तक
- (ख) धारा 48 के अनुसार भारत के किसी भी कोने तक
- (ग) धारा 49 के अनुसार जम्मू कश्मीर में
- (घ) धारा 60 के अनुसार केवल अपने राज्य की सीमा तक

156. गिरफ्तार किए जाने वाले व्यक्ति को गिरफ्तारी के कारण और जमानत के अधिकार के बारे में बताने के लिए दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा में प्रावधान रखा गया है?

- (क) धारा 41 बी
- (ख) धारा 41सी
- (ग) धारा 50
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

157. पुलिस अधिकारी गिरफ्तार किए जाने वाले व्यक्ति के परिवार वालों, रिश्तेदार या मित्र को गिरफ्तारी के बारे में सूचित करने के लिए दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा में बाध्य है?

- (क) धारा 41 बी
- (ख) धारा 41सी
- (ग) धारा 50
- (घ) धारा 50ए

158. यदि किसी व्यक्ति की तलाशी के दौरान उसके पास कोई अवैध हथियार / चाकू इत्यादि मिलता है तो दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत पुलिस को कब्जे में लेने की शक्ति है?

- (क) धारा 51
- (ख) धारा 41
- (ग) धारा 52
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

159. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अन्तर्गत एक व्यक्ति को पुलिस टीम अजमानतीय अपराध में गिरफ्तार करने जाती है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को थाने तक पहुंचाने में 8 घंटे का टाइम लग जाता है, तो बताओ पुलिस को कितने समय के बाद गिरफ्तार व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करना पड़ेगा?

- (क) धारा 167 के अनुसार 14 घंटों में
- (ख) धारा 58 के अनुसार 48 घंटों में
- (ग) धारा 50 के अनुसार 8 घंटों में
- (घ) धारा 57 के अनुसार आने-जाने के समय को छोड़कर यानी कि 8 घंटे को छोड़कर अगले 24 घंटों में

160. गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अंतर्गत मजिस्ट्रेट या थाना प्रबंधक के समक्ष पेश करना पड़ता है?

- (क) धारा 57
- (ख) धारा 167
- (ग) धारा 56
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

161. जब भी पुलिस किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करती है तो इसकी सूचना दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत मजिस्ट्रेट को दी जाना जरूरी है?

- (क) धारा 58
- (ख) धारा 57
- (ग) धारा 56
- (घ) धारा 59

162. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अन्तर्गत निकल भागने से रोकने के लिए आवश्यक अवरोध के अतिरिक्त, गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का अनावश्यक अवरोध न किया जाएगा?

- (क) धारा 58
- (ख) धारा 49
- (ग) धारा 56
- (घ) धारा 60

163. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार पुलिस किस धारा के अंतर्गत सामान्य अपराधी का चिकित्सा परीक्षण करवाती है?

- (क) धारा 53
- (ख) धारा 54
- (ग) धारा 56
- (घ) धारा 55

164. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार अपराधी किस धारा के अंतर्गत अपना चिकित्सा परीक्षण करवा सकता है?

- (क) धारा 53 के अनुसार
- (ख) धारा 53 ए के अनुसार
- (ग) धारा 54 के अनुसार
- (घ) धारा 164 ए के अनुसार

165. एक व्यक्ति किसी महिला के साथ दुराचार करता है और उसे पुलिस पकड़ लेती है तो उसका चिकित्सा परीक्षण दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अंतर्गत करवाया जाएगा?

- (क) धारा 53ए
- (ख) धारा 54
- (ग) धारा 56
- (घ) धारा 55

166. एक व्यक्ति किसी महिला के साथ दुराचार करता है, थाना में केस पंजीकृत हो जाता है। अन्वेषण के प्रक्रम में पीड़िता के चिकित्सा परीक्षण करवाने के बारे में किस दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा में बतलाया गया है?

- (क) धारा 53
- (ख) धारा 164
- (ग) धारा 56
- (घ) धारा 164ए

167. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार बलात्कार पीड़िता का चिकित्सा परीक्षण कितने समय के अंदर करवाना अनिवार्य है?

- (क) धारा 53ए के अनुसार 24 घंटे में
- (ख) धारा 54 के अनुसार 12 घंटे में
- (ग) धारा 164 के अनुसार 24 घंटे में
- (घ) धारा 164ए के अनुसार 24 घंटे में

168. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार जब समन किया गया व्यक्ति घर पर न मिले तब समन की तामील निम्नलिखित में से कैसे की जाएगी?

- (क) धारा 64 के अनुसार किसी व्यस्क पुरुष सदस्य के पास समन छोड़कर तामील की जा सकती है

- (ख) धारा 65 के अनुसार उसकी पत्नी के पास समन छोड़कर तामील की जा सकती है
- (ग) गांव के मुखिया के पास समन छोड़कर तामील की जा सकती है
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

169. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार क्या साक्षी पर समन की तामील डाक के माध्यम से की जा सकती है? धारा का उल्लेख करें।

- (क) हां, धारा 69
- (ख) नहीं, धारा 68
- (ग) कुछ कहा नहीं जा सकता
- (घ) उपरोक्त सभी गलत

170. यदि दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 82 के अंतर्गत उद्घोषणा जारी करने वाले न्यायालय को उद्घोषणा जारी करते समय यह पता चल जाता है कि वह व्यक्ति अपनी संपत्ति या उसके किसी भाग का व्ययन करने वाला है तो न्यायालय क्या कार्रवाई कर सकता है?

- (क) उद्घोषणा की कार्रवाई को रोक देगा
- (ख) उद्घोषणा करने से पहले संपत्ति को जब्त करने के आदेश देगा
- (ग) उद्घोषणा जारी करने के साथ ही कुर्की के आदेश भी दे सकता है

(घ) उस व्यक्ति को ऐसा न करने के लिए कहेगा

171. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार यदि थाना प्रभारी को तफ्तीश के दौरान कोई दस्तावेज या चीज मंगवानी हो तो वह निम्न में से किस धारा के तहत संबंधित व्यक्ति को समन जारी कर सकता है?

(क) धारा 91

(ख) धारा 160

(ग) धारा 175

(घ) धारा 55

172. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अध्याय 7 के अनुसार बंदी बनाए गए व्यक्तियों के लिए तलाशी वारंट किस धारा के तहत लिया जाता है?

(क) धारा 94

(ख) धारा 95

(ग) धारा 96

(घ) धारा 97

173. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अध्याय 7 के अनुसार बंद स्थान की तलाशी लेते समय यदि शक होता है कि वहां मौजूद कोई व्यक्ति अपने शरीर में संदेहजनक वस्तु छुपाए हुए हैं तो तलाशी के लिए क्या प्रावधान है?

(क) धारा 47 के अनुसार उसे नोटिस दिया जाएगा

- (ख) धारा 51 के अनुसार तलाशी ली जाएगी
- (ग) धारा 52 के अनुसार तलाशी ली जाएगी
- (घ) धारा 100(3) के प्रावधानों के अनुसार ली जाएगी

174. अधिकारिता के बाहर तलाशी के दौरान पाई गई चीजों का निपटारा दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत किया जाता है?

- (क) धारा 102
- (ख) धारा 101
- (ग) धारा 103
- (घ) धारा 165

175. यदि कोई पुलिस अधिकारी धारा 102 के तहत किसी चीज को कब्जे में लेता है और उस चीज को तुरंत न्यायालय में ले जाना आसान नहीं है तो ऐसा पुलिस अधिकारी दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार क्या कार्रवाई करेगा?

- (क) धारा 102 के तहत अपने पास सुरक्षित रखेगा।
- (ख) धारा 102(3) के अनुसार उस संपत्ति को किसी ऐसे व्यक्ति जो बंधपत्र निष्पादित करें के संपुर्द करेगा
- (ग) धारा 103 में बताएंगे उप बंधुओं के अधीन बेचने की व्यवस्था करेगा और राशि को जिला कोष में जमा करवाएगा।
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

176. यदि किसी कार्यपालक मजिस्ट्रेट को यह सूचना मिलती है कि कोई व्यक्ति आम जनता की शांति में बाधा डालेगा या विधि विरुद्ध कार्य करेगा तो दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी?

- (क) धारा 106
- (ख) धारा 107
- (ग) धारा 103
- (घ) धारा 109

177. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार संदेहजनक व्यक्तियों को सदाचार के लिए किस धारा के तहत पाबन्द किया जा सकता है?

- (क) धारा 109
- (ख) धारा 106
- (ग) धारा 108
- (घ) धारा 110

178. आदतन अपराधियों को शांति बनाए रखने के लिए दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अंतर्गत पाबंद किया जा सकता है?

- (क) धारा 111
- (ख) धारा 106
- (ग) धारा 108
- (घ) धारा 110

179. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार पुलिस या सशस्त्र बल के अधिकारियों द्वारा धारा 129, 130, 131 के अधीन किए गए कार्यों के लिए अभियोजन से संरक्षण किस धारा में बतलाया गया है?

(क) धारा 132

(ख) धारा 116

(ग) धारा 133

(घ) धारा 134

180. एक व्यक्ति एक कुएं की खुदबाई करवाता है, लेकिन वहां चारदिवारी या बाड़ नहीं लगाता है जिससे किसी व्यक्ति या पशु को वहां गिरने का खतरा बन जाता है। उस व्यक्ति के खिलाफ दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी?

(क) धारा 145

(ख) धारा 144

(ग) धारा 133

(घ) धारा 158

181. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार तुरंत भय पैदा होने वाले मामलों में निवारण के लिए आदेश किस धारा के अंतर्गत किया जाता है?

(क) धारा 145

(ख) धारा 144

(ग) धारा 133

(घ) धारा 158

182. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार जमीन या पानी से जुड़े मामलों में शांति भंग होना यदि संभव हो तो वहां कार्रवाई किस धारा के तहत की जाती है?

(क) धारा 145

(ख) धारा 144

(ग) धारा 131

(घ) धारा 149

183. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार यदि महिलाओं से संबंधित अपराध जैसे तेजाब, सेक्सुअल प्रताड़ना या बलात्संग इत्यादि की सूचना पुलिस थाने में दी जाती है तो ऐसी सूचना को किसके द्वारा अभिलिखित किया जाएगा?

(क) थाना प्रभारी या एमएचसी द्वारा।

(ख) किसी महिला पुलिस अधिकारी या किसी महिला अधिकारी द्वारा

(ग) एस.डी.पी.ओ द्वारा अभिलिखित की जाएगी।

(घ) उपरोक्त सभी के द्वारा अभिलिखित की जा सकती है।

184. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार यदि महिलाओं से संबंधित अपराध जैसे तेजाब, सेक्सुअल प्रताड़ना या

बलात्संग इत्यादि की सूचना देने वाला व्यक्ति अस्थाई व स्थाई तौर पर मानसिक व शारीरिक रूप से कमजोर है या पागल या विकलांग है तो ऐसी सूचना कहां अभिलिखित की जाएगी?

- (क) धारा 154(1)a के अनुसार थाना में लिखी जाएगी।
- (ख) धारा 154 (1)ए के अनुसार उस महिला के मकान पर जाकर या उसके पसंद के स्थान पर उसकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए अभिलिखित की जाएगी
- (ग) धारा 154 (2) के अनुसार किसी होटल या सराय में बैठकर।
- (घ) क और ख सही।

185. यदि महिलाओं से संबंधित अपराध जैसे तेजाब, सेक्सुअल प्रताड़ना या बलात्संग इत्यादि का अभियोग पुलिस थाना में पंजीकृत होता है तो पीड़ित का ब्यान दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत जुडिशल मजिस्ट्रेट के पास दर्ज करवाया जाएगा?

- (क) धारा 164 की उपधारा 5क के खंड क के अनुसार
- (ख) धारा 164 (2) के अनुसार
- (ग) धारा 164 (4) के अनुसार
- (घ) धारा 164 की उपधारा 5क के खंड ख के अनुसार

186. यदि थाना प्रभारी एफआईआर लिखने से मना कर देता है तो दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार सूचना देने वाला व्यक्ति क्या कर सकता है?

- (क) धारा 154(3) के तहत अपनी शिकायत को लिखित रूप में या व्यक्तिगत रूप में जिला पुलिस अधीक्षक को भेज सकता है
- (ख) डीएम साहब को शिकायत करेगा
- (ग) इलाका मजिस्ट्रेट को लिखित में शिकायत करेगा
- (घ) धारा 154 (2) के तहत एस.डी.पी.ओ साहब को शिकायत करेगा

187. यदि किसी असंज्ञेय मामले में धारा 155 (2) के अनुसार मजिस्ट्रेट द्वारा अन्वेषण करने का आदेश प्राप्त होता है तो पुलिस अधिकारी -

- (क) संज्ञेय अपराध की तरह मामले का अन्वेषण कर सकता है
- (ख) धारा 155 (3) के अनुसार पुलिस अधिकारी बिना वारंट गिरफ्तार नहीं कर सकता है
- (ग) बिना वारंट गिरफ्तारी अम्ल में ला सकता है
- (घ) क और ख सही

188. यदि किसी असंज्ञेय मामले की सूचना थाना में दी जाती है तो दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार क्या कार्रवाई की जाएगी?

- (क) शिकायतकर्ता को सूचित किया जाएगा कि पुलिस इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं कर सकती
- (ख) धारा 154 के अनुसार थाना प्रभारी के निर्देश पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की जाएगी

- (ग) धारा 155(1) के अनुसार थाना प्रभारी राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत पुस्तक में उस सूचना को दर्ज करके उसकी एक प्रतिलिपि सूचना देने वाले को निःशुल्क देगा
- (घ) उपरोक्त सभी गलत

189. यदि थाना के सीमा क्षेत्र के अंतर्गत कोई संज्ञेय अपराध घटित होता है तो थाना प्रभारी दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत मजिस्ट्रेट के आदेश के बिना अन्वेषण शुरू कर सकता है?

- (क) धारा 156(1) के अनुसार
- (ख) धारा 155 (1) के अनुसार
- (ग) धारा 154 के अनुसार
- (घ) धारा 158 के अनुसार

190. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 157 (1) ख के अनुसार थाना प्रभारी किसी मामले का अन्वेषण करने से मना कर सकता है यदि-

- (क) अपराधी का कोई नाम व पता मालूम न हो
- (ख) जब मामले में कोई प्रत्यक्षदर्शी गवाह न हो
- (ग) जब उसे यह प्रतीत होता है की अन्वेषण करने के लिए पर्याप्त आधार नहीं है
- (घ) जब मामला गंभीर प्रकार का नहीं है

191. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 157 (1) क के अनुसार थाना प्रभारी के लिए घटनास्थल पर खुद या अपने अधीनस्थ अधिकारी का भेजा जाना आवश्यक न है। इस संबंध में कौन सी टिप्पणी सही है?

- (क) जब ऐसे अपराध के किए जाने की सूचना किसी व्यक्ति के विरुद्ध उसका नाम देकर की गई है
- (ख) मामला गंभीर प्रकार का नहीं है
- (ग) पुलिस थाने का भारसाधक अधिकारी व अधीनस्थ अधिकारी किसी अन्य गंभीर मामले में व्यस्त हैं
- (घ) उपरोक्त सभी सही हैं

192. हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत हिमाचल पुलिस में कार्यरत स्नातक आरक्षियों को अन्वेषण करने की शक्तियां प्रदत्त की गई हैं?

- (क) धारा 157 के अनुसार
- (ख) धारा 155 (1) के अनुसार
- (ग) धारा 154 के अनुसार
- (घ) धारा 156(1) के अनुसार

193. जब किसी गवाह को दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 160 के तहत पुलिस द्वारा बुलाया जाता है तो उसके आने जाने का खर्चा किसके द्वारा दिया जाएगा?

- (क) धारा 154 के तहत शिकायतकर्ता द्वारा

- (ख) धारा 160(2) के तहत पुलिस व्यवस्था करेगी
- (ग) धारा 107 के अनुसार अभियुक्त द्वारा
- (घ) गवाह को कोई खर्चा नहीं दिया जाता है

194. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार गिरफ्तार किए व्यक्ति के स्वास्थ्य व सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी होती है?

- (क) धारा 55 ए के अनुसार हिरासत में रखने वाले अधिकारी की
- (ख) धारा 55 के अनुसार थाना प्रभारी की।
- (ग) धारा 57 के अनुसार जेल अधिकारी की।
- (घ) उपरोक्त में से किसी की भी नहीं।

195. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973, क्या दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 एक प्रक्रियात्मक कानून है?

- (क) हां
- (ख) नहीं
- (ग) मालूम नहीं
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

196. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार साक्ष्य एकत्रित करने के लिए अन्वेषण की कार्यवाही किसके द्वारा अपनाई जाती है?

- (क) धारा 2h के अनुसार पुलिस द्वारा
- (ख) धारा 2 के अनुसार मजिस्ट्रेट द्वारा

(ग) धारा 2h के अनुसार मजिस्ट्रेट द्वारा अधिकृत व्यक्ति द्वारा

(घ) क और ग दोनों सही

197. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार पुलिस रिपोर्ट से अभिप्राय-

(क) पुलिस अधिकारी (SHO) द्वारा धारा 173 (2) के अंतर्गत मजिस्ट्रेट को भेजी गई रिपोर्ट से है

(ख) धारा 170 के अंतर्गत भेजी गई रिपोर्ट से है

(ग) धारा 158 के तहत भेजी गई रिपोर्ट से है

(घ) उपरोक्त सभी सही

198. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार पुलिस किसी व्यक्ति को एक अभियोग में गिरफ्तार करती है तो गिरफ्तारी के पश्चात उसे कितने समय के भीतर न्यायालय में पेश करना पड़ेगा?

(क) धारा 57 के अनुसार 48 घंटे में

(ख) धारा 167 के अनुसार 24 घंटे में

(ग) धारा 56 के अनुसार 24 घंटे में

(घ) धारा 57 के अनुसार 24 घंटे में

199. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार पुलिस अधिकारी द्वारा किसी साक्षी/अभियुक्त को अन्वेषण में शामिल होने हेतु बुलाए जाने संबंधी प्रावधान किस धारा में वर्णित है?

- (क) धारा 156
- (ख) धारा 160
- (ग) धारा 161
- (घ) धारा 158

200. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार किसी मामले के तथ्यों और हालात से परिचित समझे जाने वाले किसी व्यक्ति की पुलिस द्वारा मौखिक परीक्षा किस धारा के अंतर्गत की जाती है?

- (क) धारा 161(1) के अंतर्गत
- (ख) धारा 162 के अंतर्गत
- (ग) धारा 107 के अंतर्गत
- (घ) धारा 160 के अंतर्गत

201. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार पुलिस द्वारा किसी अभियोग में धारा 161 के अनुसार लिए गए बयान पर किस धारा के अनुसार हस्ताक्षर नहीं करवाए जायेंगे?

- (क) धारा 161 के अनुसार
- (ख) धारा 162 के अनुसार
- (ग) धारा 163 के अनुसार
- (घ) धारा 164 के अनुसार

202. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार कोई भी पुलिस अधिकारी बयान देने के लिए कोई धमकी या बंधन या

उत्तेजना देकर बयान दर्ज नहीं करवाएगा, किस धारा में बतलाया गया है?

- (क) धारा 161
- (ख) धारा 162
- (ग) धारा 163
- (घ) धारा 164

203. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार धारा 164 के अंतर्गत इकबालिया बयान किस स्टेज पर लिखा जाता है?

- (क) विचारण के दौरान
- (ख) तफ्तीश के दौरान या पश्चात किंतु जांच या विचारण शुरू होने से पहले
- (ग) केवल तफ्तीश के दौरान
- (घ) केवल प्रारंभिक जांच के दौरान

204. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार किसी अभियोग के अन्वेषण के दौरान यदि यह बात सामने आती है कि अभियोग से जुड़े व्यक्ति या संपत्ति के संबंध में विदेशी न्यायालय या प्राधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया जाना जरूरी है तो किस धारा के तहत दिया जाएगा?

- (क) धारा 166ए के अनुसार केंद्र सरकार के माध्यम से
- (ख) धारा 166 बी के अनुसार केंद्र सरकार के माध्यम से
- (ग) धारा 166 के अनुसार राज्य सरकार के माध्यम से
- (घ) धारा 166 ए के अनुसार जिलाधीश के माध्यम से

205. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार किसी अभियुक्त का पुलिस रिमांड लेने के लिए उसे-

- (क) धारा 167 (2) ख के अनुसार अभियुक्त को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाना जरूरी है
- (ख) धारा 167 के अनुसार अभियुक्त को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाना जरूरी नहीं है
- (ग) धारा 167(5) के अनुसार अभियुक्त को उपमंडल मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जा सकता है
- (घ) धारा 57 के अनुसार थाना प्रभारी के समक्ष पेश किया जाएगा

206. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार यदि मृत्यु, आजीवन कारावास या 10 वर्ष या इससे ज्यादा की अवधि के कारावास से दंडनीय अपराध में कोई अभियुक्त न्यायिक हिरासत में बंद है तथा यदि पुलिस 90 दिन के अंदर चालान प्रस्तुत नहीं करती है तो -

- (क) धारा 167 के अनुसार 90 दिन के उपरांत जमानत की शर्त पूरी करने के बाद अभियुक्त को जमानत लेने का अधिकार होगा
- (ख) धारा 167 के अनुसार जमानत लेने का अधिकार नहीं होगा
- (ग) न्यायालय, अन्वेषण की कार्रवाई को रोक देगा
- (घ) न्यायालय किसी भी सूरत में जमानत नहीं देगा

207. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार यदि किसी कार्यपालक मजिस्ट्रेट को न्यायिक मजिस्ट्रेट या महानगरीय मजिस्ट्रेट की शक्तियां दी गई हैं तो वह किसी अभियुक्त को-

- (क) 5 दिन तक रिमांड दे सकता है
- (ख) 15 दिन तक रिमांड दे सकता है
- (ग) 7 दिन तक रिमांड दे सकता है
- (घ) 10 दिन तक रिमांड दे सकता है

208. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार थाना प्रभारी से भिन्न किसी अन्वेषण अधिकारी द्वारा अभियोग का अन्वेषण पूरा करने के बाद अन्वेषण रिपोर्ट किसको व किस धारा के तहत प्रस्तुत की जाती है?

- (क) धारा 168 के अनुसार थाना प्रभारी को
- (ख) धारा 169 के अनुसार थाना प्रभारी को
- (ग) धारा 170 के अनुसार मजिस्ट्रेट को
- (घ) धारा 171 के अनुसार पुलिस अधीक्षक को

209. अन्वेषण में अभियुक्त के खिलाफ यदि कोई साक्ष्य नहीं मिलता है तो दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत छोड़ा जा सकता है?

- (क) धारा 161 के अनुसार
- (ख) धारा 162 के अनुसार
- (ग) धारा 168 के अनुसार

(घ) धारा 169 के अनुसार

210. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार जब सबूत पर्याप्त हों तब मामले को किस धारा के तहत मजिस्ट्रेट के पास भेजा जाता है?

(क) धारा 173 के अनुसार

(ख) धारा 172 के अनुसार

(ग) धारा 170 के अनुसार

(घ) धारा 164 के अनुसार

211. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार महिलाओं के साथ बलात्कार के अपराध में अन्वेषण कितने दिनों के भीतर पूरा किया जाना जरूरी है?

(क) धारा 173 (1)क के अनुसार 60 दिन में

(ख) धारा 173 के अनुसार 30 दिन में

(ग) धारा 173 के अनुसार 90 दिन में

(घ) अन्वेषण के लिए कोई भी समय सीमा निर्धारित नहीं है

212. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार अनुपूरक चालान किस धारा के तहत न्यायालय में भेजा जाता है?

(क) धारा 173(1) के अनुसार

(ख) धारा 173(2) के अनुसार

(ग) धारा 173(5) के अनुसार

(घ) धारा 173(8) के अनुसार

213. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार यदि कोई ऐसा कथन जिसका मुकदमे से कोई लेना-देना नहीं है और आरोपी को बताया जाना आवश्यक न हो तो चालान भेजने वाला पुलिस अधिकारी न्यायालय से उस कथन को निकालने के लिए किस धारा के तहत निवेदन कर सकता है?

(क) धारा 173(6) के अनुसार

(ख) धारा 173(2) के अनुसार

(ग) धारा 173(5) के अनुसार

(घ) धारा 173(8) के अनुसार

214. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार यदि किसी स्त्री द्वारा शादी के सात वर्ष के अंदर आत्महत्या कर ली जाती है या उसकी मृत्यु ऐसी परिस्थितियों से संबंधित है जो यह संदेह उत्पन्न करती हो कि किसी अन्य व्यक्ति ने स्त्री के संबंध में कोई अपराध किया है तो उसकी मृत्यु के कारणों की जांच किसके द्वारा की जाएगी?

(क) धारा 176 के अनुसार ऐसी दशा में मामले की जांच पुलिस अधिकारी की बजाए संबंधित मजिस्ट्रेट करेगा

(ख) धारा 176 के अनुसार जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा

(ग) धारा 156 के अनुसार थाना प्रभारी द्वारा

(घ) सरकार द्वारा गठित कमेटी द्वारा

215. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार धारा 174 के तहत कार्यवाही करने वाला अधिकारी किस धारा के तहत मामले के संबंध में जानकारी रखने वाले व्यक्तियों को घटनास्थल पर बुला सकता है?

- (क) धारा 160(1) के अनुसार
- (ख) धारा 160(2) के अनुसार
- (ग) धारा 175 के अनुसार
- (घ) धारा 91 के अनुसार

216. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार यदि किसी व्यक्ति की पुलिस हिरासत में मौत हो जाती है तो उसकी जांच कौन करेगा?

- (क) न्यायिक मजिस्ट्रेट, धारा 176
- (ख) थाना प्रभारी, धारा 156
- (ग) पुलिस अधीक्षक, धारा 36
- (घ) कार्यपालक मजिस्ट्रेट धारा 44

217. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार एक महिला किसी केस में थाने की हवालात में बंद है। रात के समय संतरी उसके साथ रेप करता है तो इस दशा में मामले की जांच कौन करेगा?

- (क) न्यायिक मजिस्ट्रेट, धारा 176
- (ख) थाना प्रभारी, धारा 156
- (ग) पुलिस अधीक्षक, धारा 36

(घ) कार्यपालक मजिस्ट्रेट धारा 44

218. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार यदि किसी 18 वर्ष से कम आयु की स्त्री जो कि बलात्संग की पीड़िता है का साक्ष्य कोर्ट में अभिलिखित किया जाना हो, तो न्यायालय -

(क) धारा 273 के अनुसार न्यायालय यह सुनिश्चित करेगा कि ऐसी स्त्री का अभियुक्त से सामना न हो।

(ख) अभियुक्त की प्रतिपरीक्षा के अधिकार को सुनिश्चित करते हुए समुचित उपाय करेगा।

(ग) न्यायालय अभियुक्त को पर्दे के पीछे खड़ा किया जा सकता है।

(घ) उपरोक्त सभी ठीक हैं

219. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार सह अपराधी को क्षमादान के संबंध में किस धारा में प्रावधान है?

(क) धारा 305 के अनुसार

(ख) धारा 315 के अनुसार

(ग) धारा 305 के अनुसार

(घ) धारा 306 के अनुसार

220. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार किसी व्यक्ति के खिलाफ अभियोजन को वापस लेने के बारे में किस धारा में प्रावधान रखा गया है?

(क) धारा 313 के अनुसार

- (ख) धारा 320 के अनुसार
- (ग) धारा 203 के अनुसार
- (घ) धारा 321 के अनुसार

221. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार अपराधों की सारणी जिसमें वर्णित अपराध को शमन किया जा सकता है, किस धारा में बताया गया है?

- (क) धारा 321 के अनुसार
- (ख) धारा 313 के अनुसार
- (ग) धारा 320 के अनुसार
- (घ) धारा 207 के अनुसार

222. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार जब बंधपत्र को जब्त कर लिया जाता है तो किस धारा के अंतर्गत प्रक्रिया अपनाई जाती है?

- (क) धारा 473 के अनुसार
- (ख) धारा 446 के अनुसार
- (ग) धारा 346 के अनुसार
- (घ) धारा 467 के अनुसार

223. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार जब किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाता है तो उसके स्वास्थ्य और सुरक्षा का उत्तरदायी कौन होता है?

- (क) थाने का मुंशी धारा 154 के अनुसार
- (ख) थाने का प्रबंधक धारा 57 के अनुसार

(ग) हिरासत में रखने वाला अधिकारी धारा 55ए के अनुसार

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

224. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार असाधारण परिस्थितियों में रात्रि के समय महिला अपराधी को गिरफ्तारी की जा सकती है?

(क) धारा 46(1) के अंतर्गत

(ख) धारा 46(3) के अंतर्गत

(ग) धारा 46(4) के अंतर्गत

(घ) धारा 43(1) के अंतर्गत

225. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार परिवाद का संबंध किन-किन अपराधों से होता है?

(क) केवल संज्ञेय अपराधों से

(ख) केवल असंज्ञेय अपराधों से

(ग) संज्ञेय और असंज्ञेय अपराधों से

(घ) स्थानीय एवं विशेष कानून संबंधित अपराधों से

226. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार किसी असंज्ञेय अपराध में गिरफ्तारी किस प्रावधान के अनुसार की जा सकती है?

(क) न्यायालय द्वारा वारंट जारी करने पर, धारा 155(3)

(ख) राजपत्रित अधिकारी द्वारा अधिकार पत्र जारी करने पर, धारा 155(4) के अंतर्गत

- (ग) थाना प्रभारी द्वारा धारा 41 के अंतर्गत
- (घ) उपरोक्त सभी गलत

227. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 61 के अनुसार, समन का प्रारूप-

- (क) लिखित में होना चाहिए
- (ख) मजिस्ट्रेट द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए
- (ग) जारी करने वाले न्यायालय की मोहर लगी होनी चाहिए
- (घ) उपरोक्त सभी

228. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार अपराधों के शमन की सारणी किस धारा में दर्शाई गई है?

- (क) धारा 468 के अंतर्गत
- (ख) धारा 320 के अंतर्गत
- (ग) धारा 321 के अंतर्गत
- (घ) धारा 327 के अंतर्गत

229. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार जब साक्ष्य पर्याप्त हो और मामला अजमानतीय हो तब किस पदाधिकारी द्वारा अभियुक्त को छोड़ा जाना उचित होगा?

- (क) थाना प्रबंधक द्वारा
- (ख) पुलिस के राजपत्रित अधिकारी द्वारा
- (ग) मैजिस्ट्रेट द्वारा

(घ) जिला मैजिस्ट्रेट द्वारा

230. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार पुलिस थाना के भारसाधक अधिकारी की परिभाषा किस धारा में परिभाषित है?

- (क) धारा 2(A) के अंतर्गत
- (ख) धारा 2(O) के अंतर्गत
- (ग) धारा 14 के अंतर्गत
- (घ) धारा 21 के अंतर्गत

231. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार मृत्युदंड का आदेश कौन सा न्यायालय दे सकता है?

- (क) प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के न्यायालय द्वारा
- (ख) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय द्वारा
- (ग) सेशन न्यायालय उच्च न्यायालय द्वारा पुष्टि होने पर
- (घ) उपरोक्त सभी द्वारा

232. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को गिरफ्तारी के आधारों और जमानत के अधिकार की सूचना देने का प्रावधान किस धारा में है?

- (क) धारा 41बी के अंतर्गत
- (ख) धारा 50 के अंतर्गत
- (ग) धारा 154 के अंतर्गत
- (घ) धारा 168 के अंतर्गत

233. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार जब समन किया हुआ व्यक्ति घर पर न मिले तो समन की दो प्रतियों में से एक प्रति घर के किस सदस्य को दी जाएगी?

- (क) समन किए गए व्यक्ति की पत्नी को
- (ख) समन किए गए व्यक्ति की बहन को
- (ग) समन किए गए व्यक्ति के परिवार के किसी व्यस्क पुरुष सदस्य को
- (घ) उपरोक्त सभी को

234. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार पीड़ित की परिभाषा किस धारा में वर्णित है?

- (क) धारा 2(WA) के अंतर्गत
- (ख) धारा 2(G) के अंतर्गत
- (ग) धारा 2D के अंतर्गत
- (घ) धारा 2(I) के अंतर्गत

235. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार बंद स्थान की तलाशी लेते समय दो स्थानीय गवाहों को तलाशी लेने वाली पार्टी में शामिल करने का प्रावधान निम्न में से किस धारा में वर्णित है?

- (क) धारा 108 के अंतर्गत
- (ख) धारा 100 के अंतर्गत
- (ग) धारा 100(4) के अंतर्गत
- (घ) धारा 100(3) के अंतर्गत

236. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 164 के तहत संस्वीकृति व कथनों को कौन रिकॉर्ड कर सकता है?

- (क) कोई भी पुलिस का राजपत्रित अधिकारी
- (ख) कोई भी न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (ग) केवल अधिकारिता रखने वाला मैजिस्ट्रेट
- (घ) जिला मैजिस्ट्रेट

237. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार धारा 109 के अंतर्गत संदिग्ध व्यक्तियों से सदाचार के लिए प्रतिभूति कौन सा मजिस्ट्रेट ले सकता है?

- (क) केवल सेशन न्यायालय
- (ख) केवल चीफ ज्यूडिशल मजिस्ट्रेट
- (ग) थाना प्रभारी
- (घ) कोई भी कार्यपालक मजिस्ट्रेट

238. एक व्यक्ति की पुलिस हिरासत में मौत हो जाती है। दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार मृत्यु की जांच किसके द्वारा की जाएगी?

- (क) पुलिस के राजपत्रित अधिकारी द्वारा
- (ख) न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा
- (ग) थाना प्रबंधक द्वारा
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

239. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार धारा 161 के अंतर्गत किन साक्षियों की परीक्षा पुलिस द्वारा की जाती है?

- (क) पीड़ित से परिचित व्यक्तियों की
- (ख) अभियुक्त से परिचित व्यक्तियों की
- (ग) मामले के तथ्य एवं परिस्थितियों से परिचित व्यक्तियों की
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

240. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार संज्ञेय अपराध की परिकल्पना का पता चलने पर अपराध को रोकने के लिए पुलिस को गिरफ्तार करने की शक्ति का प्रावधान किस धारा में है?

- (क) धारा 151 के अंतर्गत
- (ख) धारा 152 के अंतर्गत
- (ग) धारा 154 के अंतर्गत
- (घ) धारा 109(3) के अंतर्गत

241. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार विधि विरुद्ध जमाव को सिविल बल के प्रयोग द्वारा तितर-बितर करने का आदेश कौन-कौन दे सकता है?

- (क) थाना प्रबंधक
- (ख) कार्यपालक मजिस्ट्रेट
- (ग) पुलिस उप निरीक्षक
- (घ) उपरोक्त सभी

242. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार अजमानतीय अपराध के अभियुक्त से भिन्न किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाता है तो उसे जमानत पर छोड़े जाने का प्रावधान है?

- (क) धारा 438 के अंतर्गत
- (ख) धारा 437 के अंतर्गत
- (ग) धारा 436 के अंतर्गत
- (घ) धारा 109(3) के अंतर्गत

243. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार जनता द्वारा कुछ अपराधों की सूचना दिये जाना वर्णित है?

- (क) धारा 37 के अंतर्गत
- (ख) धारा 38 के अंतर्गत
- (ग) धारा 39 के अंतर्गत
- (घ) धारा 48 के अंतर्गत

244. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार गिरफ्तारी की प्रक्रिया और गिरफ्तार करने वाले अधिकारी के कर्तव्य किस धारा में वर्णित हैं?

- (क) धारा 41ए के अंतर्गत
- (ख) धारा 41बी के अंतर्गत
- (ग) धारा 41सी के अंतर्गत
- (घ) धारा 42 के अंतर्गत

245. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार गिरफ्तारी करते समय अनावश्यक अवरोध न करना किस धारा में वर्णित है?

- (क) धारा 49 के अंतर्गत
- (ख) धारा 48 के अंतर्गत
- (ग) धारा 50 के अंतर्गत
- (घ) धारा 50ए के अंतर्गत

246. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार पुलिस का गिरफ्तारियों की रिपोर्ट जिला मैजिस्ट्रेट को करना किस धारा के अनुसार आवश्यक है?

- (क) धारा 57 के अंतर्गत
- (ख) धारा 56 के अंतर्गत
- (ग) धारा 58 के अंतर्गत
- (घ) धारा 167 के अंतर्गत

247. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार पुलिस अधिकारी द्वारा अन्वेषण के प्रयोजन हेतु अपने अधिकार क्षेत्र में बिना वारंट तलाशी के अधिकार का प्रावधान किस धारा में है?

- (क) धारा 168 के अंतर्गत
- (ख) धारा 165 के अंतर्गत
- (ग) धारा 166 के अंतर्गत
- (घ) धारा 41 के अंतर्गत

248. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार लोक संपत्ति की हानि होने से रोकने का प्रावधान किस धारा में है?

- (क) धारा 109 के अंतर्गत
- (ख) धारा 150 के अंतर्गत
- (ग) धारा 151 के अंतर्गत
- (घ) धारा 152 के अंतर्गत

249. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार अजमानतीय अपराध से भिन्न किसी अपराध में गिरफ्तार व्यक्ति की जमानत कौन ले सकता है?

- (क) सेशन न्यायालय द्वारा
- (ख) उपमंडल अधिकारी द्वारा
- (ग) न्यायालय द्वारा
- (घ) पुलिस द्वारा

250. अगर किसी इलाका मैजिस्ट्रेट को हत्या कर शव गाड़े जाने की सूचना मिलती है, तो वह शव को दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अंतर्गत निकलवाकर जांच कर सकता है?

- (क) धारा 174 द.प्र.सं.
- (ख) धारा 176 द.प्र.सं.
- (ग) धारा 175 द.प्र.सं.
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

251. पुलिस अधिकारी को घटनास्थल से भौतिक साक्ष्य उठाने की शक्ति दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा में दी गई है?

- (क) धारा 101 द.प्र.सं.
- (ख) धारा 103 द.प्र.सं.
- (ग) धारा 102 द.प्र.सं.
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

252. पुलिस अधिकारी गिरफ्तार व्यक्ति की तलाशी दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अंतर्गत ले सकता है?

- (क) धारा 42 द.प्र.सं.
- (ख) धारा 51 द.प्र.सं.
- (ग) धारा 52 द.प्र.सं.
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

253. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति को पुलिस हिरासत में अधिकतम कितने घंटे रखा जा सकता है?

- (क) 36 घंटे
- (ख) 48 घंटे
- (ग) 24 घंटे
- (घ) जब तक पुलिस अधिकारी चाहे

254. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार क्या वारंट की तामील एक व्यक्ति द्वारा की जा सकती है?

- (क) हां
- (ख) नहीं
- (ग) सम्भवतः
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

255. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार क्या समन की तामील एक व्यक्ति द्वारा की जाती है?

- (क) हां
- (ख) नहीं
- (ग) सम्भवतः
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

256. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार क्या वारंट निर्धारित अवधि के पश्चात अपने आप रद्द हो जाता है?

- (क) हां
- (ख) नहीं
- (ग) सम्भवतः
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

257. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार वारंट कौन जारी कर सकता है?

- (क) पुलिस

- (ख) न्यायालय
- (ग) पंचायत
- (घ) उपरोक्त सभी

258. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार समन कौन जारी कर सकता है?

- (क) न्यायालय
- (ख) पुलिस अधिकारी
- (ग) पंचायत
- (घ) उपरोक्त सभी

259. पुलिस अधिकारी को संज्ञेय अपराध की सूचना मिलने पर दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अंतर्गत गिरफ्तारी करनी चाहिए?

- (क) धारा 41 द.प्र.सं.
- (ख) धारा 42 द.प्र.सं.
- (ग) धारा 43 द.प्र.सं.
- (घ) धारा 44 द.प्र.सं.

260. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार अपराध कितने प्रकार के होते हैं?

- (क) एक
- (ख) दो
- (ग) तीन
- (घ) चार

261. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार मृत्यु, आजीवन कारावास या 2 वर्ष से अधिक के कारावास वाले अपराध क्या कहलाते हैं?

- (क) समन मामला
- (ख) जमानतीय मामला
- (ग) वारंट मामला
- (घ) उपरोक्त सही

262. प्रत्येक गिरफ्तारी दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के उपबंधों या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के उपबंधों के सिवाय नहीं की जा सकेगी दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा में वर्णित है?

- (क) धारा 60 के अंतर्गत
- (ख) धारा 60क के अंतर्गत
- (ग) धारा 55 के अंतर्गत
- (घ) धारा 52 के अंतर्गत

263. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार एक प्राइवेट व्यक्ति कब किसी व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकता है?

- (क) धारा 43 (1) के अनुसार यदि किसी प्राइवेट व्यक्ति के सामने कोई अजमानतीय अपराध करता है

- (ख) कोई धारा 82 के अनुसार उद्घोषित अपराधी है तो प्राइवेट व्यक्ति उसको गिरफ्तार कर सकता है या करवा सकता है
- (ग) प्राइवेट व्यक्ति गिरफ्तार नहीं कर सकता है
- (घ) क और ख दोनों सही

264. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार असाधारण परिस्थितियों के दौरान यदि किसी स्त्री को सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच गिरफ्तार करना हो तो गिरफ्तारी कैसे की जाएगी?

- (क) गिरफ्तारी धारा 46(4) के अनुसार की जाएगी
- (ख) एक महिला पुलिस अधिकारी विद्यमान परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट से गिरफ्तारी की पूर्व अनुज्ञा प्राप्त करेगी
- (ग) महिला की गिरफ्तारी महिला द्वारा ही की जाएगी
- (घ) उपरोक्त सभी द्वारा

265. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार यदि पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जाने वाला व्यक्ति किसी के घर में घुस जाता है, तो गिरफ्तारी किस धारा के तहत अमल में लाई जाएगी?

- (क) धारा 100 के अंतर्गत
- (ख) धारा 47 के अंतर्गत
- (ग) धारा 55 के अंतर्गत
- (घ) धारा 52 के अंतर्गत

266. एक पुलिस अधिकारी चौराहे पर खड़ा था तो उसके सामने एक व्यक्ति संज्ञेय अपराध करता है तथा भाग जाता है। इस दशा में पुलिस अधिकारी -

- (क) धारा 48 के अंतर्गत कार्यवाही अमल में लाएगा
- (ख) भारत के किसी भी कोने तक व्यक्ति का पीछा करके गिरफ्तार कर सकता है
- (ग) धारा 60 के अंतर्गत कार्यवाही करेगा
- (घ) क और ख दोनों सही

267. “साहब मुझे किस जुर्म में गिरफ्तार किया जा रहा है”- गिरफ्तार किए जाने वाले व्यक्ति को यह जानने का अधिकार दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा में वर्णित है?

- (क) धारा 100 के अंतर्गत
- (ख) धारा 50 के अंतर्गत
- (ग) धारा 50A के अंतर्गत
- (घ) धारा 52 के अंतर्गत

268. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार क्या पुलिस अधिकारी गिरफ्तार किए जाने वाले व्यक्ति के परिवार वालों, रिश्तेदार या मित्र को गिरफ्तारी के बारे में सूचित करने के लिए बाध्य है?

- (क) हां
- (ख) नहीं

- (ग) मर्जी के अनुसार
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

269. पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और तलाशी के दौरान उसके पास अवैध हथियार मिला। पुलिस उस हथियार को दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत कब्जे में लेगी?

- (क) धारा 52 के अंतर्गत
- (ख) धारा 50 के अंतर्गत
- (ग) धारा 50A के अंतर्गत
- (घ) धारा 51 के अंतर्गत

270. एक व्यक्ति को पुलिस टीम अजमानतीय अपराध में गिरफ्तार करती है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने के सम्बन्ध में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार कौन सा कथन सही है?

- (क) पुलिस धारा 57 के अंतर्गत कार्यवाही करेगी
- (ख) गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने 48 घंटे के अंदर पेश किया जाएगा
- (ग) गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने 24 घंटे के अंदर पेश किया जाएगा
- (घ) क और ग सही

271. थाना का एक अन्वेषण अधिकारी किसी व्यक्ति को एक अभियोग में गिरफ्तार करता है। वह व्यक्ति को दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अंतर्गत मैजिस्ट्रेट या थाना प्रबंधक के समक्ष पेश करेगा?

- (क) धारा 52 के अंतर्गत
- (ख) धारा 50 के अंतर्गत
- (ग) धारा 56 के अंतर्गत
- (घ) धारा 58 के अंतर्गत

272. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार पुलिस जब भी किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करती है तो इसकी सूचना निम्न में से किसे देगी?

- (क) धारा 58 के अनुसार मैजिस्ट्रेट को देगी
- (ख) सूचना धारा 158 के माध्यम से प्रेषित करेगी
- (ग) क और ख दोनों सही
- (घ) उपरोक्त सभी गलत

273. गिरफ्तार किए व्यक्ति के चिकित्सा परीक्षण करवाने के संबंध में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार कौन सा कथन सही नहीं है?

- (क) पुलिस गिरफ्तार व्यक्ति का चिकित्सा परीक्षण धारा 53 के अनुसार करवाती है
- (ख) धारा 54 के अंतर्गत गिरफ्तार व्यक्ति के अनुरोध पर चिकित्सा अधिकारी द्वारा परीक्षण किया जाता है

(ग) धारा 53क के अनुसार बलात्संग के अपराधी का चिकित्सा परीक्षण करवाया जाता है

(घ) उपरोक्त सभी सही हैं

274. एक महिला के साथ दुराचार किया जाता है। पुलिस अपराधी को 24 घंटे में गिरफ्तार कर लेती है। दोषी व पीड़िता का चिकित्सा परीक्षण दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अंतर्गत करवाया जाएगा?

(क) दोषी का धारा 53ए व पीड़िता का धारा 164ए के अनुसार

(ख) दोषी का 53 व पीड़िता का 164क के अनुसार

(ग) दोषी का 54 व पीड़िता का 164 के अनुसार

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

275. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार जब समन किया गया व्यक्ति घर पर न मिले तब समन की तामील उसकी पत्नी के पास छोड़कर की जा सकती है। क्या यह कथन सही है?

(क) हां

(ख) नहीं

(ग) पता नहीं

(घ) पत्नी पर तामील की जा सकती है

276. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार क्या वारंट निष्पादन हेतु पुलिस को छोड़कर अन्य व्यक्ति को भी दिया जा सकता है?

- (क) नहीं, धारा 75
- (ख) हां, धारा 70 व 73
- (ग) किसी भी सूरत में नहीं
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

277. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार क्या उपमंडल मजिस्ट्रेट को भी तलाशी वारंट जारी करने की शक्ति है?

- (क) हां धारा 94
- (ख) नहीं धारा 95
- (ग) नहीं धारा 91
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

278. पुलिस एक बंद स्थान की तलाशी लेने जाती है, तलाशी के समय शक होता है कि वहां मौजूद व्यक्ति ने अपने शरीर में संदेहजनक वस्तु छुपा रखी है। इस दशा में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार पुलिस क्या कार्यवाही करेगी?

- (क) उस व्यक्ति के शरीर की तलाशी धारा 100(3) के अनुसार लेगी
- (ख) तलाशी के दौरान बरामद चीजों की फर्द बनाएगी
- (ग) महिला की तलाशी महिला पुलिस द्वारा ली जाएगी

(घ) उपरोक्त सभी

279. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार यदि अधिकारिता के बाहर तलाशी के दौरान कोई चीज़ पाई जाती है तो उसका निपटारा किस धारा के तहत किया जाता है?

(क) धारा 102 के अंतर्गत

(ख) धारा 101 के अंतर्गत

(ग) धारा 457 के अंतर्गत

(घ) धारा 458 के अंतर्गत

280. एक व्यक्ति का कच्चा मकान जर्जर हालत में है। गिरने की दशा में नुकसान पहुँचा सकता है। उस व्यक्ति के खिलाफ दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी?

(क) धारा 133 के अंतर्गत

(ख) धारा 145 के अंतर्गत

(ग) धारा 147 के अंतर्गत

(घ) धारा 151 के अंतर्गत

281. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अनुसार तुरंत भय पैदा होने वाले मामलों के निवारण के लिए निम्नलिखित में से कौन सा अधिकारी आदेश दे सकता है?

(क) धारा 144 के अनुसार जिला मजिस्ट्रेट

- (ख) धारा 144 के अनुसार उपमंडल मजिस्ट्रेट
- (ग) धारा 144 के अनुसार राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त विशेषतया सशक्त किया गया अन्य कार्यपालक मजिस्ट्रेट
- (घ) उपरोक्त सभी आदेश दे सकते हैं

282. थाना भवारना के अंतर्गत डरोह गांव में जमीन का झगड़ा चला हुआ है जिससे शांति भंग होना संभव है। इस दशा में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार कार्रवाई किस धारा के तहत की जायेगी?

- (क) धारा 133 के अंतर्गत
- (ख) धारा 145 के अंतर्गत
- (ग) धारा 147 के अंतर्गत
- (घ) धारा 151 के अंतर्गत

283. एक महिला के साथ दो व्यक्ति दुराचार करते हैं। महिला पुलिस थाना में रिपोर्ट करती है। दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार उसकी सूचना को किसके द्वारा अभिलिखित किया जाएगा?

- (क) धारा 154(1) के अनुसार ऐसी सूचना किसी महिला पुलिस अधिकारी या किसी महिला अधिकारी द्वारा अभिलिखित की जाएगी
- (ख) धारा 154(2) के अनुसार ऐसी सूचना किसी पुलिस अधिकारी या किसी अन्य अधिकारी द्वारा अभिलिखित की जाएगी

- (ग) क और ख दोनों सही
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

284. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार यदि महिलाओं से संबंधित अपराध जैसे तेजाब, यौन प्रताड़ना या बलात्कार इत्यादि की सूचना देने वाला व्यक्ति अस्थायी या स्थायी रूप से मानसिक व शारीरिक रूप से कमजोर है तो ऐसी सूचना कहां अभिलिखित की जाएगी?

- (क) धारा 154(1) के अनुसार थाना में बुलाकर
- (ख) धारा 154(1) के अनुसार उस व्यक्ति के मकान पर जाकर या उसके पसंद के स्थान पर
- (ग) क और ख दोनों सही
- (घ) केवल क सही

285. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार एक व्यक्ति थाना में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाने जाता है लेकिन थाना प्रभारी एफआईआर लिखने से मना कर देता है तो सूचना देने वाला व्यक्ति क्या कर सकता है?

- (क) धारा 154(3) के तहत अपनी शिकायत को लिखित रूप उप पुलिस अधीक्षक को भेज सकता है
- (ख) जिला मजिस्ट्रेट को शिकायत पत्र देगा
- (ग) गांव पंचायत प्रधान को रिपोर्ट करेगा
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

286. यदि किसी असंज्ञेय मामले में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 155(2) के अनुसार मजिस्ट्रेट द्वारा अन्वेषण करने का आदेश प्राप्त होता है तो क्या पुलिस अधिकारी किसी व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकता है?

- (क) हां, धारा 41 के अनुसार
- (ख) हां, गिरफ्तारी वारंट लेकर
- (ग) क और ख दोनों सही
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

287. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अधीन यदि किसी असंज्ञेय मामले की सूचना थाना में दी जाती है तो थाना प्रभारी निम्न में से क्या करेगा?

- (क) थाना प्रभारी धारा 155(1) के अनुसार सरकार द्वारा प्राधिकृत पुस्तक में उस सूचना को दर्ज करेगा
- (ख) सूचना देने वाले को नकल देकर इलाका मजिस्ट्रेट को यह सूचना देने के लिए हिदायत देगा
- (ग) क और ख दोनों सही
- (घ) केवल क सही है

288. यदि थाना के सीमा क्षेत्र के अंतर्गत कोई संज्ञेय अपराध घटित होता है और मामला पंजीकृत हो जाता है तो थाना प्रभारी दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार निम्न में से क्या करेगा?

- (क) धारा 156(1) के अनुसार अन्वेषण के लिए मजिस्ट्रेट से आज्ञा प्राप्त करेगा
- (ख) धारा 156(1) के तहत मजिस्ट्रेट की आज्ञा के बिना तफ्तीश कर सकता है
- (ग) पुलिस अधीक्षक से आदेश लेकर अन्वेषण शुरू करेगा
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

289. थाना में एक महिला बलात्कार का अभियोग पंजीकृत करवाती है। दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार अन्वेषण कितने दिनों के भीतर पूरा किया जाना आवश्यक है?

- (क) 60 दिन के भीतर
- (ख) 40 दिन के भीतर
- (ग) 90 दिन के भीतर
- (घ) 1 वर्ष के भीतर

290. गांव के खेतों में एक व्यक्ति का मृत शरीर मिलता है। मौके पर धारा 174 के अंतर्गत कार्यवाही के दौरान पुलिस दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत गांव के दो व्यक्तियों को घटनास्थल पर अन्वेषण में शामिल होने के लिए बुला सकता है?

- (क) धारा 133 के अंतर्गत
- (ख) धारा 145 के अंतर्गत
- (ग) धारा 175 के अंतर्गत
- (घ) उपरोक्त सभी गलत

291. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अधीन जमानती अपराध में कौन जमानत ले सकता है?

- (क) पुलिस
- (ख) केवल न्यायालय
- (ग) उपरोक्त दोनों
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

292. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 2(b)के अधीन आरोप के अंतर्गत निम्नलिखित में से क्या शामिल है?

- (क) आरोप में एक से अधिक शीर्ष
- (ख) आरोप का कोई भी शीर्ष
- (ग) उपरोक्त दोनों
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

293. यह जानने के लिए कि कोई अपराध संज्ञेय है या नहीं, दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के तहत कैसे पता लग सकता है?

- (क) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की प्रथम अनुसूची से
- (ख) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की अनुसूची दो से
- (ग) न्यायालय से
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

294. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 2(d)के तहत परिवाद (शिकायत) में निम्नलिखित में क्या शामिल है?

- (क) किसी सिविल मामले में न्यायालय से किया गया अभिकथन
- (ख) किसी व्यक्ति द्वारा किसी अपराध के बारे में मजिस्ट्रेट से किया गया मौखिक या लिखित अभिकथन
- (ग) किसी संज्ञेय मामले में पुलिस की रिपोर्ट
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

295. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 2(g) के तहत जांच से निम्नलिखित में से क्या अभिप्रेत है?

- (क) विचारण
- (ख) अन्वेषण
- (ग) विभागीय जांच
- (घ) मजिस्ट्रेट या न्यायालय द्वारा विचारण से भिन्न जांच

296. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के तहत विचारण से भिन्न जांच करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सक्षम है?

- (क) पुलिस
- (ख) मैजिस्ट्रेट
- (ग) कोई भी व्यक्ति,
- (घ) क और ग दोनों

297. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 2(i)के तहत न्यायिक कार्रवाई से तात्पर्य है-

- (क) ऐसी कार्रवाई जो पुलिस द्वारा किसी भी मामले में की जाती है
- (ख) ऐसी कार्रवाई जो पुलिस द्वारा किसी विभागीय जांच में की जाती है
- (ग) ऐसी कार्यवाही जिसमें साक्ष्य शपथ पर लिया जाता है
- (घ) उपरोक्त सभी

298. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के तहत किसी जिले में प्रथम एवं द्वितीय वर्ग न्यायिक मजिस्ट्रेटों के कितने न्यायालय होंगे, यह निम्नलिखित में से कौन विनिर्दिष्ट करता है?

- (क) उच्चतम न्यायालय
- (ख) सेशन न्यायालय
- (ग) राज्य सरकार, उच्च न्यायालय के परामर्श से
- (घ) विधि आयोग

299. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के तहत किसी जिला में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति निम्नलिखित में से कौन करता है?

- (क) राज्य का राज्यपाल
- (ख) उच्च न्यायालय
- (ग) राज्य सरकार

(घ) प्रधानमंत्री

300. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के तहत क्या उच्च न्यायालय राज्य सरकार के अधीन कोई पद धारण करने वाले व्यक्ति को भी विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट की शक्तियां प्रदान कर सकता है?

(क) हां, केन्द्रीय या राज्य सरकार के अनुरोध पर

(ख) नहीं, उच्च न्यायालय के पास ऐसा अधिकार नहीं है

(ग) केवल उच्चतम न्यायालय द्वारा ऐसा आदेश देने के उपरांत

(घ) चुनाव आयोग की सिफारिश पर

301. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के तहत किशोरों के मामले निम्न में से किसके माध्यम से विचारित किये जाते हैं?

(क) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा

(ख) किशोर न्याय अधिनियम के अंतर्गत विशेष रूप से सशक्त न्यायालय द्वारा

(ग) उपरोक्त दोनों द्वारा

(घ) किसी भी न्यायालय द्वारा

302. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 37 के अनुसार पुलिस कब सहायता मांग सकता है

(क) गिरफ्तारी में

(ख) परिशांति भंग रोकने में

- (ग) लोक संपत्ति रक्षा में
- (घ) उपरोक्त सभी

303. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 40 के कर्तव्यों का पालन न करने पर निम्न में से किस धारा के अन्तर्गत कार्यवाही की जा सकती है?

- (क) धारा 174 IPC
- (ख) धारा 177 IPC
- (ग) धारा 176 IPC
- (घ) धारा 180 IPC

304. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 41 के अंतर्गत निम्न में से कब बिना वारण्ट गिरफ्तारी हो सकती है?

- (क) धारा 356 दोषी
- (ख) धारा 356(3) अपील अस्वीकृत
- (ग) धारा 356(6) नियम उल्लंघन
- (घ) धारा 356(5) निवास स्थान तबदीली

305. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 41 A के तहत किन परिस्थितियों में नोटिस जारी हो सकता है

- (क) 7 वर्ष से अधिक अपराध
- (ख) गिरफ्तारी आवश्यक नहीं
- (ग) 7 वर्ष से कम सजा
- (घ) ख और ग दोनों

306. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के तहत गिरफ्तारी ज़ापन पर निम्न में से किसके हस्ताक्षर आवश्यक हैं?

- (क) परिवार सदस्य
- (ख) सम्मानित व्यक्ति
- (ग) गिरफ्तार व्यक्ति
- (घ) उपरोक्त सभी

307. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 41(C) के तहत जिला पुलिस नियंत्रण कक्ष निम्न में से किसके आदेश से स्थापित किया जाता है?

- (क) केंद्र सरकार
- (ख) राज्य सरकार
- (ग) राज्य पुलिस
- (घ) जिला पुलिस अधीक्षक

308. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 41(C) के तहत गिरफ्तार व्यक्तियों का विवरण निम्न में से कौन रखता है?

- (क) कानून व्यवस्था शाखा
- (ख) राज्य पुलिस नियंत्रण कक्ष
- (ग) उपरोक्त दोनों
- (घ) कोई नहीं

309. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 41(घ) के तहत क्या गिरफ्तार व्यक्ति वकील से मिल सकता है?

- (क) हाँ
- (ख) बिल्कुल नहीं
- (ग) जैसा वकील चाहे
- (घ) जिला पुलिस आदेश दे

310. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 42 के तहत यदि पुलिस की उपस्थिति में कोई विदेशी व्यक्ति कोई असंज्ञेय अपराध कर रहा हो और पुछने पर अपना पता न बताए तो उसे निम्न में से किस प्रकार छोड़ा जाएगा?

- (क) निजी मुचलका
- (ख) साथी द्वारा जमानत
- (ग) जब जमानत किसी भारतीय नागरिक द्वारा दी जाये
- (घ) न्यायालय द्वारा

311. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 43 के तहत प्राइवेट व्यक्ति द्वारा की गई गिरफ्तारी के बाद पुलिस का क्या कर्तव्य है?

- (क) मजिस्ट्रेट के पास ले जाए
- (ख) चिकित्सा परीक्षण
- (ग) पुनः गिरफ्तार करे
- (घ) छोड़ दे

312. यदि सशस्त्र बल का सदस्य अपना सही नाम न बताए तो दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत कार्यवाही की जायेगी?

- (क) धारा 41
- (ख) धारा 42
- (ग) धारा 43
- (घ) सरकार अनुमति पर

313. गिरफ्तारी के सम्बन्ध में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 46 के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

- (क) गिरफ्तारी करते समय ऐसे व्यक्ति को तुरंत हथकड़ी लगाएगा
- (ख) किसी महिला की गिरफ्तारी रात्रि के समय महिला पुलिस द्वारा ही की जाएगी।
- (ग) गिरफ्तारी करने में पुलिस अधिकारी, गिरफ्तार किए जाने वाले व्यक्ति को छू सकता है ।
- (घ) सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच महिला की गिरफ्तारी मजिस्ट्रेट की अनुमति से ही की जाएगी।

314. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 47 के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

- (क) किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए जो कि किसी ऐसे स्थान में है वहां की तलाशी लेने के लिए पुलिस अधिकारी के पास वारंट होना आवश्यक है।

- (ख) तलाशी के आधारों की सूचना उस स्थान के मालिक को देनी होगी।
- (ग) आवश्यकता पड़ने पर पुलिस अधिकारी ऐसे स्थान की खिड़कियां, दरवाजे तोड़कर अंदर प्रवेश कर सकता है।
- (घ) उपरोक्त सभी

315. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 48 के अनुसार कोई पुलिस अधिकारी द्वारा किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी करने के प्रयोजन से उसका पीछा करने के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन गलत नहीं है?

- (क) भारतवर्ष में वारंट के बिना पीछा कर सकता है
- (ख) भारतवर्ष में वारंट के बिना पीछा नहीं कर सकता है
- (ग) क और ख दोनों
- (घ) केवल पुलिस अधीक्षक के आदेश से।

316. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार गिरफ्तार किये गए व्यक्ति को बंध पत्र लेकर या जमानत लेकर या न्यायालय के आदेशानुसार छोड़ा जाएगा अन्यथा नहीं:

- (क) धारा 56
- (ख) धारा 57
- (ग) धारा 58
- (घ) कोई भी नहीं

317. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार गिरफ्तार किये गए व्यक्ति को खुद के बंधपत्र पर या जमानत लेकर या न्यायालय के आदेश अनुसार छोड़ा जाएगा ?

- (क) धारा 56
- (ख) धारा 58
- (ग) धारा 55
- (घ) धारा 59

318. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार गिरफ्तारियों की रिपोर्ट जिला मजिस्ट्रेट को भेजी जाएगी?

- (क) धारा 45
- (ख) धारा 54
- (ग) धारा 56
- (घ) धारा 58

319. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार किसी गिरफ्तार व्यक्ति का डाक्टरी निरीक्षण करवाने का आदेश मैजिस्ट्रेट दे सकते हैं?

- (क) धारा 52
- (ख) धारा 51
- (ग) धारा 54
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

320. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार कोई गिरफ्तार व्यक्ति अपना डाक्टरी निरीक्षण करवाने के लिये मजिस्ट्रेट को निवेदन कर सकता है:

- (क) धारा 53
- (ख) धारा 54
- (ग) धारा 56
- (घ) धारा 52

321. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार लिखित आदेश द्वारा बिना वारण्ट गिरफ्तार करने वाला अधीनस्थ पुलिस अधिकारी गिरफ्तार किये जाने वाले व्यक्ति को आदेश दिखाएगा?

- (क) धारा 46
- (ख) धारा 53
- (ग) धारा 56
- (घ) धारा 55

322. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार किसी महिला आरोपी का डाक्टरी निरीक्षण स्त्री डाक्टर या उसकी देख-रेख में किया जाएगा?

- (क) धारा 53 (1)
- (ख) धारा 53 (3)
- (ग) धारा 53 (2)
- (घ) धारा 53 (4)

323. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 51 के तहत स्त्री की तलाशी निम्न में से किसके द्वारा ली जाएगी?

- (क) उप-निरीक्षक
- (ख) स.उप-निरीक्षक
- (ग) डी.एस.पी.
- (घ) इनमें से कोई नहीं

324. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार स्त्री की तलाशी स्त्री द्वारा ली जाएगी?

- (क) धारा 51 (1)
- (ख) धारा 51 (2)
- (ग) धारा 100 (5)
- (घ) धारा 100 (2)

325. यदि कोई व्यक्ति डाक्टरी निरीक्षण करवाने से इन्कार करता है तो साक्ष्य के प्रयोजन के लिये उसका बल पूर्वक निरीक्षण दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के तहत करवाया जा सकता है?

- (क) धारा 54
- (ख) धारा 55
- (ग) धारा 53
- (घ) धारा 52

326. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार गिरफ्तार किये व्यक्ति के साथ अनावश्यक अवरोध नहीं किया जायेगा?

(क) धारा 48

(ख) धारा 49

(ग) धारा 51

(घ) धारा 57

327. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार गिरफ्तार करते समय यदि अपराध में सजा आजीवन कारावास या मृत्यु दण्ड है तो उस व्यक्ति की मृत्यु कारित की जा सकती है?

(क) धारा 46 (3)

(ख) धारा 46 (2)

(ग) धारा 41 (1)

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

328. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की अनुसार निम्न में से किस व्यक्ति को अपनी डियूटी के निर्वाहन के दौरान किसी बात के घटित होने पर केन्द्र सरकार की अनुमति के बिना गिरफ्तार (धारा 41 से 44 तक) नहीं किया जाएगा?

(क) राज्य मन्त्री को

(ख) केन्द्रीय मन्त्री को

(ग) सशस्त्र बल के सदस्य को

(घ) इनमें से कोई नहीं

329. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार यदि सशस्त्र बल के किसी सदस्य के द्वारा डियूटी के निर्वाहन के दौरान किसी बात के घटित होने पर से उसे केन्द्र सरकार की अनुमति के बिना गिरफ्तार नहीं किया जाएगा:

(क) धारा 41

(ख) धारा 43

(ग) धारा 46

(घ) धारा 45

330. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अनुसार जनता आई.पी.सी. के कुछ अपराधों की सूचना एस.एच.ओ. व मजिस्ट्रेट को देगी:

(क) धारा 39

(ख) धारा 38

(ग) धारा 40

(घ) धारा 44

331. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 48 के अनुसार गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का अवरोध निम्न में से किन तरीकों द्वारा किया जा सकता है?

(क) ऐसे व्यक्ति की गर्दन को नीचे झुका दिया जाएगा

(ख) हर हालत में हथकड़ी लगाई जाएगी।

(ग) केवल इतना अवरोध किया जा सकता है जितना आवश्यक हो।

(घ) उपरोक्त सभी तरीकों द्वारा।

332. यदि कोई व्यक्ति पुलिस अधिकारी द्वारा जमानती अपराध में गिरफ्तार किया जाता है तब उससे दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अंतर्गत इस बारे में सूचित किया जाएगा कि वह अपनी जमानत दे सकता है?

(क) धारा 49

(ख) धारा 50

(ग) धारा 50A

(घ) धारा 51

333. यदि किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है तो दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 50क के अनुसार निम्न व्यक्तियों का यह दायित्व होगा कि वह ऐसे गिरफ्तार व्यक्ति की गिरफ्तारी की सूचना उस द्वारा नामित व्यक्ति को दें?

(क) गिरफ्तारी करने वाला पुलिस अधिकारी

(ख) गिरफ्तारी करने वाला अन्य व्यक्ति

(ग) उपरोक्त A और B

(घ) जिला पुलिस नियंत्रण कक्ष

334. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 51 के अंतर्गत तलाशी के सम्बन्ध में निम्न में से कौन सा कथन सही है?

- (क) किसी व्यक्ति की तलाशी केवल मजिस्ट्रेट द्वारा ही ली जा सकती है।
- (ख) किसी व्यक्ति की तलाशी केवल तब ली जा सकती है जब वह गिरफ्तारी का विरोध करे।
- (ग) किसी स्त्री की तलाशी किसी पुरुष अधिकारी द्वारा भी ली जा सकती है।
- (घ) यदि तलाशी ली जानी हो और वह व्यक्ति स्त्री हो, तो तलाशी केवल स्त्री द्वारा और शालीनता के साथ ली जाएगी।

335. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 53 के अंतर्गत जब किसी व्यक्ति को ऐसे अपराध के आरोप में गिरफ्तार किया गया है जिसमें उसकी शारीरिक चिकित्सा परीक्षा द्वारा ऐसी अपराध के साक्ष्य मिल सकते हैं, तो ऐसा चिकित्सा परीक्षण करवाने के लिए प्रार्थना पत्र निम्न में से अधिकारियों द्वारा लिखा जा सकता है?

- (क) थाना के किसी भी पुलिस अधिकारी
- (ख) ऐसा अधिकारी जो उप निरीक्षक पद से नीचे का न हो
- (ग) केवल थाना प्रभारी द्वारा।
- (घ) उपरोक्त सभी द्वारा

336. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 53 के अनुसार किसी महिला की शारीरिक चिकित्सा परीक्षा निम्न में से किस के द्वारा की जायेगी?

- (क) महिला चिकित्सा अधिकारी द्वारा की जाएगी।
- (ख) महिला चिकित्सा अधिकारी के पर्यवेक्षण में की जाएगी।
- (ग) महिला चिकित्सा अधिकारी के पर्यवेक्षण में शारीरिक चिकित्सा परीक्षा करना आवश्यक नहीं है।
- (घ) क और ख दोनों सही

337. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 53 के अंतर्गत शारीरिक चिकित्सा परीक्षा में निम्नलिखित में से कौन सा नमूना शामिल है?

- (क) रक्त एवं रक्त के धब्बे, सीमन
- (ख) थूक और स्वाब, बाल, नाखून
- (ग) लैंगिक अपराधों में सुआब
- (घ) उपरोक्त सभी

338. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 53क के अंतर्गत चिकित्सा अधिकारी द्वारा बलात्कार के अभियुक्त की परीक्षा निम्न में से किसके अनुरोध पर की जाएगी?

- (क) कोई भी अन्वेषण अधिकारी
- (ख) ऐसा पुलिस अधिकारी जो उप निरीक्षक के रैंक से नीचे का न हो
- (ग) किसी भी रैंक का पुलिस अधिकारी

(घ) केवल पुलिस अधीक्षक द्वारा

339. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 54क के अनुसार यदि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान करने वाला व्यक्ति शारीरिक या मानसिक रूप से असमर्थ हैं तब पहचान की प्रक्रिया निम्न में से किस तरीके से की जाएगी:

- (क) पुलिस थाना में राजपत्रित अधिकारी की उपस्थिति में।
- (ख) न्यायिक मजिस्ट्रेट के पर्यवेक्षण के अधीन होगी
- (ग) कार्यपालक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में।
- (घ) उपरोक्त में से सभी के उपस्थिति में

340. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 55क के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति के स्वास्थ्य और सुरक्षा की जिम्मेदारी निम्न में से किस अधिकारी पर होगी?

- (क) मुंशी थाना
- (ख) थाना प्रबंधक
- (ग) जिस अधिकारी ने उसे अभिरक्षा में रखा है
- (घ) संतरी

341. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 62 के अनुसार समन की तामील किसके द्वारा की जाती है?

- (क) पुलिस अधिकारी द्वारा।
- (ख) न्यायालय के किसी अधिकारी या अन्य लोकसेवक द्वारा
- (ग) क और ख दोनों

(घ) चौकीदार द्वारा

342. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 64 के अनुसार यदि समन किया हुआ व्यक्ति घर पर न मिले तो समन की तामील निम्नलिखित तरीके से भी की जा सकती है?

- (क) ऐसे व्यक्ति के पिता के पास समन की प्रति देकर
- (ख) ऐसे व्यक्ति के नाबालिग लड़के के पास कॉपी देकर
- (ग) ऐसे व्यक्ति के सेवक के पास कॉपी देकर
- (घ) उपरोक्त सभी तरीकों से।

343. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 83 के अंतर्गत किसी व्यक्ति की संपत्ति की कुर्की उद्घोषणा जारी होने के कितने दिनों बाद की जा सकती हैं?

- (क) 7 दिन
- (ख) 30 दिन
- (ग) 10 दिन
- (घ) दो महीनों के बाद

344. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 144 का सम्बन्ध निम्न में से किस कथन के साथ है:

- (क) आयुध सहित जुलूस
- (ख) सामूहिक प्रशिक्षण के लिए
- (ग) न्यूसेंस या आशंकित खतरे के तत्काल मामलों में आदेश जारी करने की शक्ति

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

345. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की किस धारा के अनुसार किसी व्यक्ति की उद्धघोषणा जारी की जाती है?

(क) धारा 80

(ख) धारा 81

(ग) धारा 82

(घ) धारा 76

346. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की किस धारा के अनुसार उद्धघोषणा की एक प्रति न्यायालय के नोटिस बोर्ड पर लगाई जाएगी:

(क) 80

(ख) 81

(ग) 82

(घ) उपरोक्त सभी

347. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 का मुख्य उद्देश्य क्या है?

(क) भारतीय दंड संहिता को समाप्त करना

(ख) प्रक्रिया संबंधी प्रावधानों को निर्धारित करना

(ग) नागरिक अधिकारों की रक्षा करना

(घ) सिविल मामलों में दंड तय करना

348. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की किस धारा के अंतर्गत राज्य सरकार सत्र न्यायालय स्थापित कर सकती है?

- (क) धारा 6 CrPC
- (ख) धारा 9 CrPC
- (ग) धारा 11 CrPC
- (घ) धारा 20 CrPC

349. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 20 CrPC के अनुसार जिलाधिकारी की नियुक्ति कौन करता है?

- (क) राज्यपाल
- (ख) गृह मंत्रालय
- (ग) राज्य सरकार
- (घ) उच्च न्यायालय

350. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 21 CrPC के अंतर्गत कार्यपालक मजिस्ट्रेटों में से किसे जिला मजिस्ट्रेट द्वारा विशेष कर्तव्य सौंपा जा सकता है?

- (क) पुलिस अधीक्षक
- (ख) मुख्य सचिव
- (ग) उप-मंडलीय मजिस्ट्रेट
- (घ) महाधिवक्ता

351. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 24 CrPC के अनुसार लोक अभियोजक की नियुक्ति निम्न में से कौन करता है?

- (क) उच्च न्यायालय
- (ख) जिला न्यायाधीश

- (ग) राज्य सरकार
- (घ) सुप्रीम कोर्ट

352. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 25 CrPC के अंतर्गत सहायक लोक अभियोजकों की नियुक्ति कौन करता है?

- (क) राज्यपाल
- (ख) राज्य सरकार
- (ग) गृह सचिव
- (घ) न्यायिक मजिस्ट्रेट

353. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 36 CrPC के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक निम्न में से किस प्रकार की शक्ति का प्रयोग कर सकता है?

- (क) थाना प्रभारी की शक्तियां
- (ख) मजिस्ट्रेट को हटाने की
- (ग) अभियुक्त को सजा देने की
- (घ) शिकायत खारिज करने की

354. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 37 CrPC में पुलिस अधिकारी कब जन सहायता की माँग कर सकता है?

- (क) जब कोई हत्या हो
- (ख) जब शांति भंग हो
- (ग) जब अपराध रोकना हो

(घ) उपरोक्त सभी

355. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 38 CrPC निम्न में से किससे संबंधित है?

- (क) मजिस्ट्रेट की शक्ति से
- (ख) लोक अभियोजक की नियुक्ति से
- (ग) पुलिस अधिकारी से भिन्न जो वारंट की तामील कर रहा हो जनता से सहायता की मांग से
- (घ) फौजदारी मुकदमे की अपील से

356. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 40 के अनुसार ग्राम कार्य के लिये नियोजित अधिकारीयों के निम्न में से क्या कर्तव्य है?

- (क) जमानत देना
- (ख) पुलिस को सूचना देना
- (ग) अपील करना
- (घ) मजिस्ट्रेट से अनुमति लेना

357. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 41 के तहत कौन से अपराध में पुलिस बिना वारंट के गिरफ्तारी कर सकती है?

- (क) असंज्ञेय अपराध
- (ख) संज्ञेय अपराध
- (ग) बेमतलब गिरफ्तारी
- (घ) सिविल विवाद

358. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 41(1) अनुसार पुलिस बिना वारण्ट गिरफ्तारी के लिए निम्न में से कौन सा कथन सही है?

- (क) न्यायालय का आदेश
- (ख) आरोपी को पुन अपराध करने व मुकद्दमा के प्रोपर अन्वेषण के लिये
- (ग) शिकायतकर्ता की स्वीकृति
- (घ) कोई भी दस्तावेज नहीं

359. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 41B के तहत गिरफ्तारी के समय पुलिस को गिरफ्तारी के सम्बन्ध में निम्न में से क्या दस्तावेज तैयार करना होता है?

- (क) गिरफ्तारी ज्ञापन
- (ख) गिरफ्तारी वारंट
- (ग) चिकित्सा रिपोर्ट
- (घ) मुचलका

360. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 41D के अंतर्गत गिरफ्तार व्यक्ति को किससे मिलने का अधिकार है?

- (क) डॉक्टर से
- (ख) मजिस्ट्रेट से
- (ग) वकील से
- (घ) मीडिया से

361. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 42 के अनुसार यदि कोई व्यक्ति पुलिस अधिकारी की उपस्थिति में असंज्ञेय अपराध करता है और पुलिस को नाम और पता नहीं बताता है, तो क्या किया जाएगा?

- (क) उसे रिहा कर दिया जाएगा
- (ख) मजिस्ट्रेट के समक्ष भेजा जाएगा
- (ग) गिरफ्तार किया जाएगा
- (घ) नोटिस दिया जाएगा

362. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 43 निम्न में किससे संबंधित है?

- (क) मजिस्ट्रेट द्वारा तलाशी
- (ख) निजी व्यक्ति द्वारा गिरफ्तारी
- (ग) पुलिस द्वारा गिरफ्तारी
- (घ) लोक अभियोजक की नियुक्ति

363. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 44 के अनुसार गिरफ्तारी का अधिकार निम्न में किससे है?

- (क) मजिस्ट्रेट को
- (ख) वकील को
- (ग) अभियुक्त को
- (घ) पीड़ित को

364. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 45 के अंतर्गत निम्न में से किसे गिरफ्तारी से छूट प्राप्त है?

- (क) सरकारी कर्मचारी को
- (ख) न्यायिक अधिकारी को
- (ग) सशस्त्र बल के सदस्य को
- (घ) कोई नहीं

365. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 46 में पुलिस द्वारा गिरफ्तारी की विधि किस प्रकार निर्धारित की गई है?

- (क) केवल मौखिक आदेश द्वारा
- (ख) बल प्रयोग करके
- (ग) शारीरिक स्पर्श या अवरोध द्वारा
- (घ) अदालत की अनुमति से

366. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 47 निम्न में से किससे संबंधित है?

- (क) वारण्ट गिरफ्तारी की तामील के समय तलाशी
- (ख) कोर्ट में उपस्थिति
- (ग) FIR दर्ज करना
- (घ) अभियोग पत्र दाखिल करना

367. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 48 के अनुसार पुलिस अधिकारी को गिरफ्तारी के लिये किस सीमा तक पीछा करने का अधिकार है?

- (क) राज्य सीमा तक
- (ख) केवल जिला सीमा तक

- (ग) पूरे भारत में
- (घ) केवल शहर सीमा में

368. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 49 के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति को निम्न में से क्या किया जा सकता?

- (क) हथकड़ी लगाई जा सकती है
- (ख) अनावश्यक बल प्रयोग नहीं किया जायेगा
- (ग) बंद किया जा सकता है
- (घ) उसके ब्यान लिए जा सकते हैं

369. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 50 के अनुसार गिरफ्तारी के समय पुलिस अधिकारी को क्या बताना आवश्यक है?

- (क) गिरफ्तारी का कारण और जमानत का अधिकार
- (ख) न्यायालय का नाम
- (ग) थाना का नाम
- (घ) पीड़ित का विवरण

370. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 50A के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति की सूचना किसे दी जानी चाहिए?

- (क) मजिस्ट्रेट को
- (ख) उसके द्वारा नामित किसी रिश्तेदार या मित्र को
- (ग) केवल पुलिस अधीक्षक को
- (घ) पत्रकार को

371. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 51 के अंतर्गत गिरफ्तार व्यक्ति की तलाशी कौन कर सकता है?

- (क) मजिस्ट्रेट
- (ख) गिरफ्तार करने वाला पुलिस अधिकारी
- (ग) लोक अभियोजक
- (घ) पीड़ित

372. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 52 निम्न में से किस विषय से संबंधित है?

- (क) गिरफ्तार व्यक्ति से अक्रामक हथियार कब्जा में लेने की शक्ति
- (ख) तलाशी
- (ग) गिरफ्तारी की सूचना
- (घ) FIR की कॉपी

373. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 53 के अनुसार आरोपी व्यक्ति की शारीरिक चिकित्सा जांच कब की जा सकती है?

- (क) न्यायालय के आदेश से
- (ख) जब पुलिस को साक्ष्य प्राप्त होने की संभावना हो
- (ग) जब अभियुक्त अनुमति दे
- (घ) मजिस्ट्रेट की निगरानी में

374. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 53A के अनुसार बलात्कार के आरोपी की चिकित्सीय जांच कौन करता है?

- (क) पुलिस अधिकारी
- (ख) मजिस्ट्रेट
- (ग) पंजीकृत चिकित्सा अधिकारी
- (घ) सरकारी वकील

375. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 54 में गिरफ्तार व्यक्ति को क्या अधिकार दिया गया है?

- (क) मेडिकल परीक्षण कराने का अधिकार
- (ख) बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका का अधिकार
- (ग) अपील का अधिकार
- (घ) जमानत का अधिकार

376. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 54A में निम्न में से किस प्रक्रिया का प्रावधान है?

- (क) बंदी को भोजन
- (ख) आरोपी की पहचान परेड
- (ग) तलाशी प्रक्रिया
- (घ) न्यायालय उपस्थिति

377. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 55 के अनुसार बिना वारण्ट गिरफ्तारी जब भारसाधक अधिकारी से भिन्न किसी अधीनस्थ द्वारा की जाती है तो

गिरफ्तारी करने वाला अधिकारी निम्न में से किस प्रकार के आदेश प्राप्त होने पर कार्य करेगा?

- (क) मौखिक आदेश से
- (ख) लिखित आदेश से
- (ग) आदेश की आवश्यकता नहीं
- (घ) उच्च न्यायालय के निर्देश से

378. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 55A गिरफ्तार करने वाले पुलिस अधिकारी का किस प्रकार का उत्तरदायित्व सुनिश्चित करती है?

- (क) गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान
- (ख) गिरफ्तार व्यक्ति की सुरक्षा और स्वास्थ्य
- (ग) मजिस्ट्रेट की नियुक्ति
- (घ) तलाशी रिपोर्ट

379. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 56 में गिरफ्तारी के सम्बन्ध में क्या प्रावधान है?

- (क) आरोपी को थाना के भारसाधक अधिकारी या न्यायालय में प्रस्तुत करने की अनिवार्यता
- (ख) FIR की प्रति देना
- (ग) गिरफ्तारी के आदेश
- (घ) चिकित्सा परीक्षण

380. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 57 के अनुसार आरोपी को कितने समय के भीतर मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करना होता है?

- (क) 48 घंटे
- (ख) 72 घंटे
- (ग) 24 घंटे
- (घ) 12 घंटे

381. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 80 के अनुसार जब किसी व्यक्ति को अन्य जिले में गिरफ्तार किया जाता है, तो उसे कहाँ प्रस्तुत किया जाता है?

- (क) स्थानीय मजिस्ट्रेट के समक्ष
- (ख) उच्च न्यायालय में
- (ग) थाने में
- (घ) राज्यपाल के समक्ष

382. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 101 किस विषय से संबंधित है?

- (क) तलाशी वारंट की वैधता
- (ख) जब्ती की वस्तु को मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करना
- (ग) गवाहों का कथन लेना
- (घ) आरोपी की पहचान

383. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 436 के अंतर्गत न्यायालय आरोपी को जमानत देने से कब मना कर सकता है?

- (क) जब आरोपी गंभीर अपराध में संलिप्त हो
- (ख) जब वह जमानत की शर्तों का उल्लंघन कर चुका हो
- (ग) जब आरोपी न्यायालय में प्रस्तुत नहीं होता
- (घ) जब पुलिस जांच लंबित हो

384. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 306 किन अभियुक्तों को सरकारी गवाह बनने की अनुमति देती है?

- (क) सह-अभियुक्तों को
- (ख) केवल दंडित अभियुक्तों को
- (ग) उन अभियुक्तों को जिनका परीक्षण खत्म हो चुका हो
- (घ) जिनकी जमानत खारिज हो चुकी हो

385. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 307 किस परिस्थिति में प्रयोग होती है?

- (क) जब सजा कम करनी हो
- (ख) जब सरकारी गवाह का परीक्षण हो रहा हो
- (ग) जब उच्च न्यायालय से अभियुक्त को क्षमा मिलती है
- (घ) जब विचारण के दौरान क्षमा दी जाती है

386. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 320 के अनुसार निम्न में से कौन से अपराध समझौता योग्य होते हैं?

- (क) सभी दंडनीय अपराध
- (ख) केवल जमानती अपराध
- (ग) न्यायालय द्वारा अधिसूचित अपराध
- (घ) अनुसूची में वर्णित अपराध

387. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 321 के अंतर्गत अभियोजन से पीछे हटने के लिए किनकी अनुमति आवश्यक होती है?

- (क) पुलिस अधिकारी
- (ख) मैजिस्ट्रेट
- (ग) सेशन न्यायालय
- (घ) मुख्य सचिव

388. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत कौन आदेश जारी कर सकता है?

- (क) कार्यपालक मजिस्ट्रेट
- (ख) पुलिस अधीक्षक
- (ग) जिला कलेक्टर
- (घ) मुख्यमंत्री

389. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 145 किस विषय से संबंधित है?

- (क) भूमि और जल के अधिकारों पर विवाद
- (ख) संपत्ति का अपहरण
- (ग) घरेलू हिंसा

(घ) कर चोरी

390. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 149 के अनुसार पुलिस अधिकारी किस प्रकार की कार्यवाही कर सकता है?

- (क) अपराध होने से रोकने हेतु
- (ख) आरोपी को दंड देने हेतु
- (ग) आदेश जारी करने हेतु
- (घ) साक्ष्य संग्रह हेतु

391. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 154 के अंतर्गत निम्न में से क्या अनिवार्य है?

- (क) मौखिक शिकायत का लेखबद्ध किया जाना
- (ख) मजिस्ट्रेट को रिपोर्ट करना
- (ग) पुलिस अधीक्षक से अनुमति
- (घ) उच्च न्यायालय की अनुमति

392. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 157 में पुलिस द्वारा अपराध के अन्वेषण के संबंध में क्या निर्देश है?

- (क) मैजिस्ट्रेट को रिपोर्ट भेजी जाए
- (ख) अभियुक्त को तुरंत गिरफ्तार किया जाए
- (ग) जांच अधिकारी को निलंबित किया जाए
- (घ) अदालत से अनुमति प्राप्त की जाए

393. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 160 के अंतर्गत निम्न में से कौन व्यक्ति पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है?

- (क) कोई भी व्यक्ति जो 15 वर्ष से ऊपर हो
- (ख) केवल अभियुक्त
- (ग) केवल सरकारी अधिकारी
- (घ) केवल गवाह

394. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 164 के अंतर्गत किसे कथन दर्ज करने का अधिकार प्राप्त है?

- (क) पुलिस अधिकारी
- (ख) कार्यपालक मैजिस्ट्रेट
- (ग) न्यायिक मैजिस्ट्रेट
- (घ) एसएचओ

395. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 167 के अनुसार न्यायिक हिरासत की अधिकतम अवधि कितनी हो सकती है जब अपराध की सजा दस वर्ष से अधिक है?

- (क) 60 दिन
- (ख) 90 दिन
- (ग) 120 दिन
- (घ) 30 दिन

396. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 176 का प्रयोग कब किया जाता है?

- (क) जब पुलिस हिरासत में मृत्यु होती है
- (ख) जब तलाशी अवैध होती है
- (ग) जब अभियुक्त फरार होता है
- (घ) जब मुकदमा लंबित होता है

397. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 468 में किस बात की सीमा निर्धारित की गई है?

- (क) सजा की अवधि
- (ख) जमानत की शर्तें
- (ग) अपराध का संज्ञान करने की समय सीमा
- (घ) अपील की अवधि

398. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 452 में क्या व्यवस्था की गई है?

- (क) जब्ती की वस्तु को नष्ट करना
- (ख) जब्ती की वस्तु की नीलामी
- (ग) जब्ती की वस्तु का अंतिम निपटान
- (घ) जब्ती की वस्तु की पुनः तलाशी

399. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत अभियुक्त द्वारा दोष स्वीकार कर लेने के बाद आरोप में संशोधन की अनुमति किस दशा में दी जा सकती है?

- (क) जब दोष स्वीकार करने के बाद अभियुक्त सजा से इनकार करे

- (ख) जब मैजिस्ट्रेट को संदेह हो कि दोष स्वीकार मजबूरी में किया गया
- (ग) जब आरोप में कानूनी त्रुटि हो
- (घ) जब अभियोजन पक्ष आवेदन दे

400. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 321 के अंतर्गत लोक अभियोजक किस परिस्थिति में अभियोजन वापस ले सकता है?

- (क) मैजिस्ट्रेट की अनुमति के बिना
- (ख) न्यायालय की अनुमति से
- (ग) केवल पीड़ित की सहमति से
- (घ) सरकार की विशेष अनुमति से

401. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 94 के अंतर्गत तलाशी वारंट कब जारी किया जा सकता है?

- (क) जब न्यायालय को लगता है कि कोई दस्तावेज अपराध से संबंधित है
- (ख) जब अभियुक्त अनुपस्थित हो
- (ग) जब पुलिस ऐसा अनुरोध करे
- (घ) जब गवाह उपस्थित न हो

402. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 98 के अनुसार नाबालिग स्त्री को अवैध हिरासत से मुक्त कराने की शक्ति निम्न में से किसे है?

- (क) सत्र न्यायालय

- (ख) उच्च न्यायालय
- (ग) मैजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
- (घ) पुलिस अधीक्षक

403. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 132 किस प्रकार की सुरक्षा प्रदान करता है?

- (क) गिरफ्तारी के विरुद्ध
- (ख) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 129 से 131 के अन्तर्गत राज्य कार्य करते हुए व्यक्ति के लिए अभियोजन से संरक्षण
- (ग) तलाशी के दौरान मिले दस्तावेजों की गोपनीयता
- (घ) जमानत की बाध्यता

404. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 83 के अंतर्गत कुर्की की कारवाई कब की जा सकती है?

- (क) जब अभियुक्त छुपा हो
- (ख) जब उद्घोषणा के 30 दिन बीत चुके हों
- (ग) जब मैजिस्ट्रेट आदेश दे
- (घ) जब संपत्ति की पहचान हो जाए

405. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 436 के तहत जमानत का अधिकार किसे प्राप्त है?

- (क) अजमानतीय अपराध के अभियुक्त को
- (ख) असंज्ञेय अपराध के अभियुक्त को
- (ग) सजा पूरी कर चुके अभियुक्त को

(घ) संज्ञेय अपराध के दोषी को

406. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 24 के अनुसार लोक अभियोजक की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है?

- (क) जिला मजिस्ट्रेट
- (ख) राज्य सरकार
- (ग) उच्च न्यायालय
- (घ) पुलिस महानिदेशक

407. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 25 के अंतर्गत सहायक लोक अभियोजक किसकी निगरानी में कार्य करता है?

- (क) न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (ख) सत्र न्यायाधीश
- (ग) जिला लोक अभियोजक
- (घ) राज्य सरकार

408. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 107 के अंतर्गत शांति बनाए रखने के लिए सुरक्षा की मांग कितने समय तक की जा सकती है?

- (क) अधिकतम छह माह
- (ख) अधिकतम एक वर्ष
- (ग) न्यूनतम छह माह
- (घ) अनिश्चित काल

409. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 133 का उपयोग किस प्रयोजन के लिए होता है?

- (क) शांति भंग रोकने के लिए
- (ख) सार्वजनिक बाधा हटाने के लिए
- (ग) निजी भूमि विवाद के लिए
- (घ) तलाशी वारंट के लिए

410. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 69 के अंतर्गत समन की तामील डाक द्वारा कब की जा सकती है?

- (क) जब अभियुक्त जेल में हो
- (ख) जब अभियुक्त देश से बाहर हो
- (ग) जब गवाह का पता ज्ञात हो
- (घ) जब गवाह उपस्थित न हो

411. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 457 निम्न में से किन परिस्थितियों में लागू होती है?

- (क) जब अपराध में प्रयोग की गई संपत्ति का निपटान किया जाना हो
- (ख) जब अभियुक्त गिरफ्तार हो
- (ग) जब साक्ष्य नष्ट हो गया हो
- (घ) जब संपत्ति विवादित हो

412. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 92 के अंतर्गत डाकघर या टेलीग्राफ अधिकारी से दस्तावेज प्राप्त करने का आदेश कौन दे सकता है?

- (क) मैजिस्ट्रेट
- (ख) पुलिस अधिकारी
- (ग) लोक अभियोजक
- (घ) राज्य सरकार

413. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 40 के तहत नागरिकों का क्या कर्तव्य है?

- (क) अपराध की सूचना पुलिस को देना
- (ख) अपराधी को पकड़ना
- (ग) अदालत में गवाही देना
- (घ) गिरफ्तारी में सहायता देना

414. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 109 किसके विरुद्ध लागू होती है?

- (क) भूमि विवाद के पक्षकार
- (ख) संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध
- (ग) आर्थिक अपराधियों के लिए
- (घ) विदेशी नागरिकों के लिए

415. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 307 निम्न में किसका प्रावधान करती है?

- (क) सह अभियुक्त को गवाह बनाने की अनुमति

- (ख) गवाहों की सुरक्षा
- (ग) दोषी को क्षमा
- (घ) सरकारी साक्ष्य लेने की प्रक्रिया

416. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 468 क्या प्रावधान करती है?

- (क) अभियोजन के संज्ञान लेने की समय सीमा
- (ख) तलाशी प्रक्रिया
- (ग) गिरफ्तारी का तरीका
- (घ) अपील की प्रक्रिया

417. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 24 के अंतर्गत लोक अभियोजक की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है?

- (क) उच्च न्यायालय
- (ख) राज्य सरकार
- (ग) केंद्र सरकार
- (घ) जिला मजिस्ट्रेट

418. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 25 के अंतर्गत सहायक लोक अभियोजक की नियुक्ति का अधिकार किसे प्राप्त है?

- (क) राज्य सरकार
- (ख) सेशन न्यायालय
- (ग) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट

(घ) उच्चतम न्यायालय

419. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 36 के अंतर्गत पुलिस उप महानिरीक्षक किन शक्तियों का प्रयोग कर सकता है?

- (क) केवल पर्यवेक्षण
- (ख) थाना प्रभारी की सभी शक्तियाँ
- (ग) अभियोजन आदेश
- (घ) मजिस्ट्रेट को निर्देश देना

420. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 37 के अंतर्गत पुलिस अधिकारी किस परिस्थिति में जनता की सहायता प्राप्त कर सकता है?

- (क) गिरफ्तारी के लिए
- (ख) कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए
- (ग) लोक संपत्ति की रक्षा के लिए
- (घ) उपरोक्त सभी

421. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 38 के अनुसार यदि व्यक्ति गिरफ्तार करने में सहायता से इंकार करता है, तो उसके विरुद्ध निम्न में से किस प्रकार की कार्रवाई हो सकती है?

- (क) दंडात्मक कार्यवाही
- (ख) अवज्ञा
- (ग) प्राथमिकी

(घ) कोई नहीं

422. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 39 के अंतर्गत निम्न में से किस प्रकार के अपराध की सूचना पुलिस को देना नागरिक का कर्तव्य है?

(क) राजद्रोह

(ख) डकैती

(ग) हत्या

(घ) उपरोक्त सभी

423. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 40 के अंतर्गत यदि कोई व्यक्ति संज्ञेय अपराध होते हुए देखता है, तो उसे क्या करना चाहिए?

(क) मौका से भाग जाना

(ख) मौन रहना

(ग) पुलिस को सूचना देना

(घ) अपराधी को छिपाना

424. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 41 के अंतर्गत कौन-से अपराध में पुलिस अधिकारी बिना वारंट गिरफ्तारी कर सकता है?

(क) गैर-संज्ञेय

(ख) संज्ञेय

(ग) दंडनीय नहीं

(घ) उपरोक्त सभी

425. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 41A के अंतर्गत नोटिस देने का प्रावधान किस स्थिति में है?

- (क) जब गिरफ्तारी आवश्यक हो
- (ख) जब अपराध 7 वर्ष से कम दंडनीय हो
- (ग) केवल मैजिस्ट्रेट आदेश दे
- (घ) FIR दर्ज हो

426. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 41D के अंतर्गत गिरफ्तार व्यक्ति को निम्न में से किस प्रकार का अधिकार प्राप्त है?

- (क) चुप रहने का
- (ख) वकील से मिलने का
- (ग) जमानत का
- (घ) कोई नहीं

427. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 46 के अनुसार महिला की गिरफ्तारी रात में कब की जा सकती है?

- (क) पुलिस की उपस्थिति में
- (ख) मैजिस्ट्रेट की अनुमति से
- (ग) बिना किसी अनुमति के
- (घ) किसी भी समय

428. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 50के अनुसार गिरफ्तारी के समय व्यक्ति को क्या जानकारी दी जाती है?

- (क) अपराध की प्रकृति
- (ख) जमानत का अधिकार
- (ग) गिरफ्तारी का कारण
- (घ) उपरोक्त सभी

429. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 53 क के अंतर्गत बलात्कार के आरोपी की मेडिकल जाँच कौन कर सकता है?

- (क) मजिस्ट्रेट
- (ख) चिकित्सा अधिकारी
- (ग) पुलिस अधिकारी
- (घ) स्वयं आरोपी

430. धारा 54 CrPC के अंतर्गत गिरफ्तार व्यक्ति अपने मेडिकल परीक्षण का निवेदन किसके समक्ष कर सकता है?

- (क) गिरफ्तारी के तुरंत बाद
- (ख) मैजिस्ट्रेट के समक्ष
- (ग) थाना में थाना प्रभारी
- (घ) जब चाहे

431. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 62 के अनुसार समन की तामील कैसे की जाती है?

- (क) मौखिक
- (ख) लिखित
- (ग) टेलीफोन द्वारा
- (घ) व्हाट्सएप द्वारा

432. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 64 के अंतर्गत यदि समन प्राप्तकर्ता अनुपस्थित हो, तो समन किसे दिया जाता है?

- (क) पड़ोसी को
- (ख) किसी बालक को
- (ग) घर के किसी वयस्क पुरुष परिजन को
- (घ) चौकीदार को

433. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 70 के अनुसार गिरफ्तारी वारंट की वैधता क्या है?

- (क) 15 दिन
- (ख) अनिश्चित
- (ग) जब तक रद्द न हो
- (घ) 30 दिन

434. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 72 के अनुसार किसे गिरफ्तारी वारंट निष्पादित करने का अधिकार है?

- (क) गवाह
- (ख) मैजिस्ट्रेट
- (ग) पुलिस अधिकारी
- (घ) अभियुक्त

435. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 76 के अनुसार पुलिस अधिकारी गिरफ्तार व्यक्ति को मैजिस्ट्रेट के समक्ष कब प्रस्तुत करेगा?

- (क) 24 घंटे के भीतर
- (ख) 48 घंटे के भीतर
- (ग) 72 घंटे के भीतर
- (घ) यथाशीघ्र

436. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 82 के अंतर्गत उद्घोषणा किस स्थिति में जारी की जाती है?

- (क) जब अभियुक्त अदालत से अनुपस्थित हो
- (ख) जब अभियुक्त विदेश चला गया हो
- (ग) जब अभियुक्त जेल में हो
- (घ) जब अभियुक्त पुलिस अभिरक्षा में हो

437. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 83 के अंतर्गत उद्घोषणा के बाद क्या किया जा सकता है?

- (क) जमानत
- (ख) संपत्ति की कुर्की
- (ग) गिरफ्तारी

(घ) रिमांड

438. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 89 के अनुसार यदि कोई व्यक्ति किसी प्रतिभूति/ बन्धपत्र के अनुपालना में असफल रहता है, तो मैजिस्ट्रेट क्या कर सकता है?

- (क) उसे रिहा कर दिया जाता है
- (ख) उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर सकता है
- (ग) उसके खिलाफ जुर्माना लगता है
- (घ) उसे चेतावनी दी जाती है

439. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 92 के अंतर्गत किसकी अनुमति से डाक पत्र खोला जा सकता है?

- (क) जिला मैजिस्ट्रेट
- (ख) पुलिस निरीक्षक
- (ग) संबंधित मैजिस्ट्रेट
- (घ) पोस्टमास्टर

440. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 94 के अनुसार तलाशी का आदेश कब दिया जा सकता है?

- (क) जब मैजिस्ट्रेट को अपराध की संभावना लगे
- (ख) जब संपत्ति संदिग्ध हो
- (ग) जब दस्तावेज़ छुपाए गए हों
- (घ) उपरोक्त सभी स्थितियों में

441. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 97 के अनुसार अवैध रूप से रोके गए व्यक्ति को छोड़ने के लिए कार्यकारी मैजिस्ट्रेट क्या जारी करता है?

- (क) गिरफ्तारी वारंट
- (ख) समन
- (ग) तलाशी वारंट
- (घ) अंतरिम आदेश

442. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 100 के अनुसार तलाशी के समय किनकी उपस्थिति आवश्यक है?

- (क) दो स्वतंत्र गवाहों की
- (ख) थाना प्रभारी की
- (ग) मजिस्ट्रेट की
- (घ) महिला कांस्टेबल की

443. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 101 के अनुसार तलाशी से प्राप्त वस्तुओं को कहाँ भेजा जाएगा?

- (क) पुलिस लाइन
- (ख) मजिस्ट्रेट के पास
- (ग) उच्च न्यायालय
- (घ) अभियुक्त के घर

444. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 107 के अनुसार बन्धपत्र की मांग किस स्थिति में की जाती है?

- (क) जब व्यक्ति से शांति भंग होने का खतरा हो

- (ख) जब व्यक्ति पर FIR दर्ज हो
- (ग) जब व्यक्ति हथियार रखता हो
- (घ) जब व्यक्ति विदेश जाना चाहता हो

445. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 109 के अंतर्गत कार्यकारी मैजिस्ट्रेट द्वारा संदिग्ध व्यक्ति से क्या मांगा जाता है?

- (क) जमानत
- (ख) पहचान
- (ग) बन्धपत्र/ प्रतिभूति
- (घ) कर

446. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 110 के अंतर्गत कार्यकारी मैजिस्ट्रेट द्वारा आदतन अपराधियों से क्या लिया जाता है?

- (क) बन्धपत्र/ प्रतिभूति
- (ख) चेतावनी
- (ग) पहचान
- (घ) प्रतिबंध

447. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 130 के अंतर्गत दंगा को नियंत्रित करने के लिए सेना की सहायता निम्न में से किसकी अनुमति से ली जा सकती है?

- (क) कार्यपालक मैजिस्ट्रेट
- (ख) राज्यपाल

- (ग) केंद्र सरकार
- (घ) प्रधान सचिव

448. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 131 के अनुसार सशस्त्र बल का राजपत्रित अधिकारी किस स्थिति में स्वयं सैन्य बल कार्रवाई कर सकता है?

- (क) जब कोई नागरिक मजिस्ट्रेट न हो
- (ख) जब सेना को विशेष आदेश हो
- (ग) जब वरिष्ठ अधिकारी का आदेश हो
- (घ) जब पुलिस असफल हो

449. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 132 किसे कानूनी संरक्षण प्रदान करती है?

- (क) दंगा नियंत्रित करने वाले पुलिसकर्मी
- (ख) दंगा नियंत्रित करने वाले सशस्त्र बल के सदस्य
- (ग) कार्यपालक मैजिस्ट्रेट
- (घ) उपरोक्त सभी

450. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 133 के अंतर्गत सार्वजनिक बाधा की स्थिति में मजिस्ट्रेट क्या कर सकता है?

- (क) आपातकाल घोषित
- (ख) निषेधाज्ञा लागू
- (ग) बाधा हटाने का आदेश
- (घ) सेना तैनात करना

451. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 321 के अंतर्गत लोक अभियोजक न्यायालय की अनुमति से किस बात के लिए आवेदन कर सकता है?

- (क) आरोपी की जमानत रद्द करने के लिए
- (ख) आरोपी को आजीवन कारावास देने के लिए
- (ग) अभियोजन को वापस लेने के लिए
- (घ) पुनः विवेचना के लिए

452. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 320 के अनुसार समझौता किन अपराधों के लिए किया जा सकता है?

- (क) केवल जघन्य अपराधों के लिए
- (ख) केवल दंडनीय अपराधों के लिए
- (ग) न्यायालय द्वारा अनुमत अपराधों के लिए
- (घ) संहिता अनुसूची में वर्णित अपराधों के लिए

453. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 306 के अंतर्गत सरकारी गवाह बनाए जाने की प्रक्रिया किस पर लागू होती है?

- (क) सभी आरोपी व्यक्तियों पर
- (ख) सह-अभियुक्त, जिनके विरुद्ध अपराध का मामला लंबित है
- (ग) केवल राज्य कर्मचारियों पर
- (घ) पीड़ित पर

454. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 307 न्यायालय के किस अधिकार से संबंधित है?

- (क) मजिस्ट्रेट को आरोप तय करने का अधिकार
- (ख) उच्च न्यायालय को पुनर्विचार का अधिकार
- (ग) न्यायालय को माफी देने वाले को परीक्षण के समय बुलाने का अधिकार
- (घ) लोक अभियोजक को साक्ष्य बदलने का अधिकार

455. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 468 के तहत समय सीमा अवधि किस बात से संबंधित है?

- (क) अपील की समय सीमा
- (ख) जांच की समयसीमा
- (ग) संज्ञान लेने की समयसीमा
- (घ) जमानत अवधि

456. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 451 के अंतर्गत न्यायालय किस बात के लिए आदेश दे सकता है?

- (क) आरोप तय करने के लिए
- (ख) संपत्ति की अस्थायी निगरानी के लिए
- (ग) आपराधिक प्रक्रिया की पुनरावृत्ति के लिए
- (घ) अपराध से संबंधित संपत्ति के संरक्षण हेतु

457. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 457, 458 के अनुसार जब किसी संपत्ति का स्वामी अज्ञात हो, तब न्यायालय संपत्ति किसे सौंप सकता है?

- (क) पुलिस
- (ख) उपयुक्त अभिरक्षक
- (ग) सरकार
- (घ) आरोपी

458. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 458 का उपयोग कब किया जाता है?

- (क) जब कोई संपत्ति का स्वामी अज्ञात हो
- (ख) जब आरोप सिद्ध होता है
- (ग) जब संपत्ति सार्वजनिक हो
- (घ) जब संपत्ति जब्त नहीं होती

459. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 459 में उल्लिखित संपत्ति के मूल्य की सीमा क्या है?

- (क) 100 रुपये
- (ख) 500 रुपये
- (ग) 1000 रुपये
- (घ) 2000 रुपये

460. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 436 किससे संबंधित है?

- (क) गैर-जमानती अपराध में जमानत
- (ख) जमानती अपराध में जमानत
- (ग) बाल अपराध से
- (घ) दोषसिद्ध अपराधी से

461. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 438 किस प्रकार की जमानत से संबंधित है?

- (क) स्थायी जमानत
- (ख) अग्रिम जमानत
- (ग) पुलिस जमानत
- (घ) न्यायालयीन जमानत

462. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 439 किसे विशेष जमानत शक्ति प्रदान करता है?

- (क) मजिस्ट्रेट
- (ख) पुलिस
- (ग) सत्र न्यायालय और उच्च न्यायालय
- (घ) पंचायत

463. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 440 के अंतर्गत कौन सी बात प्रमुख रूप से वर्णित है?

- (क) मुचलका राशि की सीमा निर्धारण सम्बन्धी
- (ख) जमानत की प्रक्रिया
- (ग) पुलिस की रिपोर्ट
- (घ) गवाहों का परीक्षण

464. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 441 किस पर लागू होती है?

- (क) दोषसिद्धि पर

- (ख) मुचलका भरने पर
- (ग) गवाहों की सूची पर
- (घ) न्यायालयीन शुल्क पर

465. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 442 के तहत कौन दस्तावेज तैयार किया जाता है?

- (क) मुचलके की पुष्टि
- (ख) जमानत की शर्तें
- (ग) जमानती का बंधपत्र
- (घ) आरोप पत्र

466. CrPC की धारा 149 पुलिस अधिकारी को कौन-सी शक्ति प्रदान करती है?

- (क) अपराध घटित होने से पहले उसे रोकने की शक्ति
- (ख) गवाहों को सुरक्षा देने की शक्ति
- (ग) तलाशी करने की शक्ति
- (घ) जमानत देने की शक्ति

467. CrPC की धारा 151 का संबंध किससे है?

- (क) संभावित अपराध को रोकने के लिए गिरफ्तारी करने से
- (ख) आरोप तय करने की प्रक्रिया से
- (ग) साक्ष्य एकत्र करने से
- (घ) गवाह को समन भेजने से

468. CrPC की धारा 154 के अंतर्गत FIR दर्ज करने की प्रक्रिया के सम्बन्ध में निम्न में से क्या सही है?

- (क) किसी संज्ञेय अपराध की लिखित या मौखिक सूचना प्राप्त होने के आधार पर
- (ख) केवल मजिस्ट्रेट के समक्ष
- (ग) केवल पीड़ित की लिखित शिकायत पर
- (घ) केवल आरोपी के बयान के आधार पर

469. CrPC की धारा 155 किन अपराधों से संबंधित है?

- (क) असंज्ञेय अपराधों से
- (ख) संज्ञेय अपराधों से
- (ग) अपील मामलों से
- (घ) गिरफ्तारी वारंट से

470. CrPC की धारा 156 पुलिस को किस प्रकार की शक्ति देती है?

- (क) संज्ञेय अपराध में स्वतः अन्वेषण प्रारंभ करने की
- (ख) केवल मजिस्ट्रेट के आदेश पर जांच करने की
- (ग) असंज्ञेय अपराध की जांच की
- (घ) कोई शक्ति नहीं देती

471. CrPC की धारा 157 के अनुसार पुलिस अधिकारी का प्रारंभिक कर्तव्य क्या होता है?

- (क) मजिस्ट्रेट को सूचना भेजना और अन्वेषण आरंभ करना

- (ख) आरोपी को पकड़ना
- (ग) गवाह को समन भेजना
- (घ) संपत्ति को जब्त करना

472. CrPC की धारा 158 के अंतर्गत पुलिस रिपोर्ट किसे प्रस्तुत की जाती है?

- (क) संबंधित मजिस्ट्रेट को
- (ख) उच्च न्यायालय को
- (ग) अभियोजन अधिकारी को
- (घ) थाना प्रभारी को

473. CrPC की धारा 159 मजिस्ट्रेट को कौन-सी शक्ति प्रदान करती है?

- (क) अन्वेषण में हस्तक्षेप करना या प्रारम्भिक जांच का आदेश देना
- (ख) FIR को निरस्त करना
- (ग) आरोपी को बरी करना
- (घ) पुलिस अधिकारी को हटाना

474. धारा 160 CrPC किसको नोटिस भेजने की शक्ति देती है?

- (क) पुलिस अधिकारी को गवाहों को उपस्थित होने का आदेश देने की
- (ख) मजिस्ट्रेट को गिरफ्तारी का आदेश देने की
- (ग) गवाह को जमानत पर छोड़ने की

(घ) आरोपी को माफी देने की

475. धारा 161 CrPC में कौन बयान दर्ज करता है?

- (क) पुलिस अधिकारी गवाहों या संबंधित व्यक्तियों का
- (ख) मजिस्ट्रेट
- (ग) पीड़ित
- (घ) सरकारी वकील

476. CrPC की धारा 162 किस विषय को नियंत्रित करती है?

- (क) पुलिस द्वारा दर्ज किए गए बयानों के न्यायालय में प्रयोग को
- (ख) तलाशी प्रक्रिया को
- (ग) जमानत आदेश को
- (घ) आरोपी के परीक्षण को

477. CrPC की धारा 163 पुलिस अधिकारी को किस बात से रोकती है?

- (क) जबरदस्ती या धमकी देकर बयान लेने से
- (ख) गिरफ्तारी करने से
- (ग) जमानत देने से
- (घ) आरोप पत्र दाखिल करने से

478. CrPC की धारा 164 के अंतर्गत इकबालिया बयान किसके समक्ष दर्ज किया जाता है?

- (क) न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष
- (ख) पुलिस अधिकारी के समक्ष
- (ग) कार्यकारी मजिस्ट्रेट के समक्ष
- (घ) पीड़ित के समक्ष

479. CrPC की धारा 165 पुलिस अधिकारी को कौन-सा अधिकार प्रदान करती है?

- (क) किसी स्थान की तत्काल तलाशी लेने का
- (ख) अभियुक्त को रिहा करने का
- (ग) पीड़ित को मुआवजा देने का
- (घ) आरोपी को दंड देने का

480. CrPC की धारा 166 का प्रयोग किस परिस्थिति में किया जाता है?

- (क) जब पुलिस को अपने थाना क्षेत्र से बाहर तलाशी लेनी हो
- (ख) जब आरोपी को छोड़ना हो
- (ग) जब मजिस्ट्रेट अनुपस्थित हो
- (घ) जब अभियुक्त अदालत में उपस्थित न हो

481. CrPC की धारा 167 के अनुसार, गंभीर अपराधों की जांच हेतु पुलिस को न्यायिक हिरासत अधिकतम कितने दिनों के लिए मिल सकती है?

- (क) 60 दिन
- (ख) 30 दिन

- (ग) 90 दिन
- (घ) 120 दिन

482. CrPC की धारा 168 किस प्रक्रिया से संबंधित है?

- (क) अधीनस्थ पुलिस अधिकारी द्वारा जांच रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारी को सौंपना
- (ख) आरोपी की गिरफ्तारी
- (ग) मजिस्ट्रेट द्वारा जमानत
- (घ) संपत्ति की जब्ती

483. CrPC की धारा 169 कब लागू होती है?

- (क) जब पर्याप्त सबूत न मिलने पर आरोपी को बिना आरोप मुक्त करना हो
- (ख) जब गिरफ्तारी की जाए
- (ग) जब अपराध सिद्ध हो जाए
- (घ) जब संपत्ति जब्त की जाए

484. CrPC की धारा 170 में क्या निर्देशित किया गया है?

- (क) यदि पर्याप्त साक्ष्य हों तो आरोपी को मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत कर आरोप पत्र दाखिल करना
- (ख) मजिस्ट्रेट को सूचना देना
- (ग) FIR दर्ज करना
- (घ) आरोपी को रिहा करना

485. CrPC की धारा 172 के अनुसार "केस डायरी" किसके द्वारा तैयार की जाती है?

- (क) अन्वेषण करने वाला पुलिस अधिकारी
- (ख) मजिस्ट्रेट
- (ग) सरकारी वकील
- (घ) पीड़ित

486. CrPC की धारा 173 के अंतर्गत पुलिस किस प्रकार की रिपोर्ट प्रस्तुत करती है?

- (क) अंतिम रिपोर्ट (चार्जशीट या क्लोज़र रिपोर्ट)
- (ख) प्रारंभिक रिपोर्ट
- (ग) मुआवजा रिपोर्ट
- (घ) हिरासत रिपोर्ट

487. CrPC की धारा 174 किस प्रकार के मामलों में पुलिस जांच का प्रावधान करती है?

- (क) अप्राकृतिक या संदिग्ध मृत्यु की स्थिति में
- (ख) चोरी की घटना में
- (ग) जमानत याचिका में
- (घ) गवाह समन प्रक्रिया में

488. CrPC की धारा 175 के अनुसार गवाह को समन भेजने का अधिकार किसे है?

- (क) अन्वेषण करने वाला पुलिस अधिकारी
- (ख) मजिस्ट्रेट

- (ग) पीड़ित
- (घ) अभियोजन अधिकारी

489. CrPC की धारा 176 में किस प्रकार की जांच का प्रावधान है?

- (क) मजिस्ट्रेट द्वारा मृत्यु की न्यायिक जांच
- (ख) गिरफ्तारी की जांच
- (ग) गवाह के बयान की जांच
- (घ) जमानत आदेश की समीक्षा

490. CrPC की धारा 202 किससे संबंधित है?

- (क) मजिस्ट्रेट द्वारा शिकायत पर प्रारंभिक जांच का आदेश देना
- (ख) गवाह की सुरक्षा
- (ग) संपत्ति की कुर्की
- (घ) गिरफ्तारी वारंट जारी करना

491. CrPC की धारा 260 में किन मामलों का संक्षिप्त विचारण किया जा सकता है?

- (क) वे छोटे अपराध जिनकी अधिकतम सजा दो वर्ष तक हो
- (ख) हत्या जैसे गंभीर अपराध
- (ग) देशद्रोह
- (घ) अपहरण

492. CrPC की धारा 300 के अनुसार एक व्यक्ति को कब पुनः दंडित नहीं किया जा सकता?

- (क) जब वह एक ही अपराध के लिए पहले ही दोषी ठहराया या बरी किया जा चुका हो
- (ख) यदि गिरफ्तारी की गई हो
- (ग) यदि समन जारी किया गया हो
- (घ) जब मजिस्ट्रेट का स्थानांतरण हो

493. CrPC की धारा 306 के अंतर्गत क्षमादान (pardon) देने का अधिकार किसे है?

- (क) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (ख) पुलिस अधिकारी
- (ग) अभियोजन अधिकारी
- (घ) गवाह

494. CrPC की धारा 307 के अनुसार क्षमादान की प्रक्रिया सत्र न्यायालय के समक्ष कब होती है?

- (क) जब मामला सत्र न्यायालय में लंबित हो और मजिस्ट्रेट पहले क्षमादान की संस्तुति कर चुका हो
- (ख) जब मजिस्ट्रेट स्वयं आदेश दे
- (ग) जब पुलिस सिफारिश करे
- (घ) जब अभियोजन अधिकारी आग्रह करे

495. CrPC की धारा 320 के अंतर्गत कौन-से अपराध समझौता योग्य होते हैं?

- (क) कुछ विशेष अपराध जो अनुसूची में स्पष्ट रूप से सूचीबद्ध हैं
- (ख) सभी अपराध
- (ग) सभी संज्ञेय अपराध
- (घ) देशद्रोह

496. CrPC की धारा 321 के अनुसार अभियोजन को वापस लेने की अनुमति कौन देता है?

- (क) संबंधित मजिस्ट्रेट
- (ख) अभियोजन अधिकारी
- (ग) पुलिस अधीक्षक
- (घ) उच्च न्यायालय

497. CrPC की धारा 436 में क्या प्रावधान है?

- (क) जमानती अपराधों में जमानत का अधिकार
- (ख) अपील का अधिकार
- (ग) तलाशी का अधिकार
- (घ) गवाह की सुरक्षा

498. CrPC की धारा 437 के अनुसार, किस स्थिति में मजिस्ट्रेट को जमानत देने की शक्ति प्राप्त होती है?

- (क) गैर-जमानती अपराधों में अभियुक्त को जमानत देने की शक्ति
- (ख) FIR दर्ज करने की प्रक्रिया
- (ग) मजिस्ट्रेट द्वारा तलाशी लेने का अधिकार

(घ) अभियोजन आरंभ करने की प्रक्रिया

499. CrPC की धारा 437A के अंतर्गत अंतिम निर्णय के बाद अभियुक्त को कितने समय के लिए उच्चतर न्यायालय में उपस्थिति हेतु बंधपत्र देना होता है?

- (क) 30 दिन
- (ख) 90 दिन
- (ग) 60 दिन
- (घ) 180 दिन

500. CrPC की धारा 438 में कौन-सा प्रावधान किया गया है?

- (क) अग्रिम जमानत का प्रावधान
- (ख) न्यायिक हिरासत
- (ग) आरोप पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया
- (घ) तलाशी वारंट जारी करना

501. CrPC की धारा 439 के अनुसार किन न्यायालयों को विशेष जमानत संबंधी अधिकार प्राप्त हैं?

- (क) सत्र न्यायालय एवं उच्च न्यायालय
- (ख) मजिस्ट्रेट
- (ग) पंचायत न्यायालय
- (घ) लोक अदालत

502. CrPC की धारा 440 के अंतर्गत जमानत राशि तय करते समय न्यायालय को किन बातों पर ध्यान देना चाहिए?

- (क) अभियुक्त की परिवारिक स्थिती
- (ख) अभियुक्त की आर्थिक स्थिति
- (ग) अभियुक्त के भागने की संभावना
- (घ) मामले की परिस्थितियाँ का पूर्ण ध्यान

503. CrPC की धारा 441 के अंतर्गत बंधपत्र किसके द्वारा दिया जाता है?

- (क) अभियुक्त
- (ख) गवाह
- (ग) मजिस्ट्रेट
- (घ) पुलिस अधिकारी

504. CrPC की धारा 441A किस विषय से संबंधित है?

- (क) प्रतिभूओं द्वारा दी गई प्रतिभूतियों की घोषणा
- (ख) अभियुक्त द्वारा सूचना देना
- (ग) गिरफ्तारी का कारण बताना
- (घ) अभियोजन अधिकारी का समर्पण

505. CrPC की धारा 443 के अंतर्गत यदि अभियुक्त द्वारा प्रस्तुत बंधपत्र असन्तोषजनक पाया जाता है, तो न्यायालय निम्न में से क्या कर सकता है?

- (क) अभियुक्त का गिरफ्तारी का वारण्ट जारी कर सकता है
- (ख) आरोप तय कर सकता है
- (ग) मुकदमा खारिज कर सकता है
- (घ) अभियुक्त को क्षमा दे सकता है

506. CrPC की धारा 445 किस बात की अनुमति देती है?

- (क) मुचलके के सम्पादन के बदले धरोहरजमा करने की
- (ख) गवाहों को समन भेजने की
- (ग) तलाशी लेने की प्रक्रिया
- (घ) संपत्ति की जब्ती की

507. CrPC की धारा 446 किस विषय से संबंधित है?

- (क) बंधपत्र के उल्लंघन की स्थिति में उसकी जब्ती
- (ख) आरोपी की गिरफ्तारी
- (ग) समन जारी करना
- (घ) केस डायरी की प्रविष्टि

508. CrPC की धारा 447 का उपयोग कब किया जाता है?

- (क) जब जमानती दिवालिया हो जाये या मृत्यु को प्राप्त हो जाए
- (ख) जब अभियुक्त फरार हो जाए
- (ग) जब मजिस्ट्रेट अनुपस्थित हो
- (घ) जब कोई नया साक्ष्य प्राप्त हो

509. CrPC की धारा 448 का संबंध किससे है?

- (क) नाबालिग का बंधपत्र उसके अभिभावक द्वारा सम्पादन बारे
- (ख) महिला गवाह की सुरक्षा
- (ग) निषेधाज्ञा आदेश
- (घ) गिरफ्तारी के बाद चिकित्सा परीक्षण

510. CrPC की धारा 76 के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति को कितने समय के भीतर मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करना अनिवार्य है (सफर की अवधि को छोड़कर)?

- (क) 72 घंटे
- (ख) 48 घंटे
- (ग) 24 घंटे
- (घ) 12 घंटे

511. धारा 77 CrPC के तहत गिरफ्तारी कहाँ वैध मानी जाती है?

- (क) केवल आरोपी के गृह राज्य में
- (ख) भारत के किसी भी भाग में
- (ग) केवल स्थानीय थाना क्षेत्र में
- (घ) अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर

512. CrPC की धारा 78 के अनुसार, न्यायालय द्वारा वारण्ट का क्षेत्राधिकार के बाहर निष्पादन किस प्रकार करवाया जा सकता है?

- (क) उच्च न्यायालय के माध्यम से
- (ख) अधिकारिता रखने वाले कार्यपालक मजिस्ट्रेट, जिला अधीक्षक या आयुक्त के माध्यम से
- (ग) पुलिस महानिदेशक के माध्यम से
- (घ) लोक अभियोजक के माध्यम से

513. CrPC की धारा 80 का प्रमुख उद्देश्य क्या है?

- (क) वारण्ट द्वारा गिरफ्तार व्यक्ति को स्थानीय मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करने की व्यवस्था
- (ख) जब्ती सूची तैयार करना
- (ग) संपत्ति कुर्क करना
- (घ) अपील दायर करना

514. धारा 88 CrPC न्यायालय को किस विषय में अधिकार प्रदान करती है?

- (क) अभियुक्त को दोषमुक्त करने का
- (ख) मुचलका या जमानत लेने का
- (ग) FIR दर्ज करने का
- (घ) साक्ष्य परीक्षण का

515. CrPC की धारा 89 किस स्थिति से संबंधित है?

- (क) जब अभियुक्त भाग जाता है
- (ख) जब व्यक्ति बन्धपत्र द्वारा न्यायालय के समक्ष हाजिर होने के लिये बाध्य होते हुये उपस्थित न हो
- (ग) जब वारंट निष्पादित नहीं हो

(घ) जब न्यायालय को रिपोर्ट नहीं मिलती

516. CrPC की धारा 91 के अंतर्गत दस्तावेज़ या वस्तु प्रस्तुत करने के लिए कौन आदेश दे सकता है?

(क) केवल मजिस्ट्रेट

(ख) पुलिस अधिकारी

(ग) लोक अभियोजक

(घ) मजिस्ट्रेट और पुलिस थाना का भारसाधक अधिकारी दोनों

517. CrPC की धारा 92 के तहत डाक या टेलीग्राम से संबंधित जानकारी प्राप्त करने का आदेश देने का अधिकार किसे है?

(क) कार्यपालक मजिस्ट्रेट

(ख) पुलिस अधिकारी

(ग) न्यायिक मजिस्ट्रेट या न्यायालय

(घ) उप निरीक्षक

518. CrPC की धारा 94 का मुख्य उद्देश्य क्या है?

(क) अपराध की सूचना देने की प्रक्रिया

(ख) समन जारी करने की प्रक्रिया

(ग) वह स्थान जिसमें चोरी की सम्पत्ति, कुटरचित दस्तावेज़, आपत्तिजनक वस्तु होने की सूचना हो की तलाशी और जब्ती बारा

(घ) तलाशी वारंट की अवधि निर्धारण

519. CrPC की धारा 97 के तहत यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से किसी की हिरासत में हो, तो मजिस्ट्रेट क्या आदेश दे सकता है?

- (क) तालाशी वारण्ट जारी कर व्यक्ति को मुक्त कराने का
- (ख) हिरासत में लिए गए व्यक्ति को दंडित करने का
- (ग) उसे पुलिस हिरासत में भेजने का
- (घ) उसके खिलाफ जुर्माना लगाने का

520. CrPC की धारा 98 किन परिस्थितियों में लागू होती है?

- (क) जब कोई व्यक्ति किसी महिला या किसी नाबालिग बालिका को अवैध रूप से रोक कर रखता है को मुक्त कराना हो
- (ख) जब चोरी की वस्तु किसी स्थान पर छिपी हो और बरामद करना हो
- (ग) जब मजिस्ट्रेट को साक्ष्य मंगाने हों
- (घ) जब कोई अभियुक्त न्यायालय में अनुपस्थित हो

521. CrPC की धारा 100 के अनुसार तलाशी के समय दो स्वतंत्र एवं सम्मानित व्यक्तियों की उपस्थिति क्यों आवश्यक होती है?

- (क) तलाशी की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु
- (ख) पुलिस की सहायता प्राप्त करने हेतु

- (ग) वारंट की वैधता सिद्ध करने हेतु
- (घ) न्यायालय के आदेश के अनुरूप कार्रवाई हेतु

522. CrPC की धारा 101 के अनुसार तलाशी के दौरान जब्त की गई वस्तुएं किसे सौंपी जाती हैं?

- (क) संबंधित मजिस्ट्रेट को
- (ख) पुलिस अधीक्षक को
- (ग) लोक अभियोजक को
- (घ) न्यायालय के क्लर्क को

523. CrPC की धारा 107 का उपयोग किस प्रकार की स्थिति में किया जाता है?

- (क) जब किसी व्यक्ति द्वारा लोक शांति भंग किए जाने की आशंका हो
- (ख) जब संपत्ति को लेकर विवाद उत्पन्न हो
- (ग) जब तलाशी वारंट जारी करना हो
- (घ) जब किसी आरोपी को गिरफ्तार करना हो

524. CrPC की धारा 109 किन व्यक्तियों के विरुद्ध लागू होती है?

- (क) संदिग्ध व्यक्तियों पर
- (ख) उन व्यक्तियों पर जो सरकारी सेवा में हों
- (ग) नशे के आदी व्यक्तियों पर
- (घ) उन पर जो न्यायिक कार्य से जुड़े हों

525. CrPC की धारा 110 किन व्यक्तियों पर बंधपत्र द्वारा कार्रवाई की अनुमति देती है?

- (क) गवाहों पर
- (ख) सरकारी अधिकारियों पर
- (ग) आदतन अपराधियों, चोरों, डकैतों, व ठगों पर
- (घ) मजिस्ट्रेट के सहयोगियों पर

526. CrPC की धारा 129 के अनुसार सार्वजनिक शांति भंग करने वाली भीड़ को तितर-बितर करने का आदेश निम्न में कौन दे सकता है?

- (क) लोक अभियोजक
- (ख) पुलिस अधीक्षक
- (ग) जिला एवं सत्र न्यायाधीश
- (घ) कार्यपालक मजिस्ट्रेट

527. CrPC की धारा 130 के अंतर्गत यदि धारा 129 के अंतर्गत दिए गए आदेश के बावजूद भीड़ तितर-बितर नहीं होती है, तो सशस्त्र बल प्रयोग का आदेश कौन दे सकता है?

- (क) कार्यपालक मजिस्ट्रेट
- (ख) न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा
- (ग) पुलिस निरीक्षक द्वारा
- (घ) प्रधान आरक्षक द्वारा

528. CrPC की धारा 131 किस स्थिति से संबंधित है?

- (क) जब कार्यपालक मजिस्ट्रेट से सम्पर्क न हो और भीड़ को तितर बितर करने के लिये बल प्रयोग करना आवश्यक हो
- (ख) मजिस्ट्रेट द्वारा तलाशी आदेश जारी करना
- (ग) गिरफ्तारी वारंट की वैधता
- (घ) अपराध की सूचना दर्ज

529. CrPC की धारा 132 के अनुसार सशस्त्र बल के सदस्यों को किस परिस्थिति में कानूनी संरक्षण प्राप्त होता है?

- (क) जब उन पर आरोप सिद्ध हो चुका हो
- (ख) जब वे न्यायालय में गवाही दे रहे हों
- (ग) जब वे कानून के अनुसार भीड़ नियंत्रण करते हुए कार्य कर रहे हों
- (घ) जब वे बिना अनुमति कार्य कर रहे हों

530. CrPC की धारा 133 का प्रयोग किस उद्देश्य से किया जाता है?

- (क) सार्वजनिक स्थानों, मार्गों या जल स्रोतों में रुकावट अथवा खतरे को हटाने हेतु आदेश देने के लिए
- (ख) किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करने के लिए
- (ग) किसी संपत्ति को ज़ब्त करने के लिए
- (घ) समन की तामील सुनिश्चित करने के लिए

531. CrPC की धारा 144 के अंतर्गत कौन-से आदेश जारी किए जा सकते हैं?

- (क) सार्वजनिक शांति बनाए रखने हेतु आपातकालीन प्रतिबंधात्मक आदेश
- (ख) अभियुक्त को सजा सुनाने हेतु आदेश
- (ग) पुलिस को गिरफ्तारी आदेश देने के लिए
- (घ) तलाशी वारंट जारी करने हेतु

532. CrPC की धारा 145 किस प्रकार की स्थिति से संबंधित है?

- (क) किसी आरोपी की गिरफ्तारी
- (ख) भूमि या जल के स्वामित्व अथवा कब्जे को लेकर उत्पन्न विवाद जिससे लोक शांति भंग होने की आशंका हो
- (ग) न्यायालय में साक्ष्य प्रस्तुत करना
- (घ) जमानत हेतु मुचलका देना

533. CrPC की धारा 147 का मुख्य उद्देश्य क्या है?

- (क) भूमि व जल के उपयोग के अधिकार को लेकर विवाद की स्थिति का समाधान करना
- (ख) किसी आरोपी को समन भेजना
- (ग) संपत्ति की जब्ती करना
- (घ) आरोपी को हिरासत में लेना

534. CrPC की धारा 149 के अनुसार पुलिस अधिकारी किस स्थिति में अपराध को रोकने की कार्रवाई कर सकता है?

- (क) जब कोई अपराध घटित हो रहा हो
- (ख) जब किसी अपराध के घटित होने की संभावना हो
- (ग) जब अपराध की शिकायत प्राप्त होती है
- (घ) जब मजिस्ट्रेट आदेश देता है

535. CrPC की धारा 150 के अंतर्गत नागरिक को कब और क्या कर्तव्य निभाना होता है?

- (क) जब किसी अपराध की योजना के बारे में पता हो, तो मजिस्ट्रेट को सूचित करना
- (ख) पुलिस अधिकारी को सूचना देना
- (ग) संबंधित थाने को लिखित सूचना देना
- (घ) कोई कर्तव्य नहीं होता

536. CrPC की धारा 151 के अंतर्गत पुलिस अधिकारी किस स्थिति में बिना वारंट के गिरफ्तारी कर सकता है?

- (क) जब अधिकारी को प्रतीत होता है कि अपराध का किया जाना अन्यथान रोका जा सकता हो
- (ख) जब व्यक्ति द्वारा अपराध हो चुका हो
- (ग) जब व्यक्ति के पास अवैध हथियार हो
- (घ) जब न्यायालय से अनुमति प्राप्त हो

537. CrPC की धारा 154 के अनुसार प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) दर्ज करने की प्रक्रिया कैसे प्रारंभ होती है?

- (क) मौखिक रूप से दी गई सूचना के आधार पर
- (ख) लिखित रूप में प्राप्त सूचना के आधार पर
- (ग) टेलीफोन पर दी गई सूचना के माध्यम से
- (घ) संज्ञेय अपराध की मौखिक या लिखित रूप में प्राप्त सूचना के आधार पर

538. CrPC की धारा 155 किन अपराधों से संबंधित है?

- (क) संज्ञेय अपराध
- (ख) असंज्ञेय अपराध
- (ग) संगठित अपराध
- (घ) जघन्य अपराध

539. 393. CrPC की धारा 156 के अनुसार संज्ञेय अपराध की विवेचना का अधिकार किसे प्राप्त है?

- (क) संबंधित थाने का भारसाधक अधिकारी
- (ख) सत्र न्यायालय
- (ग) कार्यपालक मजिस्ट्रेट
- (घ) जिला मजिस्ट्रेट

540. CrPC की धारा 157 के अंतर्गत पुलिस थाना के भारसाधक अधिकारी को जांच प्रारंभ करने से पूर्व क्या अनिवार्य रूप से करना होता है?

- (क) प्राथमिकी की प्रति संबंधित मजिस्ट्रेट को प्रेषित करना

- (ख) आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी
- (ग) घटनास्थल का निरीक्षण
- (घ) पीड़ित को सूचना देना

541. CrPC की धारा 158 के अनुसार पुलिस द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट किसे भेजी जाती है?

- (क) लोक अभियोजक को
- (ख) अधिकारिता वाले मजिस्ट्रेट को
- (ग) थाना प्रभारी को
- (घ) सिविल न्यायालय को

542. CrPC की धारा 159 के अनुसार मजिस्ट्रेट को क्या अधिकार प्राप्त है?

- (क) पुलिस रिपोर्ट के आधार पर स्वयं जांच आरंभ करना या पुलिस से प्रारम्भिक जांच कराने का
- (ख) गिरफ्तारी के आदेश जारी करने का
- (ग) आरोप तय करने का
- (घ) अभियुक्त को दोषमुक्त करने का

543. CrPC की धारा 160 के अनुसार पुलिस अधिकारी किन व्यक्तियों को पूछताछ के लिए बुला सकता है?

- (क) 15 वर्ष से कम आयु के किसी बालक को
- (ख) किसी भी राज्य का निवासी
- (ग) व्यक्ति जिसके पास जांच से संबंधित जानकारी हो
- (घ) सभी नागरिकों को

544. CrPC की धारा 161 के अंतर्गत पुलिस अधिकारी जांच के दौरान ब्यान किस उद्देश्य से लेता है?

- (क) अभियुक्त को दोषी सिद्ध करने हेतु
- (ख) गवाह की विश्वसनीयता परखने हेतु
- (ग) अपराध की विवेचना में सहायता के लिए
- (घ) न्यायालय में साक्ष्य देने हेतु

545. CrPC की धारा 162 के अनुसार पुलिस जांच के दौरान लिए गए मौखिक बयानों का प्रयोग अदालत में किस रूप में किया जा सकता है?

- (क) साक्ष्य के रूप में
- (ख) गवाह के बयानों में विरोधाभास सिद्ध करने हेतु
- (ग) अभियोजन पक्ष की पुष्टि के लिए
- (घ) स्वीकारोक्ति के रूप में

546. CrPC की धारा 163 में पुलिस अधिकारी को किस प्रकार का व्यवहार करने से प्रतिबंधित किया गया है?

- (क) किसी व्यक्ति से उत्प्रेरणा, धमकी या प्रलोभन से ब्यान लेने को
- (ख) गवाह को हिरासत में लेना
- (ग) FIR में बदलाव करना
- (घ) अभियुक्त से अनैतिक तरीके से पूछताछ करना

547. CrPC की धारा 164 के अंतर्गत किसी अभियुक्त या गवाह का ब्यान निम्न में से किसके समक्ष दर्ज किया जाता है?

- (क) पुलिस अधिकारी
- (ख) न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (ग) लोक अभियोजक
- (घ) न्यायिक कर्मचारी

548. धारा 165 CrPC किन परिस्थितियों में पुलिस अधिकारी को तलाशी लेने की अनुमति देती है?

- (क) जब मजिस्ट्रेट उपस्थित हो
- (ख) जब किसी अपराध की जांच के दौरान तलाशी की जानी है परन्तु वारंट प्राप्त करने में अनुचित देरी होने की आशंका हो।
- (ग) जब पुलिस को संदेह / विश्वास नहीं हो
- (घ) उपरोक्त सभी

549. धारा 166 CrPC निम्न में से किस बारे प्रावधान करती है?

- (क) अंतर-थाना तलाशी
- (ख) FIR दर्ज करना
- (ग) संपत्ति की जब्ती
- (घ) आरोपी का चिकित्सीय परीक्षण

550. धारा 167 CrPC के अनुसार जब तक अभियुक्त को न्यायालय में प्रस्तुत नहीं किया गया तो पुलिस हिरासत की अधिकतम अवधि क्या है,?

- (क) 24 घंटे
- (ख) 48 घंटे
- (ग) 72 घंटे
- (घ) 15 दिन

551. धारा 168 CrPC किससे संबंधित है?

- (क) अधीनस्थ पुलिस अधिकारी द्वारा अन्वेषण के परिणाम की रिपोर्ट
- (ख) मजिस्ट्रेट द्वारा वारंट जारी करना
- (ग) FIR दर्ज करना
- (घ) अभियोजन स्वीकृति

552. धारा 169 CrPC के अन्तर्गत जब अपराध का कोई प्रमाण नहीं मिलता है तो पुलिस क्या कर सकती है?

- (क) अभियुक्त को छोड़ सकती है
- (ख) अभियुक्त को जेल भेज सकती है
- (ग) FIR को निरस्त कर सकती है
- (घ) पीड़ित को दंडित कर सकती है

553. धारा 170 CrPC के अनुसार पुलिस अभियुक्त को मजिस्ट्रेट के समक्ष कब प्रस्तुत करती है?

- (क) जब अपराध का साक्ष्य पर्याप्त हो

- (ख) जब मजिस्ट्रेट आदेश दे
- (ग) जब FIR दर्ज होती है
- (घ) जब अभियुक्त दोषी स्वीकार करे

554. धारा 172 CrPC किससे संबंधित है?

- (क) केस डायरी बनाए जाने से
- (ख) अभियुक्त की उपस्थिति से
- (ग) न्यायालय की अनुमति से
- (घ) साक्ष्य की जांच से

555. धारा 173 CrPC के अनुसार पुलिस रिपोर्ट को मजिस्ट्रेट के समक्ष कब प्रस्तुत किया जाना चाहिए?

- (क) 24 घंटे में
- (ख) अनावश्यक बिलम्ब के बिना जल्द से जल्द
- (ग) 30 दिन में
- (घ) जब आदेश दिया जाए

556. धारा 174 CrPC किन मामलों की जांच से संबंधित है?

- (क) गुमशुदगी
- (ख) आत्महत्या या संदेहास्पद मृत्यु
- (ग) डकैती
- (घ) चोरी

557. धारा 175 CrPC के अनुसार मजिस्ट्रेट या पुलिस अधिकारी किसे सम्बन्ध में समन जारी कर सकता है?

- (क) केवल अभियुक्त को
- (ख) मृत्यु समीक्षा की जांच में किसी भी व्यक्ति को साक्ष्य हेतु
- (ग) मजिस्ट्रेट को
- (घ) केवल पीड़ित को

558. CrPC की धारा 176 के अंतर्गत मजिस्ट्रेट द्वारा मृत्यु की अनिवार्य जांच कब की जाती है?

- (क) जब कोई व्यक्ति आर्थिक अपराध में गिरफ्तार किया गया हो
- (ख) जब किसी व्यक्ति की मृत्यु पुलिस या न्यायिक हिरासत में होती है
- (ग) जब कोई गवाह अदालती कार्यवाही से अनुपस्थित हो
- (घ) जब किसी आरोपी की जमानत नामंजूर हो जाती है

559. धारा 202 CrPC के तहत मजिस्ट्रेट किसे जांच करने का आदेश दे सकता है?

- (क) अभियुक्त को
- (ख) पुलिस अधिकारी या अन्य उपयुक्त व्यक्ति को
- (ग) न्यायालय को
- (घ) अभियोजन अधिकारी को

560. धारा 260 CrPC किन मामलों में संक्षिप्त प्रक्रिया अपनाने की अनुमति देती है?

- (क) संगीन अपराधों में
- (ख) केवल डकैती के मामलों में
- (ग) मजिस्ट्रेट के विचारणीय हल्के अपराधों में
- (घ) केवल हत्या के मामलों में

561. धारा 300 CrPC के अनुसार क्या कोई व्यक्ति एक ही अपराध के लिए पुनः अभियोजित किया जा सकता है?

- (क) हाँ
- (ख) नहीं
- (ग) विशेष परिस्थिति में
- (घ) मजिस्ट्रेट के आदेश पर

562. धारा 306 CrPC के अनुसार निम्न में से किसे सरकारी गवाह बनाया जा सकता है?

- (क) सह अभियुक्त को
- (ख) मुख्य गवाह को
- (ग) पीड़ित को
- (घ) जज को

563. धारा 307 CrPC के अन्तर्गत सह अपराधी को क्षमा देने का अधिकार किसके पास होता है?

- (क) लोक अभियोजक

- (ख) न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (ग) उच्च न्यायालय
- (घ) राज्यपाल

564. धारा 320 CrPC में किन अपराधों को समझौते से समाप्त किया जा सकता है?

- (क) सभी अपराध
- (ख) केवल संगीन अपराध
- (ग) केवल सूचीबद्ध अपराध
- (घ) केवल आर्थिक अपराध

565. धारा 321 CrPC में अभियोजन से हटने का निर्णय कौन लेता है?

- (क) मजिस्ट्रेट
- (ख) लोक अभियोजक
- (ग) सत्र न्यायालय
- (घ) राज्य सरकार

566. धारा 436 CrPC किस प्रकार के अपराधों से संबंधित है?

- (क) गैर-जमानती
- (ख) जमानती
- (ग) संज्ञेय
- (घ) असंज्ञेय

567. धारा 437 CrPC के अनुसार जमानत किस परिस्थिति में नहीं दी जा सकती?

- (क) जब व्यक्ति मृत्यु या आजीवन कारावास से दण्डनीय अपराध का दोषी हो
- (ख) जब अपराध राजनीतिक हो
- (ग) जब अभियुक्त पुलिस कर्मी हो
- (घ) जब अभियुक्त नाबालिग हो

568. धारा 438 CrPC किस विषय से संबंधित है?

- (क) अग्रिम जमानत
- (ख) गिरफ्तारी
- (ग) मजिस्ट्रेट की अनुमति
- (घ) पुलिस रिपोर्ट

569. धारा 439 CrPC के तहत उच्च न्यायालय या सत्र न्यायालय किसे जमानत दे सकता है?

- (क) किसी भी अभियुक्त को
- (ख) केवल नाबालिगों को
- (ग) केवल असंज्ञेय अपराध में
- (घ) केवल पुलिस अधिकारी को

570. धारा 440 CrPC में क्या प्रावधान है?

- (क) जमानत राशि को यथासंभव कम रखा जाए
- (ख) जमानत को निषेध किया जाए
- (ग) मजिस्ट्रेट ही जमानत निर्धारित करे

(घ) अभियुक्त से तीन गवाह लिए जाएं

571. धारा 441 CrPC के अनुसार जमानत देने वाले से क्या लिया जाता है?

(क) गवाही

(ख) पहचान

(ग) मुचलका/ बन्धपत्र

(घ) साक्ष्य

572. यदि अभियुक्त को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है, तो CrPC की निम्न में से कौन सी धारा कहती है कि 24 घंटे में उसे मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत किया जाना चाहिए?

(क) धारा 57

(ख) धारा 41

(ग) धारा 167

(घ) धारा 154

573. CrPC की किस धारा के तहत मजिस्ट्रेट किसी व्यक्ति को परिशान्ति कायम रखने के लिये बन्धपत्र/ प्रतिभूति भरने का आदेश दे सकता है?

(क) धारा 107

(ख) धारा 144

(ग) धारा 151

(घ) धारा 133

574. CrPC की किस धारा में न्यायालय द्वारा किसी जांच, विचारण या अन्य कार्यवाही में किसी व्यक्ति को गवाह के तौर पर सम्मन जारी कर बुलाने का प्रावधान करता है?

- (क) धारा 160
- (ख) धारा 61
- (ग) धारा 204
- (घ) धारा 311

575. CrPC की किस धारा के अन्तर्गत गिरफ्तारी के लिए वारंट आवश्यक नहीं होता है?

- (क) धारा 41
- (ख) धारा 155
- (ग) धारा 174
- (घ) धारा 204

576. धारा 167 CrPC के अंतर्गत न्यायिक मजिस्ट्रेट किसी आरोपी को एक समय में कितने दिन तक न्यायिक अभिरक्षा में भेज सकता है?

- (क) 7 दिन
- (ख) 15 दिन
- (ग) 30 दिन
- (घ) 60 दिन

577. CrPCकी कौन-सी धारा अभियुक्त के अनुपस्थित होने पर संपत्ति कुर्क करने की अनुमति देती है?

- (क) धारा 83
- (ख) धारा 82
- (ग) धारा 84
- (घ) धारा 85

578. CrPC की धारा 167 के अनुसार पुलिस/ न्यायिक रिमांड की अधिकतम अवधि कितनी होती है?

- (क) 7 दिन
- (ख) 15 दिन
- (ग) 90 दिन
- (घ) 60 दिन

579. यदि पुलिस अधिकारी द्वारा धारा 154(1) CrPC के अंतर्गत FIR दर्ज करने से मना कर दिया जाता है, तो पीड़ित व्यक्ति को किस उपाय का सहारा लेना चाहिए?

- (क) धारा 154(3) CrPC के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक को शिकायत करना
- (ख) धारा 156 CrPC के अंतर्गत गिरफ्तारी की मांग करना
- (ग) धारा 202 CrPC के अंतर्गत मजिस्ट्रेट से जांच कराना
- (घ) धारा 190 CrPC के अंतर्गत संज्ञान लेना

580. CrPC की किस धारा में पुलिस अधिकारी को गिरफ्तारी के बाद आरोपी का चिकित्सीय परीक्षण कराने का प्रावधान है?

- (क) धारा 53
- (ख) धारा 54
- (ग) धारा 50
- (घ) धारा 41A

581. CrPC की कौन-सी धारा मजिस्ट्रेट को किसी मामले में जांच हेतु आदेश जारी करने की शक्ति प्रदान करती है?

- (क) धारा 202
- (ख) धारा 200
- (ग) धारा 156
- (घ) धारा 154

582. CrPC की कौन-सी धारा अपराध की सूचना (FIR) दर्ज करने की प्रक्रिया से संबंधित है?

- (क) धारा 154
- (ख) धारा 155
- (ग) धारा 156
- (घ) धारा 157

583. CrPC की धारा 164 के अंतर्गत मजिस्ट्रेट द्वारा दर्ज किया गया बयान किस स्थिति में साक्ष्य के रूप में स्वीकार किया जाता है?

- (क) केवल सिविल वादों में
- (ख) केवल पुलिस रिकॉर्ड हेतु
- (ग) न्यायिक कार्यवाही में
- (घ) केवल गिरफ्तारी के बाद

584. CrPC की कौन-सी धारा महिला की सूर्यास्त के बाद गिरफ्तारी को विशेष परिस्थितियों में सीमित करती है?

- (क) धारा 46
- (ख) धारा 50
- (ग) धारा 54
- (घ) धारा 41

585. CrPC की कौन-सी धारा विशेष मजिस्ट्रेट की नियुक्ति से संबंधित है?

- (क) धारा 13
- (ख) धारा 11
- (ग) धारा 16
- (घ) धारा 20

586. जब किसी स्थान पर भूमि या जल के उपयोग को लेकर विवाद उत्पन्न हो और उससे सार्वजनिक शांति

भंग होने की आशंका हो, तो मजिस्ट्रेट किस प्रकार कार्रवाई करता है?

- (क) CrPC की धारा 145 के अंतर्गत आदेश जारी करता है
- (ख) CrPC की धारा 107 के अंतर्गत समझौता करवाता है
- (ग) CrPC की धारा 144 के अंतर्गत निषेधाज्ञा लगाता है
- (घ) CrPC की धारा 133 के अंतर्गत बाधा हटवाता है

587. CrPC की धारा 97 के अनुसार कौन-सा न्यायिक उपाय उपलब्ध है?

- (क) अवैध हिरासत से मुक्ति के लिए तलाशी वारंट
- (ख) महिला या बच्चे को अवैध रूप से रखने पर
- (ग) सामान्य तलाशी के लिए
- (घ) विदेशी संपत्ति जब्ती के लिए

588. CrPC की कौन-सी धारा मजिस्ट्रेट को सार्वजनिक स्थानों पर अवरोध हटाने का आदेश देने की शक्ति देती है?

- (क) धारा 145
- (ख) धारा 144
- (ग) धारा 133
- (घ) धारा 147

589. CrPC की धारा 167 में न्यायिक अभिरक्षा की अवधि कितनी तक बढ़ाई जा सकती है यदि अपराध की सजा 10 वर्ष से अधिक है?

- (क) 30 दिन
- (ख) 60 दिन
- (ग) 90 दिन
- (घ) 120 दिन

590. शिकायतकर्ता को FIR की प्रति प्राप्त करने का अधिकार किस धारा में दिया गया है?

- (क) धारा 154
- (ख) धारा 155
- (ग) धारा 156
- (घ) धारा 157

591. CrPC की किस धारा में किसी महिला की मेडिकल जांच केवल महिला डॉक्टर द्वारा किए जाने का निर्देश है?

- (क) धारा 53
- (ख) धारा 54
- (ग) धारा 164
- (घ) धारा 327

592. CrPC की निम्न किस धारा में बलपूर्वक तलाशी का प्रावधान है?

- (क) धारा 100
- (ख) धारा 166
- (ग) धारा 94

(घ) धारा 93

593. यदि कोई व्यक्ति शांतिभंग करने की आशंका उत्पन्न करता है, तो कार्यपालक मजिस्ट्रेट CrPC की किस धारा के अन्तर्गत व्यक्ति को बन्धपत्र / प्रतिभूति भरने का आदेश दे सकता ।

(क) धारा 108

(ख) धारा 107

(ग) धारा 109

(घ) धारा 110

594. CrPC की धारा 11 के अनुसार न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है?

(क) राज्य सरकार

(ख) उच्च न्यायालय

(ग) सत्र न्यायालय

(घ) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट

595. CrPC की धारा 151 क्या कहती है?

(क) गवाहों का संरक्षण

(ख) संज्ञेय अपराध घटित होने की आशंका पर गिरफ्तारी

(ग) तलाशी प्रक्रिया

(घ) FIR की सूचना

596. CrPC की धारा 173 निम्न में से किस विषय से संबंधित है?

- (क) पुलिस अधिकारी की रिपोर्ट
- (ख) केस डायरी
- (ग) गवाहों की सुरक्षा
- (घ) गिरफ्तारी की सूचना

597. दंड प्रक्रिया संहिता (CrPC)के अनुसार, गिरफ्तारी के समय पुलिस अधिकारी द्वारा अभियुक्त को अनिवार्य रूप से कौन-सी जानकारी देना आवश्यक होता है?

- (क) संभावित जमानत राशि
- (ख) गिरफ्तारी का कारण और आधार
- (ग) संबंधित मजिस्ट्रेट का नाम
- (घ) प्राथमिकी (FIR) की संख्या

598. CrPC की धारा 161 के अंतर्गत, पुलिस अधिकारी किस व्यक्ति का कथन (statement) दर्ज कर सकता है?

- (क) अभियुक्त
- (ख) गवाह
- (ग) न्यायाधीश
- (घ) मजिस्ट्रेट

599. CrPC की किस धारा के अंतर्गत मजिस्ट्रेट को यह अधिकार प्राप्त है कि वह पुलिस को FIR दर्ज करने का आदेश दे सकता है?

- (क) धारा 156(3)
- (ख) धारा 154
- (ग) धारा 190
- (घ) धारा 200

600. CrPC की धारा 438 के अंतर्गत अग्रिम जमानत (Anticipatory Bail) की याचिका किस न्यायालय के समक्ष दायर की जा सकती है?

- (क) मजिस्ट्रेट
- (ख) सत्र न्यायालय या उच्च न्यायालय
- (ग) स्थानीय थाना
- (घ) राज्य सरकार

601. CrPC की धारा 144 के अंतर्गत पारित प्रतिबंधात्मक आदेश अधिकतम कितने दिनों तक प्रभावी रह सकता है?

- (क) 15 दिन
- (ख) 30 दिन
- (ग) 60 दिन
- (घ) 90 दिन

602. CrPC की धारा 161 के तहत दिए गए गवाह के कथन किस न्यायालय में प्रत्यक्ष साक्ष्य (evidence) के रूप में स्वीकार्य नहीं होते?

- (क) मजिस्ट्रेट
- (ख) सत्र न्यायालय
- (ग) उच्च न्यायालय
- (घ) किसी भी न्यायालय में साक्ष्य के रूप में

603. CrPC की कौन-सी धारा गिरफ्तार व्यक्ति को उसके मौलिक अधिकारों की जानकारी देना पुलिस अधिकारी के लिए अनिवार्य बनाती है?

- (क) धारा 50
- (ख) धारा 41
- (ग) धारा 54
- (घ) धारा 100

604. यदि मजिस्ट्रेट को लगे कि किसी परिवाद में जांच आवश्यक है, तो वह CrPC की किस धारा के अंतर्गत जांच का आदेश दे सकता है?

- (क) धारा 202
- (ख) धारा 200
- (ग) धारा 156
- (घ) धारा 154

605. CrPC की किस धारा के अंतर्गत मजिस्ट्रेट को यह शक्ति प्राप्त है कि वह सार्वजनिक स्थान पर उत्पन्न किसी बाधा को हटाने के लिए आदेश पारित कर सके?

- (क) धारा 133
- (ख) धारा 144
- (ग) धारा 145
- (घ) धारा 147

606. CrPC की धारा 451 किस विषय से संबंधित है?

- (क) गिरफ्तारी की प्रक्रिया
- (ख) न्यायिक हिरासत
- (ग) जब्त की गई संपत्ति का अंतरिम निपटान
- (घ) प्राथमिकी (FIR) दर्ज करना

607. CrPC की धारा 173(2) के अंतर्गत, पुलिस रिपोर्ट (Chargesheet) कब प्रस्तुत की जाती है?

- (क) अपराध घटित होने के तुरंत बाद
- (ख) अभियुक्त की गिरफ्तारी के तुरंत बाद
- (ग) जब विवेचना पूरी हो जाती है
- (घ) FIR दर्ज होने से पहले

608. CrPC की धारा 164A मुख्य रूप से किस विषय से संबंधित है?

- (क) बलातसंग की पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण
- (ख) अभियुक्त का बयान दर्ज करना

- (ग) साक्ष्य का वैज्ञानिक विश्लेषण
- (घ) मजिस्ट्रेट द्वारा आदेश पारित करना

609. CrPC की धारा 157 का संबंध किस प्रक्रिया से है?

- (क) FIR दर्ज करने की प्रक्रिया से
- (ख) अभियुक्त की गिरफ्तारी से
- (ग) अपराध की सूचना मिलने पर पुलिस द्वारा की जाने वाली प्रारंभिक कार्रवाई से
- (घ) मजिस्ट्रेट के न्यायिक निर्णय से

610. CrPC की निम्न किस धारा के अंतर्गत मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज ब्यान की रिकॉर्डिंग की जाती है?

- (क) धारा 200
- (ख) धारा 202
- (ग) धारा 161
- (घ) धारा 164

611. CrPC की वह कौन-सी धारा है जो पुलिस अधिकारी को अपराध की सूचना मिलने पर अपराध स्थल का निरीक्षण करने और आवश्यक कार्रवाई शुरू करने की शक्ति प्रदान करती है?

- (क) धारा 154
- (ख) धारा 155
- (ग) धारा 156
- (घ) धारा 157

612. CrPCके अन्तर्गत मजिस्ट्रेट द्वारा बन्धपत्र / प्रतिभूतिभरने का आदेश न मानने की स्थिति में आरोपी के विरुद्ध क्या कार्रवाई की जा सकती है?

- (क) अभियुक्त को जमानत पर छोड़ा जाएगा
- (ख) अभियुक्त को हिरासत में लिया जाएगा
- (ग) अभियुक्त को दोषमुक्त कर दिया जाएगा
- (घ) गवाहों को बुलाया जाएगा

613. CrPC की धारा 164 के अंतर्गत मजिस्ट्रेट के समक्ष दिया गया बयान किस प्रकार का होता है?

- (क) केवल पुलिस रिकॉर्ड
- (ख) न्यायिक स्वीकारोक्ति
- (ग) मौखिक निर्देश
- (घ) अस्वीकृत साक्ष्य

614. CrPC की धारा 167 के अनुसार, जब अपराध की सजा 10 वर्ष से कम है, तब न्यायिक अभिरक्षा अधिकतम कितने दिन तक दी जा सकती है?

- (क) 30 दिन
- (ख) 45 दिन
- (ग) 60 दिन
- (घ) 90 दिन

615. यदि पुलिस FIR दर्ज करने से मना कर दे, तो शिकायतकर्ता CrPC की किस धारा के अंतर्गत वरिष्ठ अधिकारी से संपर्क कर सकता है?

- (क) धारा 154(3)
- (ख) धारा 155
- (ग) धारा 156
- (घ) धारा 157

616. CrPC की धारा 82 का प्रयोग किस स्थिति में किया जाता है?

- (क) संपत्ति की जब्ती के लिए
- (ख) अपराध की सूचना के लिए
- (ग) फरार अभियुक्त के विरुद्ध उद्घोषणा के लिए
- (घ) पुनरीक्षण के लिए

617. CrPC की धारा 144 के तहत निम्न में से कितनी संख्या के व्यक्तियों की भीड़ को प्रतिबंधित किया जा सकता है?

- (क) तीन
- (ख) चार
- (ग) पांच
- (घ) छह

618. CrPC की धारा 173(8) किस बात की अनुमति देती है?

- (क) गिरफ्तारी की
- (ख) आगे की जांच करने और अनुपूरक रिपोर्ट प्रस्तुत करने की
- (ग) अपील करने की
- (घ) गवाह का समन जारी करने की

619. CrPC की वह कौन-सी धारा है जो पुलिस अधिकारी को किसी मामले की विवेचना करने का अधिकार प्रदान करती है?

- (क) धारा 156
- (ख) धारा 154
- (ग) धारा 160
- (घ) धारा 170

620. CrPC की धारा 154 के तहत FIR की एक प्रति किसे दिए जाने का अधिकार है?

- (क) शिकायतकर्ता
- (ख) अभियुक्त
- (ग) गवाह
- (घ) अभियोजन अधिकारी

621. मजिस्ट्रेट को अभियुक्त को हिरासत में भेजने की शक्ति CrPC की किस धारा में दी गई है?

- (क) धारा 167
- (ख) धारा 197

(ग) धारा 202

(घ) धारा 209

622. CrPC के तहत पुलिस रिमांड की अधिकतम अवधि कितनी हो सकती है?

(क) 7 दिन

(ख) 15 दिन

(ग) 30 दिन

(घ) 90 दिन

623. CrPC की किस धारा के अंतर्गत पुलिस द्वारा अन्वेषण के दौरान गवाह को सम्मन भेजा जाता है?

(क) धारा 160

(ख) धारा 161

(ग) धारा 164

(घ) धारा 165

624. CrPC की धारा 437 किस विषय से संबंधित है?

(क) गैर जमानतीय अपराधों में जमानत

(ख) अग्रिम जमानत

(ग) न्यायिक अभिरक्षा

(घ) FIR

625. CrPC की धारा 438 के अंतर्गत अग्रिम जमानत किस स्थिति में अस्वीकार की जा सकती है?

- (क) यदि अपराध गैर-जमानती हो
- (ख) यदि अपराध गंभीर हो
- (ग) यदि जांच शुरू हो चुकी हो
- (घ) यदि न्यायालय संतुष्ट न हो

626. CrPC की धारा 174 किस विषय से संबंधित है?

- (क) अस्वाभाविक मृत्यु की जांच
- (ख) गिरफ्तारी की प्रक्रिया
- (ग) अपील
- (घ) जमानत

627. CrPC की किस धारा में किसी अपराध के लिए संज्ञान लेने की अधिकतम समय-सीमा का प्रावधान है?

- (क) धारा 468
- (ख) धारा 472
- (ग) धारा 473
- (घ) धारा 470

628. CrPC की धारा 321 का प्रयोग किस उद्देश्य से किया जाता है?

- (क) अभियोजन को वापस लेने हेतु
- (ख) अपील हेतु
- (ग) FIR दर्ज करने हेतु
- (घ) गवाह की सुरक्षा हेतु

629. CrPC की धारा 446A का संबंध किस विषय से है?

- (क) जमानत / बन्धपत्र रद्द होने पर की जाने वाली कार्यवाही
- (ख) अपील की प्रक्रिया
- (ग) अभियुक्त की दोषमुक्ति
- (घ) गवाह के लिए समन जारी करना

630. CrPC की वह कौन-सी धारा है जो पुलिस अधिकारी को विवेचना के दौरान गवाहों का ब्यान दर्ज करने की अनुमति देती है?

- (क) धारा 161
- (ख) धारा 164
- (ग) धारा 167
- (घ) धारा 174

631. संज्ञेय अपराध की सूचना प्राप्त होने के बाद पुलिस अधिकारी को त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश CrPC की किस धारा में दिया गया है?

- (क) धारा 154
- (ख) धारा 155
- (ग) धारा 156
- (घ) धारा 157

632. CrPC की धारा 446 किस विषय से संबंधित है?

- (क) जमानत की जब्ती
- (ख) गिरफ्तारी की प्रक्रिया
- (ग) अपील की व्यवस्था
- (घ) गवाही की प्रक्रिया

633. CrPC की धारा 157 के अंतर्गत, संज्ञेय अपराध की सूचना मिलने के बाद पुलिस अधिकारी द्वारा क्या किया जाता है?

- (क) जांच प्रारंभ की जाती है
- (ख) FIR दर्ज की जाती है
- (ग) गवाहों को समन भेजा जाता है
- (घ) अभियोजन अधिकारी को सूचित किया जाता है

634. मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की नियुक्ति CrPC की किस धारा के अंतर्गत की जाती है?

- (क) धारा 11
- (ख) धारा 12
- (ग) धारा 13
- (घ) धारा 14

635. CrPC की धारा 206 किस विषय से संबंधित है?

- (क) छोटे अपराधों के निपटान में आरोपी को अदालत में उपस्थित हुए बिना दंड राशि जमा करने की सुविधा
- (ख) गवाहों का परीक्षण
- (ग) अपील की प्रक्रिया

(घ) जमानत का प्रावधान

636. FIR दर्ज करने की प्रक्रिया और उससे संबंधित निर्देश CrPC की किस धारा में दिए गए हैं?

(क) धारा 154

(ख) धारा 155

(ग) धारा 156

(घ) धारा 157

637. CrPC की वह कौन-सी धारा है जिसमें किसी अपराध के लिए संज्ञान (Cognizance) लेने की अधिकतम समय-सीमा का प्रावधान है?

(क) धारा 468

(ख) धारा 472

(ग) धारा 473

(घ) धारा 470

638. पुलिस को जब किसी अपराध की सूचना प्राप्त होती है, तो वह CrPC की किस धारा के अंतर्गत त्वरित कार्रवाई करने के लिए बाध्य होती है?

(क) धारा 154

(ख) धारा 155

(ग) धारा 156

(घ) धारा 157

639. FIR की जांच पूरी होने के बाद पुलिस किस प्रकार की रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत करती है?

- (क) केस डायरी
- (ख) धारा 173 के तहत अंतिम रिपोर्ट
- (ग) गिरफ्तारी रिपोर्ट
- (घ) अभियुक्त विवरण

640. CrPC की धारा 156(3) का प्रयोग किस उद्देश्य से किया जाता है?

- (क) मजिस्ट्रेट द्वारा पुलिस को जांच का निर्देश देने के लिए
- (ख) जमानत याचिका दायर करने के लिए
- (ग) गिरफ्तारी आदेश जारी करने के लिए
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

641. CrPC की किस धारा में पुलिस थाना के भारसाधक अधिकारी को विवेचना (Investigation) करने का अधिकार दिया गया है?

- (क) धारा 156
- (ख) धारा 157
- (ग) धारा 154
- (घ) धारा 161

642. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 154 के अंतर्गत FIR दर्ज करने का दायित्व किस पर है?

- (क) मजिस्ट्रेट
- (ख) पुलिस अधिकारी
- (ग) न्यायाधीश
- (घ) अभियोजन अधिकारी

643. CrPC की धारा 437 के अनुसार जमानत कब नहीं दी जा सकती?

- (क) यदि अपराध मृत्युदंड या आजीवन कारावास से दंडनीय हो
- (ख) यदि अभियुक्त नाबालिग हो
- (ग) यदि कोई गवाह न हो
- (घ) यदि मामला सिविल हो

644. CrPC की धारा 50 क्या निर्देश देती है?

- (क) गिरफ्तारी के कारण व आधार और जमानत के अधिकार की जानकारी देने सम्बन्धी
- (ख) FIR दर्ज करने सम्बन्धी
- (ग) न्यायालय में पेश करने सम्बन्धी
- (घ) गवाह बुलाने सम्बन्धी

645. FIR का पूर्ण रूप क्या है?

- (क) First Investigation Report
- (ख) First Information Report
- (ग) Final Inquiry Report
- (घ) Final Investigation Record

646. CrPC की धारा 2(h) में कानूनी रूप से क्या परिभाषित करती है?

- (क) गिरफ्तारी
- (ख) अन्वेषण (Investigation)
- (ग) संज्ञान लेना
- (घ) अभियोजन

647. CrPC की धारा 436A किस विषय से संबंधित है?

- (क) विचाराधीन कैदी की अधिकतम हिरासत
- (ख) जमानत
- (ग) अपील
- (घ) FIR संशोधन

648. CrPC की धारा 164A का प्रयोग किस मामले में होता है?

- (क) बलात्कार पीड़िता की चिकित्सकीय जांच
- (ख) FIR दर्ज करना
- (ग) साक्ष्य संग्रह
- (घ) गवाहों का समन

649. CrPC के अन्तर्गत FIR की कॉपी शिकायतकर्ता को देना किसकी जिम्मेदारी है?

- (क) पुलिस अधिकारी
- (ख) न्यायालय

- (ग) अभियोजन अधिकारी
- (घ) मजिस्ट्रेट

650. यदि किसी सार्वजनिक मार्ग या स्थान पर बाधा उत्पन्न होती है, तो मजिस्ट्रेट किस धारा के अंतर्गत आदेश जारी कर सकता है?

- (क) धारा 133 CrPC
- (ख) धारा 133 IPC
- (ग) धारा 145 CrPC
- (घ) धारा 146 CrPC

651. FIR दर्ज करने के पश्चात पुलिस अन्तिम रिपोर्ट माननीय न्यायालय में निम्न में से किस धारा के अंतर्गत दी जाती है?

- (क) धारा 173CrPC
- (ख) धारा 170 CrPC
- (ग) धारा 167 CrPC
- (घ) धारा 154IPC

652. CrPC की धारा 61 के अंतर्गत मजिस्ट्रेट द्वारा क्या जारी किया जाता है?

- (क) समन
- (ख) गिरफ्तारी वारंट
- (ग) कुर्की आदेश
- (घ) अन्तिम रिपोर्ट

653. CrPC की धारा 172 में किस बात का प्रावधान है?

- (क) पुलिस केस डायरी रखने का
- (ख) चार्जशीट दाखिल करने का
- (ग) आरोपी को न्यायालय में पेश करने का
- (घ) पंचनामा तैयार करने का

654. FIR दर्ज करने से इन्कार की स्थिति में व्यक्ति किस धारा के अंतर्गत वरिष्ठ अधिकारी को आवेदन दे सकता है?

- (क) धारा 154(3) CrPC
- (ख) धारा 155
- (ग) धारा 173
- (घ) धारा 210

655. CrPC की किस धारा के तहत मजिस्ट्रेट के आदेश के बिना पुलिस गैर-संज्ञेय अपराधों की जांच नहीं कर सकती?

- (क) धारा 155(2)
- (ख) धारा 154
- (ग) धारा 157
- (घ) धारा 190

656. FIR के प्रारूप में निम्न में से कौन-सी जानकारी अनिवार्य है?

- (क) अपराध का विवरण
- (ख) आरोपी का नाम
- (ग) समय व स्थान
- (घ) उपरोक्त सभी

657. CrPC की धारा 41A किस उद्देश्य से नोटिस जारी करने से संबंधित है?

- (क) गिरफ्तारी से पूर्व उपस्थिति हेतु
- (ख) FIR की प्रतिलिपि देने हेतु
- (ग) अग्रिम जमानत हेतु
- (घ) सजा सुनाने हेतु

658. CrPC की धारा 164 का संबंध किससे है?

- (क) न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष आरोपी की स्वीकृति या गवाह का ब्यान दर्ज करना
- (ख) जमानत प्रक्रिया
- (ग) समन जारी करना
- (घ) गिरफ्तारी

659. CrPC की कौन-सी धारा गवाह के न्यायालय में उपस्थित न होने पर उसके बंधपत्र को ज़ब्त करने का प्रावधान देती है?

- (क) धारा 446 CrPC
- (ख) धारा 271 CrPC
- (ग) धारा 278 CrPC

(घ) धारा 273 CrPC

660. FIR के मौखिक रूप में दिए गए विवरण को लिखित रूप में दर्ज करने का प्रावधान CrPC की किस धारा में है?

(क) धारा 154 CrPC

(ख) धारा 161 CrPC

(ग) धारा 162 CrPC

(घ) धारा 157 CrPC

661. CrPC की धारा 313 के अंतर्गत न्यायालय किस उद्देश्य से आरोपी से प्रश्न करता है?

(क) आरोपों पर उसका स्पष्टीकरण प्राप्त करने हेतु

(ख) गवाह बुलाने हेतु

(ग) न्यायिक समीक्षा हेतु

(घ) अपील की प्रक्रिया में

662. CrPC की किस धारा के तहत मजिस्ट्रेट संपत्ति कुर्क करने का आदेश जारी कर सकता है?

(क) धारा 83 CrPC

(ख) धारा 84 CrPC

(ग) धारा 85 CrPC

(घ) धारा 86 CrPC

663. CrPC की किस धारा के तहत पुलिस विवेचना के दौरान गवाह को पूछताछ हेतु समन भेज सकती है?

- (क) धारा 61
- (ख) धारा 62
- (ग) धारा 204
- (घ) धारा 160

664. CrPC की धारा 151 किस स्थिति से संबंधित है?

- (क) अपराध की आशंका पर गिरफ्तारी
- (ख) FIR की प्रक्रिया
- (ग) समन भेजना
- (घ) गवाह को लाना

665. CrPC की किस धारा के तहत मजिस्ट्रेट सार्वजनिक विवाद की स्थिति में संपत्ति की स्थिति को कुर्क (Attach) रखने का आदेश दे सकता है?

- (क) धारा 146 CrPC
- (ख) धारा 83 CrPC
- (ग) धारा 146 IPC
- (घ) धारा 133 CrPC

666. CrPC की धारा 132 किसकी सुरक्षा के लिए है?

- (क) सैन्य बल या पुलिस बल
- (ख) मजिस्ट्रेट
- (ग) अभियुक्त

(घ) पीड़ित

667. CrPC की धारा 156 के अनुसार पुलिस को किस प्रकार की शक्ति प्रदान की जाती है?

- (क) प्राथमिकी दर्ज करने की शक्ति
- (ख) अपराध स्थल का निरीक्षण
- (ग) विवेचना प्रारंभ करने की शक्ति
- (घ) गवाह को समन भेजना

668. CrPC की धारा 165 किससे संबंधित है?

- (क) अपील प्रक्रिया
- (ख) मजिस्ट्रेट द्वारा तलाशी आदेश
- (ग) गिरफ्तारी आदेश
- (घ) पुलिस अधिकारी द्वारा तलाशी लेने की शक्ति

669. FIR की प्रति शिकायतकर्ता को देने का प्रावधान CrPC की किस धारा में है?

- (क) धारा 154(4)
- (ख) धारा 154(1)
- (ग) धारा 161
- (घ) धारा 154(2)

670. CrPC की धारा 50A का उद्देश्य क्या है?

- (क) FIR की प्रतिलिपि देना
- (ख) समन जारी करना

- (ग) गिरफ्तारी की सूचना उसके परिजन या मित्र को देना
- (घ) जमानत की सूचना देना

671. CrPC की धारा 157 किस कार्यवाही से संबंधित है?

- (क) आरोपी को जमानत देना
- (ख) पुलिस को अपराध की सूचना मिलने पर विवेचना प्रारंभ करना
- (ग) चार्जशीट दाखिल करना
- (घ) मजिस्ट्रेट को रिपोर्ट भेजना

672. FIR दर्ज होने के बाद उसकी एक प्रति किसे दी जाती है?

- (क) शिकायतकर्ता को
- (ख) अभियुक्त को
- (ग) मजिस्ट्रेट को
- (घ) पुलिस महानिरीक्षक को

673. CrPC की धारा 2(d) में 'शिकायत' (Complaint) को किस रूप में परिभाषित किया गया है?

- (क) अपील
- (ख) FIR
- (ग) गवाही
- (घ) मजिस्ट्रेट के समक्ष मौखिक या लिखित आरोप

674. CrPC की धारा 144 के अंतर्गत मजिस्ट्रेट किस उद्देश्य से निषेधाज्ञा (Prohibitory Order) जारी कर सकता है?

- (क) सार्वजनिक शांति बनाए रखने हेतु
- (ख) भूमि विवाद सुलझाने हेतु
- (ग) संपत्ति कुर्क करने हेतु
- (घ) सामूहिक हिंसा को रोकने हेतु

675. CrPC की धारा 164A का संबंध किससे है?

- (क) बलात्कार पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण
- (ख) अभियुक्त के बयान की रिकॉर्डिंग
- (ग) पुलिस केस डायरी
- (घ) गवाह के न्यायालयीन परीक्षण

676. CrPC की धारा 202 के अंतर्गत मजिस्ट्रेट किससे जांच करवाने का आदेश दे सकता है?

- (क) स्वयं, पुलिस अधिकारी या किसी अन्य द्वारा
- (ख) अभियोजन अधिकारी द्वारा
- (ग) सत्र न्यायालय द्वारा
- (घ) किसी विशेष शाखा द्वारा

677. CrPC की धारा 174 का संबंध किस प्रकार की घटना से है?

- (क) अस्वाभाविक या संदिग्ध मृत्यु की जांच
- (ख) गिरफ्तारी की प्रक्रिया

- (ग) गवाह की समन प्रक्रिया
- (घ) प्राथमिकी का प्रारूप

678. CrPC की धारा 145 का प्रयोग किस स्थिति में किया जाता है?

- (क) भूमि या जल के स्वामित्व पर विवाद उत्पन्न होने पर
- (ख) FIR को निरस्त करने हेतु
- (ग) गवाह की सुरक्षा हेतु
- (घ) न्यायिक हिरासत के लिए

679. न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने का प्रावधान CrPC की किस धारा में है?

- (क) धारा 167 CrPC
- (ख) धारा 161 CrPC
- (ग) धारा 154 CrPC
- (घ) धारा 190 CrPC

680. CrPC की धारा 436A का संबंध किससे है?

- (क) विचाराधीन बंदी को अधिकतम हिरासत में रखने की अवधि
- (ख) FIR दर्ज करने से
- (ग) गवाही देने की प्रक्रिया
- (घ) समन जारी करने की शक्ति

681. CrPC की धारा 438 का प्रयोग किस प्रयोजन के लिए किया जाता है?

- (क) अग्रिम जमानत के लिए याचिका दाखिल करने हेतु
- (ख) गिरफ्तारी की प्रक्रिया में सहयोग हेतु
- (ग) संपत्ति कुर्क करने हेतु
- (घ) अपराध स्थल निरीक्षण हेतु

682. CrPC की धारा 154(3) का प्रयोग कब किया जाता है?

- (क) जब थाना प्राथमिकी दर्ज करने से इनकार करता है
- (ख) जब न्यायालय द्वारा समन जारी किया जाता है
- (ग) जब कोई गवाह उपस्थित नहीं होता
- (घ) जब आरोपी दोषी पाया जाता है

683. CrPC की धारा 2(w) में किस शब्द की परिभाषा दी गई है?

- (क) गिरफ्तारी(Arrest)
- (ख) प्राथमिकी (FIR)
- (ग) समन वाद (Summons-case)
- (घ) गवाह (Witness)

684. प्राथमिकी की जांच का कार्य किसके द्वारा किया जाता है?

- (क) अभियोजन अधिकारी
- (ख) न्यायाधीश

- (ग) मजिस्ट्रेट
- (घ) पुलिस अधिकारी

685. CrPC की धारा 167 के अंतर्गत मजिस्ट्रेट पुलिस रिमांड की अधिकतम कितने दिन की अनुमति दे सकता है?

- (क) 60 दिन
- (ख) 30 दिन
- (ग) 15 दिन
- (घ) 90 दिन

686. CrPC की धारा 91 किस विषय से संबंधित है?

- (क) जमानत की प्रक्रिया
- (ख) प्राथमिकी में संशोधन करना
- (ग) न्यायिक पुनरीक्षण
- (घ) दस्तावेज़ या वस्तु को प्रस्तुत करने हेतु समन

687. CrPC की किस धारा के अंतर्गत मजिस्ट्रेट थाना द्वारा FIR दर्ज करने से इनकार करने पर जांच का आदेश दे सकता है?

- (क) धारा 156(3)
- (ख) धारा 190
- (ग) धारा 200
- (घ) धारा 204

688. CrPC की धारा 167 के अनुसार, जब सजा 10 वर्ष से कम हो तो आरोपी को अधिकतम कितने दिन की हिरासत में रखा जा सकता है?

- (क) 45 दिन
- (ख) 30 दिन
- (ग) 60 दिन
- (घ) 90 दिन

689. CrPC की धारा 446 का प्रयोग किस स्थिति में किया जाता है?

- (क) FIR दर्ज करने पर
- (ख) समन वापस लेने हेतु
- (ग) बंधपत्र उल्लंघन पर कार्रवाई हेतु
- (घ) गिरफ्तारी से बचने हेतु

690. FIR दर्ज करने से संबंधित सुप्रीम कोर्ट का प्रमुख निर्णय कौन-सा है?

- (क) केशवानंद भारती बनाम भारत
- (ख) लालिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य
- (ग) मीनाक्षी बनाम दिल्ली पुलिस
- (घ) विशाखा बनाम राज्य

691. CrPC की धारा 441 किस विषय से संबंधित है?

- (क) बंधपत्र
- (ख) FIR

(ग) साक्ष्य

(घ) समन

692. CrPC की कौन-सी धारा FIR दर्ज करने की प्रक्रिया को नियंत्रित करती है?

(क) धारा 154 CrPC

(ख) धारा 161 CrPC

(ग) धारा 173 CrPC

(घ) धारा 197 CrPC

693. FIR का विधिक महत्व CrPC की किस धारा में निहित है?

(क) धारा 161

(ख) धारा 164

(ग) धारा 170

(घ) धारा 154

694. CrPC की धारा 173 के अनुसार अंतिम रिपोर्ट किसके समक्ष दायर की जाती है?

(क) अभियोजन अधिकारी

(ख) राज्य सरकार

(ग) मजिस्ट्रेट

(घ) अभियुक्त

695. मजिस्ट्रेट CrPC की किस धारा के अन्तर्गत किसी व्यक्ति को सदाचार के लिये बन्ध पत्र/ प्रतिभूति भरने का आदेश दे सकता है?

- (क) धारा 133
- (ख) धारा 144
- (ग) धारा 110
- (घ) धारा 151

696. CrPC की धारा 442 किस विषय से संबंधित है?

- (क) अभियोग
- (ख) समन
- (ग) FIR
- (घ) जमानतदारों के लिए शर्तें

697. CrPC की धारा 445 किससे संबंधित है?

- (क) गवाही
- (ख) नकद (धरोहर) जमानत
- (ग) FIR
- (घ) गिरफ्तारी

698. CrPC की किस धारा के तहत मजिस्ट्रेट किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी करता है?

- (क) धारा 71
- (ख) धारा 70
- (ग) धारा 73

(घ) धारा 72

699. CrPC की धारा 164 में बयान कौन दर्ज करता है?

- (क) अभियोजन अधिकारी
- (ख) न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (ग) कार्यपालक मजिस्ट्रेट
- (घ) पुलिस अधिकारी

700. CrPC की धारा 41B किस बारे में है?

- (क) अपील
- (ख) समन
- (ग) गिरफ्तारी की प्रक्रिया और गिरफ्तारी करने वाले का कर्तव्य
- (घ) FIR दर्ज करना

701. CrPC की धारा 110 किस परिस्थिति में लागू होती है?

- (क) समन जारी करना
- (ख) आदतन अपराधी पर निगरानी
- (ग) FIR संशोधन
- (घ) संपत्ति कुर्क

702. CrPC की धारा 2(b) में "चार्ज" (Charge) की परिभाषा किस पर बल देती है?

- (क) अभियुक्त द्वारा किया गया अपराध और उससे संबंधित न्यायिक प्रक्रिया
- (ख) आरोप का उल्लेख, विशेष रूप से जब एक से अधिक आरोप हों
- (ग) अपराध की गंभीरता के अनुसार आरोपों का वर्गीकरण
- (घ) अभियोजन द्वारा दी गई प्राथमिकी की सूची

703. CrPC की धारा 50 के अंतर्गत पुलिस अधिकारी को गिरफ्तारी करते समय क्या सुनिश्चित करना अनिवार्य है?

- (क) गिरफ्तार किये जाने वाले व्यक्ति को गिरफ्तारी के कारण व आधार और उसके अधिकारों की जानकारी देना
- (ख) FIR दर्ज करना
- (ग) गवाहों को समन जारी करना
- (घ) अपील दायर करना

704. यदि पुलिस अधिकारी CrPC की धारा 154 के अन्तर्गत संज्ञेय अपराध की सूचना प्राप्त होने पर FIR दर्ज करने से इन्कार करता है, तो उसे किस प्रावधान के अंतर्गत दंडित किया जा सकता है?

- (क) IPC की धारा 166A
- (ख) CrPC की धारा 154
- (ग) CrPC की धारा 482
- (घ) CrPC की धारा 125

705. CrPC की धारा 173(2) के अंतर्गत पुलिस रिपोर्ट किस विषय पर होती है?

- (क) विवेचना के उपरांत दायर की जाने वाली अंतिम रिपोर्ट का स्वरूप
- (ख) FIR की प्रक्रिया
- (ग) अपील का प्रारूप
- (घ) जमानत आदेश

706. CrPC की धारा 167(2) के अनुसार यदि निर्धारित समय में जांच पूर्ण नहीं होती, तो अभियुक्त को क्या अधिकार प्राप्त होता है?

- (क) डिफॉल्ट जमानत प्राप्त करने का
- (ख) दोषमुक्त घोषित होने का
- (ग) अपील दायर करने का
- (घ) FIR संशोधन करवाने का

707. CrPC की धारा 436 के अंतर्गत किन मामलों में जमानत अनिवार्य होती है?

- (क) गैर-जमानती अपराधों में
- (ख) जमानती अपराधों में
- (ग) संज्ञेय अपराधों में
- (घ) असंज्ञेय अपराधों में

708. CrPC की धारा 167 के अंतर्गत पुलिस व न्यायिक हिरासत की अधिकतम अवधि क्या हो सकती है?

- (क) 15 दिन
- (ख) 60 दिन या 90 दिन, अपराध की प्रकृति के आधार पर
- (ग) 30 दिन
- (घ) 45 दिन

709. CrPC की धारा 260 किस प्रक्रिया से संबंधित है?

- (क) जमानत (Bail)
- (ख) गिरफ्तारी (Arrest)
- (ग) संक्षिप्त विचारण (Summary Trial)
- (घ) अपील (Appeal)

710. CrPC की धारा 307 का मुख्य उद्देश्य क्या है?

- (क) FIR दर्ज करना
- (ख) समन जारी करना
- (ग) अपील की सुनवाई
- (घ) क्षमा दान करना

711. CrPC की धारा 91 के अनुसार, दस्तावेजों या वस्तुओं को प्रस्तुत करने हेतु किसके द्वारा समन जारी किया जा सकता है?

- (क) केवल पुलिस अधिकारी
- (ख) मजिस्ट्रेट या पुलिस थाना का भारसाधक अधिकारी

- (ग) अभियोजन अधिकारी
- (घ) केवल उच्च न्यायालय

712. CrPC की धारा 91 निम्न में किस स्थिति में लागू नहीं होती है?

- (क) जब दस्तावेज़ न्यायालय की दृष्टि में अप्रासंगिक हो
- (ख) जब गवाह की आवश्यकता हो
- (ग) जब गिरफ्तारी वारंट जारी करना हो
- (घ) जब अपील लंबित हो

713. CrPC की धारा 92 के अंतर्गत डाक या तार विभाग की सामग्री के परीक्षण की अनुमति कौन देता है?

- (क) मजिस्ट्रेट
- (ख) पुलिस निरीक्षक
- (ग) एसपी
- (घ) अभियोजन अधिकारी

714. CrPC की धारा 92 के अनुसार, कौन सी सामग्री जब्त की जा सकती है?

- (क) बैंक रिकॉर्ड
- (ख) टेलीग्राम या डाक से संबंधित दस्तावेज़
- (ग) न्यायिक निर्णय
- (घ) भूमि अभिलेख

715. CrPC की धारा 94 किस प्रकार के स्थानों की तलाशी से संबंधित है?

- (क) सार्वजनिक पार्क
- (ख) बंद स्थान जहां चोरी की संपत्ति, कुटरचित दस्तावेज या आपत्तिजनक सामग्री होने का संन्देह हो
- (ग) कोर्ट परिसर
- (घ) सरकारी कार्यालय

716. CrPC की धारा 98 के अंतर्गत निम्न किस परिस्थिति में तलाशी वारंट जारी किया जा सकता है?

- (क) चोरी की संपत्ति की बरामदगी हेतु
- (ख) किसी नाबालिग या मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति की अवैध हिरासत की शिकायत पर
- (ग) न्यायिक दस्तावेज़ की प्रतिलिपि हेतु
- (घ) उपरोक्त सभी

717. CrPC की धारा 100 के अंतर्गत तलाशी के समय कौन व्यक्ति अनिवार्य रूप से उपस्थित होना चाहिए?

- (क) थाने का प्रभारी
- (ख) न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (ग) दो स्वतंत्र गवाह या मोहतवर व्यक्ति
- (घ) अभियोजन अधिकारी

718. CrPC की धारा 101 किस बारे में है?

- (क) तलाशी के दौरान प्राप्त वस्तु को न्यायालय में प्रस्तुत करने की प्रक्रिया
- (ख) अभियुक्त की गिरफ्तारी
- (ग) FIR दर्ज करने की प्रक्रिया
- (घ) समन की तामीली

719. CrPC की धारा 100 में तलाशी के समय किसी महिला की तलाशी से संबंधित क्या प्रावधान है?

- (क) महिला की तलाशी महिला अधिकारी द्वारा ही ली जाएगी
- (ख) कोई विशेष प्रावधान नहीं है
- (ग) केवल मजिस्ट्रेट तलाशी ले सकता है
- (घ) पुरुष अधिकारी ही तलाशी ले सकता है

720. CrPC की धारा 41A का मुख्य उद्देश्य क्या है?

- (क) संदिग्ध/ नामजद को नोटिस द्वारा थाने में बुलाना
- (ख) मजिस्ट्रेट के आदेश से गिरफ्तारी
- (ग) अपील प्रक्रिया
- (घ) न्यायालय में समन

721. CrPC की धारा 2(n) में 'अपराध (Offence)' की परिभाषा किस पर आधारित होती है?

- (क) केवल भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत दंडनीय कार्य
- (ख) केवल विशेष अधिनियमों के अधीन अपराध
- (ग) ऐसा कार्य जो किसी विधि के अंतर्गत दंडनीय है

(घ) केवल संज्ञेय अपराधों की सूची

722. CrPC की धारा 73 के अंतर्गत गिरफ्तारी वारंट निम्न में कौन जारी कर सकता है?

(क) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट

(ख) वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक

(ग) अभियोजन अधिकारी

(घ) जिला कलक्टर

723. CrPC की धारा 173(5) का प्रावधान किस विषय से संबंधित है?

(क) FIR की प्रति देना

(ख) दोषमुक्ति आदेश

(ग) अपील प्रक्रिया

(घ) अंतिम रिपोर्ट के साथ दस्तावेजों की प्रतियाँ संलग्न करना

724. CrPC की धारा 438(1) के अनुसार अग्रिम जमानत किसे प्राप्त हो सकती है?

(क) अभियुक्त जिसे दोषी ठहराया गया हो

(ख) गिरफ्तारी की आशंका वाले व्यक्ति को

(ग) गवाह को

(घ) पीड़ित पक्ष को

725. धारा 300(1) CrPC का आशय क्या है?

- (क) दोबारा समन भेजने का प्रावधान
- (ख) एक ही अपराध के लिए दोबारा मुकदमा नहीं चलाया जा सकता
- (ग) FIR की पुनरावृत्ति
- (घ) गवाह की पहचान

726. CrPC की धारा 202(1) के अंतर्गत मजिस्ट्रेट किसे जांच करने का आदेश दे सकता है?

- (क) पीड़ित पक्ष को
- (ख) पुलिस अधिकारी या किसी अन्य व्यक्ति को
- (ग) न्यायाधीश को
- (घ) अभियुक्त को

727. CrPC की धारा 300 के अनुसार, निम्न किन परिस्थितियों में किसी व्यक्ति पर दोबारा उसी अपराध के लिए मुकदमा नहीं चलाया जा सकता?

- (क) जब उसे पहले से दोषमुक्त किया गया हो
- (ख) जब मामला न्यायालय में स्थानांतरित हो
- (ग) जब उच्च न्यायालय ने FIR खारिज की हो
- (घ) जब पीड़ित ने समझौता कर लिया हो

728. CrPC की धारा 307 के अनुसार माफी देने की अनुमति किस स्तर पर दी जाती है?

- (क) केवल न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा
- (ख) मुकदमे की प्रक्रिया के दौरान

- (ग) सत्र न्यायालय में विचारण शुरू होने के बाद
- (घ) प्रारंभिक जांच के दौरान

729. CrPC की धारा 320 के अनुसार निम्न में से किस अपराध में समझौता नहीं किया जा सकता?

- (क) मानहानि
- (ख) धमकी देना
- (ग) हत्या
- (घ) अपमान करना

730. CrPC की धारा 321 के अंतर्गत लोक अभियोजक अभियोजन को समाप्त करने के लिए क्या कर सकता है?

- (क) मजिस्ट्रेट की अनुमति लेकर अभियोजन वापिस ले सकता है
- (ख) अपराध की गंभीरता के अनुसार फैसला ले सकता है
- (ग) बिना अनुमति सीधे केस बंद कर सकता है
- (घ) सिर्फ उच्च न्यायालय से निर्देश लेकर कार्यवाही रोक सकता है

731. CrPC की धारा 437 के तहत मजिस्ट्रेट किस स्थिति में जमानत देने से इनकार करेगा?

- (क) जब आरोपी अदालत में उपस्थित हो
- (ख) जब अपराध गैर-संज्ञेय हो
- (ग) जब साक्ष्य कमजोर हो

(घ) जब अपराध आजीवन कारावास से दंडनीय हो

732. CrPC की धारा 439 के अंतर्गत जमानत रद्द करने का अधिकार किस न्यायालय को है?

(क) उच्च न्यायालय और सत्र न्यायालय

(ख) सिर्फ उच्चतम न्यायालय

(ग) केवल मजिस्ट्रेट

(घ) कोई भी न्यायालय

733. CrPC की धारा 440 का उद्देश्य क्या है?

(क) जमानत अस्वीकार करना

(ख) सरकारी कर्मचारी को विशेष अधिकार देना

(ग) जमानत राशि यथासंभव न्यूनतम और न्यायसंगत रखना

(घ) जमानत की समीक्षा करना

734. CrPC की धारा 451 किस प्रकार की संपत्ति पर लागू होती है?

(क) विवेचना के दौरान जब्त संपत्ति

(ख) न्यायालय द्वारा दान की गई संपत्ति

(ग) खोई हुई संपत्ति

(घ) अपराध से अर्जित संपत्ति

735. CrPC की धारा 459 के अनुसार जब्त की गई संपत्ति का क्या किया जा सकता है?

- (क) अभियुक्त को लौटाई जा सकती है
- (ख) उसे नष्ट किया जा सकता है
- (ग) उसे सरकारी खजाने में जमा किया जा सकता है
- (घ) उसे न्यायालय के आदेशानुसार नीलाम किया जा सकता है

736. CrPC की धारा 468 किस प्रकार की सीमा का निर्धारण करती है?

- (क) अपील दायर करने की सीमा
- (ख) पुनरीक्षण की सीमा
- (ग) अभियोजन की समय-सीमा
- (घ) सजा की अवधि

737. CrPC की धारा 436A किससे संबंधित है?

- (क) विचाराधीन बंदियों की अधिकतम हिरासत अवधि
- (ख) अग्रिम जमानत
- (ग) गिरफ्तारी की वैधता
- (घ) दोष सिद्धि

738. CrPC की धारा 6 के अनुसार अधीनस्थ न्यायालयों की कौन-सी श्रेणियाँ होती हैं?

- (क) सत्र न्यायालय, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम और द्वितीय श्रेणी
- (ख) उच्च न्यायालय, जिला न्यायालय, लोक अदालत
- (ग) सिविल न्यायालय, राजस्व न्यायालय

(घ) विशेष न्यायालय, अभियोजन न्यायालय

739. CrPC की धारा 441 का मुख्य उद्देश्य क्या है?

(क) मजिस्ट्रेट के अधिकार सीमित करना

(ख) संपत्ति की जब्ती का आदेश देना

(ग) अभियुक्त की न्यायालय में उपस्थिति सुनिश्चित करना

(घ) अपील की प्रक्रिया तय करना

740. CrPC की धारा 443 के अंतर्गत न्यायालय को क्या अधिकार प्राप्त होता है?

(क) बंधपत्र की शर्तों में संशोधन करने का

(ख) गिरफ्तारी वारंट जारी करने का

(ग) अपील को निरस्त करने का

(घ) संपत्ति कुर्क करने का

741. CrPC की धारा 447 का उपयोग कब किया जाता है?

(क) अभियुक्त के अनुपस्थित रहने पर

(ख) बंधपत्र रद्द होने की स्थिति में

(ग) नए जमानती की व्यवस्था के लिए

(घ) संपत्ति जब्ती के आदेश हेतु

742. CrPC की धारा 448 किस विषय से जुड़ी है?

(क) मजिस्ट्रेट को FIR भेजना

(ख) नबालिग के स्थान पर जमानत देने की स्वीकृति

- (ग) गवाहों के समन
- (घ) गिरफ्तारी का रिकॉर्ड

743. CrPC की धारा 450 के अंतर्गत कौन-से अधिकार दिए गए हैं?

- (क) पुलिस को तलाशी का आदेश देना
- (ख) अधीनस्थ मजिस्ट्रेट के संपत्ति संबंधी आदेशों की समीक्षा
- (ग) उच्च न्यायालय में अपील दायर करना
- (घ) आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजना

744. CrPC की धारा 157 के अंतर्गत पुलिस का प्रमुख कर्तव्य क्या होता है?

- (क) आरोपी को तुरंत रिहा करना
- (ख) मजिस्ट्रेट को सूचना देना और प्राथमिक जांच प्रारंभ करना
- (ग) न्यायालय में गवाही प्रस्तुत करना
- (घ) अपील दायर करना

745. धारा 160 CrPC के अनुसार पुलिस किसे जांच में पूछताछ के लिए बुला सकती है?

- (क) केवल सरकारी अधिकारी को
- (ख) केवल न्यायिक अधिकारी को
- (ग) किसी भी ऐसे व्यक्ति को जिसकी जानकारी जांच में सहायक हो

(घ) आरोपी को बलपूर्वक

746. CrPC की धारा 161 के तहत पुलिस द्वारा कौन-सी प्रक्रिया अपनाई जाती है?

(क) मौखिक बयान दर्ज करना

(ख) आरोप तय करना

(ग) मजिस्ट्रेट द्वारा गवाही लेना

(घ) अभियोजन पक्ष से पूछताछ

747. धारा 162 CrPC में पुलिस द्वारा लिए गए बयानों की वैधता किस रूप में होती है?

(क) न्यायालय में पूर्ण साक्ष्य के रूप में

(ख) केवल पुलिस जांच में प्रयुक्त होने हेतु

(ग) अपील दायर करने हेतु

(घ) अंतिम निर्णय देने हेतु

748. CrPC की धारा 164 का उद्देश्य क्या है?

(क) मजिस्ट्रेट द्वारा आरोप तय करना

(ख) मजिस्ट्रेट द्वारा स्वैच्छिक बयान या स्वीकारोक्ति लेना

(ग) FIR को निरस्त करना

(घ) गवाहों की सुरक्षा का प्रावधान

749. CrPC की धारा 167 का प्रयोग कब किया जाता है?

(क) जब अन्वेषण 24 घंटे के भीतर पूरी न हो सके

(ख) जब गिरफ्तारी अवैध हो

- (ग) जब अभियुक्त फरार हो
- (घ) जब आरोपी दोषी सिद्ध हो

750. CrPC की धारा 172 का प्रावधान किस बारे में है?

- (क) आरोपी को समन देना
- (ख) पुलिस केस डायरी का लेखा-जोखा रखना
- (ग) गवाहों की सूची बनाना
- (घ) अपराध का वर्गीकरण करना

751. धारा 173 CrPC के तहत पुलिस को क्या करना आवश्यक है?

- (क) आरोपी को सजा देना
- (ख) जांच पूर्ण होने पर अंतिम रिपोर्ट मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करना
- (ग) अपराधी को गिरफ्तार करना
- (घ) गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करना

752. CrPC की धारा 174 किन परिस्थितियों में लागू होती है?

- (क) गंभीर चोरी की घटना पर
- (ख) आत्महत्या या संदेहास्पद मृत्यु की प्रारंभिक जांच हेतु
- (ग) भूमि विवाद के मामलों में
- (घ) गिरफ्तारी में लापरवाही के मामलों में

753. CrPC की धारा 176 का उद्देश्य क्या है?

- (क) अपील की समीक्षा
- (ख) मजिस्ट्रेट द्वारा मृत्यु की न्यायिक जांच करना
- (ग) गवाहों की पुनरावृत्ति
- (घ) सजा निर्धारण

754. CrPC की धारा 202 में मजिस्ट्रेट को क्या अधिकार दिया गया है?

- (क) अभियुक्त को तलब करने से पूर्व जांच या गवाहों की जांच का आदेश देना
- (ख) गिरफ्तारी वारंट जारी करना
- (ग) अभियोजन को समाप्त करना
- (घ) अपील का निपटारा करना

755. CrPC की धारा 206 किस प्रकार के मामलों में Summons भेजे जाने की अनुमति देती है?

- (क) सभी संज्ञेय अपराधों में
- (ख) तुच्छ मामलों के निपटान हेतू
- (ग) केवल गंभीर अपराधों में
- (घ) केवल राज्य अपराधों में

756. धारा 161 CrPC के तहत दिए गए पुलिस बयान की क्या वैधानिक स्थिति होती है?

- (क) इसे पूर्ण साक्ष्य के रूप में प्रयोग किया जा सकता है
- (ख) केवल अभियोजन पक्ष ही इसका उपयोग कर सकता है
- (ग) यह आरोपी की स्वीकृति पर आधारित होता है

(घ) यह साक्ष्य नहीं है, परंतु गवाह के कथन में विरोधाभास दिखाने हेतु प्रयुक्त किया जा सकता है

757. धारा 174 CrPC में पुलिस को किन परिस्थितियों में अनिवार्य रूप से जांच करनी होती है?

- (क) जब संपत्ति को नुकसान पहुंचा हो
- (ख) किसी व्यक्ति की अप्राकृतिक या आत्महत्या की स्थिति में
- (ग) किसी संज्ञेय अपराध के होने पर
- (घ) चोरी या डकैती की सूचना मिलने पर

758. धारा 167 CrPC के अनुसार, जब किसी अपराध की सजा 10 वर्षों से कम है, तब पुलिस/न्यायिक हिरासत की अधिकतम अवधि क्या होती है?

- (क) 15 दिन
- (ख) 30 दिन
- (ग) 60 दिन
- (घ) 90 दिन

759. CrPC की धारा 173(2) के अंतर्गत पुलिस की अंतिम रिपोर्ट में कौन-सी जानकारी अनिवार्य रूप से सम्मिलित होनी चाहिए?

- (क) अपराध घटित होने का समय
- (ख) न्यायालय का नाम
- (ग) यह कि अपराध घटित हुआ है या नहीं

(घ) सभी गवाहों के हस्ताक्षर

760. CrPC की धारा 155 के तहत पुलिस गैर-संज्ञेय अपराध की जांच कब कर सकती है?

(क) मजिस्ट्रेट की पूर्व अनुमति प्राप्त होने पर

(ख) जब अपराध बहुत गंभीर हो

(ग) जब अभियुक्त स्वयं उपस्थित हो

(घ) जब शिकायतकर्ता सहमत हो

761. धारा 160 CrPC के अनुसार, पुलिस पूछताछ के लिए निम्न किन व्यक्तियों को नहीं बुला सकती?

(क) 25 वर्ष से कम आयु का युवक

(ख) 58 वर्ष से अधिक आयु का पुरुष

(ग) 15 वर्ष से कम उम्र का बालक या स्त्री

(घ) कोई भी सरकारी कर्मचारी

762. CrPC की धारा 202 का मुख्य उद्देश्य क्या है?

(क) तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित करना

(ख) यह तय करना कि अभियुक्त को समन भेजने का पर्याप्त आधार है या नहीं

(ग) न्यायालय का अधिकार क्षेत्र निर्धारित करना

(घ) अपील की प्रक्रिया शुरू करना

763. धारा 206 CrPC के अंतर्गत मजिस्ट्रेट अभियुक्त को कौन-सी सुविधा दे सकता है?

- (क) बिना गिरफ्तारी के सुनवाई
- (ख) समन भेजे गए मामलों में जुर्माना भरकर व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट
- (ग) मुकदमे की त्वरित सुनवाई
- (घ) आरोप से मुक्त करने का अधिकार

764. CrPC की धारा 176 के तहत मजिस्ट्रेट द्वारा न्यायिक जांच कब अनिवार्य हो जाती है?

- (क) जब व्यक्ति न्यायिक हिरासत में आत्महत्या कर ले
- (ख) जब संज्ञेय अपराध हो
- (ग) जब संपत्ति का नुकसान हो
- (घ) जब अभियुक्त को पुलिस द्वारा जमानत मिल चुकी हो

765. धारा 160 CrPC के अनुसार, पुलिस निम्न में किन व्यक्तियों को पूछताछ के लिए उपस्थित होने का आदेश नहीं दे सकती है?

- (क) 25 वर्ष से कम आयु का युवक
- (ख) 65 वर्ष से अधिक आयु का पुरुष
- (ग) 18 वर्ष की आयु का बालक या कोई भी स्त्री
- (घ) कोई भी सरकारी अधिकारी

766. CrPC की धारा 164 के अंतर्गत दिया गया अभियुक्त का स्वीकारोक्ति ब्यान कब वैध माना जाता है?

- (क) यदि वह पुलिस अधिकारी के समक्ष दिया गया हो
- (ख) यदि किसी भी अधिकारी के समक्ष हो
- (ग) यदि मजिस्ट्रेट के समक्ष स्वेच्छा से दिया गया हो
- (घ) यदि केवल उच्च न्यायालय के निर्देश से लिया गया हो

767. CrPC की धारा 154 के अंतर्गत यदि पुलिस प्राथमिकी दर्ज करने से इनकार कर दे, तो पीड़ित को क्या उपाय करना चाहिए?

- (क) लोकपाल के पास शिकायत दर्ज कराना
- (ख) मजिस्ट्रेट के समक्ष रिपोर्ट करना
- (ग) पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत देना
- (घ) अभियोजन अधिकारी को सूचना देना

768. CrPC की धारा 151 के अनुसार, पुलिस बिना मजिस्ट्रेट की अनुमति के किसी व्यक्ति को अधिकतम कितने समय तक हिरासत में रख सकती है?

- (क) 12 घंटे
- (ख) 24 घंटे
- (ग) 48 घंटे
- (घ) 72 घंटे

769. CrPC की धारा 149 के अनुसार, अपराध को रोकने की जिम्मेदारी किसकी होती है?

- (क) अभियोजन पक्ष की

- (ख) पुलिस अधिकारी की
- (ग) न्यायालय की
- (घ) आरोपी की

770. CrPC की धारा 91 के अंतर्गत न्यायालय किस उद्देश्य से समन या वारंट जारी कर सकता है?

- (क) अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए
- (ख) किसी दस्तावेज़ या वस्तु की प्रस्तुति के लिए
- (ग) गवाह को बुलाने के लिए
- (घ) मजिस्ट्रेट के स्थानांतरण हेतु

771. CrPC की धारा 92 का प्रयोग किस स्थिति में किया जाता है?

- (क) किसी गवाह का बयान लेने हेतु
- (ख) पत्र, टेलीग्राम या इलेक्ट्रॉनिक रिकार्ड की जांच के लिए
- (ग) संपत्ति ज़ब्ती के लिए
- (घ) सजा निर्धारित करने के लिए

772. CrPC की धारा 94 के अंतर्गत कौन अधिकारी ऐसे स्थान से दस्तावेज़ या वस्तु को बरामद करने के लिए आदेश जारी कर सकता है जहाँ कुछ अवैध रूप से छिपाया गया हो?

- (क) केवल उच्च न्यायालय
- (ख) पुलिस अधीक्षक
- (ग) मजिस्ट्रेट

(घ) अभियोजन अधिकारी

773. CrPC की धारा 97 का उपयोग किस उद्देश्य से किया जाता है?

- (क) वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए
- (ख) झूठी रिपोर्ट पर कार्रवाई हेतु
- (ग) ऐसे व्यक्ति को मुक्त कराने हेतु जो अवैध रूप से हिरासत में लिया गया हो
- (घ) मुआवजा आदेश जारी करने हेतु

774. CrPC की धारा 98 कब लागू होती है?

- (क) जब कोई महिला या बच्चा अवैध रूप से रोका गया हो
- (ख) जब अभियुक्त फरार हो
- (ग) जब संपत्ति चोरी हो जाए
- (घ) जब मजिस्ट्रेट अनुपस्थित हो

775. CrPC की धारा 100 के अनुसार तलाशी के समय किन व्यक्तियों की उपस्थिति आवश्यक होती है?

- (क) पीड़ित व्यक्ति
- (ख) पुलिस अधीक्षक
- (ग) दो स्वतंत्र और सम्मानित व्यक्ति
- (घ) न्यायिक मजिस्ट्रेट

776. CrPC की धारा 101 किस प्रकार की तलाशी प्रक्रिया को नियंत्रित करती है?

- (क) सभी प्रकार की तलाशी
- (ख) केवल पुलिस स्टेशन की तलाशी
- (ग) ऐसी जगह की तलाशी जो मजिस्ट्रेट के क्षेत्राधिकार से बाहर हो
- (घ) उच्च न्यायालय के परिसरों की तलाशी

777. CrPC की धारा 102 के अंतर्गत पुलिस अधिकारी किन वस्तुओं को जब्त कर सकता है?

- (क) अपराध के संदेह पर किसी भी संपत्ति को
- (ख) केवल दस्तावेजों को
- (ग) मजिस्ट्रेट की अनुमति मिलने पर ही
- (घ) केवल आरोपी के बयान पर

778. CrPC की धारा 107 किस परिस्थिति से संबंधित है?

- (क) झूठी गवाही की रोकथाम
- (ख) सार्वजनिक शांति बनाए रखने हेतु बंधपत्र लेने की प्रक्रिया
- (ग) तलाशी वारंट जारी करने की प्रक्रिया
- (घ) दस्तावेजों की जब्ती

779. CrPC की धारा 109 का प्रयोग किस स्थिति में किया जाता है?

- (क) सन्देहजनक व्यक्तियों से नेकचलनी के सम्बन्ध में
- (ख) जब अभियुक्त न्यायालय में माफी चाहता हो
- (ग) जब पुलिस को बयान लेना हो

(घ) जब संपत्ति ज़ब्त करनी हो

780. CrPC की धारा 110 किस वर्ग के व्यक्तियों पर लागू होती है?

(क) सरकारी अधिकारी

(ख) ऐसे व्यक्ति जिन पर पूर्व में सजा हो चुकी हो या जो आदतन अपराधी हों

(ग) गवाह

(घ) पीड़ित

781. CrPC की धारा 92 के अंतर्गत संप्रेषण (communication) जैसे डाक, टेलीग्राम या ईमेल की जांच का आदेश कौन जारी कर सकता है?

(क) केवल पुलिस अधिकारी

(ख) मजिस्ट्रेट या पुलिस अधीक्षक

(ग) अभियोजन पक्ष

(घ) जिला कलेक्टर

782. CrPC की धारा 97 के अनुसार मजिस्ट्रेट द्वारा तलाशी वारंट जारी करने पर किसे मुक्त किया जा सकता है?

(क) वांछित अभियुक्त

(ख) अवैध रूप से हिरासत में लिए गए व्यक्ति

(ग) गवाह

(घ) संपत्ति का संरक्षक

783. CrPC की धारा 100 के अंतर्गत यदि तलाशी के समय गवाह उपस्थित न हो तो क्या किया जाना चाहिए?

- (क) तलाशी रद्द कर दी जाएगी
- (ख) मजिस्ट्रेट से विशेष अनुमति ली जाएगी
- (ग) कारण लिखित रूप में दर्ज कर तलाशी जारी रखी जाएगी
- (घ) पुलिस गवाह के रूप में कार्य करेगी

784. CrPC की धारा 109 के अंतर्गत मजिस्ट्रेट किस प्रकार की गारंटी अभियुक्त से ले सकता है?

- (क) जमानत राशि
- (ख) भविष्य में अपराध न करने हेतु बंधपत्र (सन्देहजनक व्यक्तियों से)
- (ग) FIR की प्रति
- (घ) गिरफ्तारी का कारण

785. CrPC की धारा 102 के अंतर्गत पुलिस अधिकारी किन संपत्तियों को ज़ब्त कर सकता है?

- (क) केवल वे संपत्तियाँ जो किसी अपराध से संबंधित हों
- (ख) आरोपी के पूरे घर की सारी संपत्ति
- (ग) मजिस्ट्रेट की व्यक्तिगत संपत्ति
- (घ) अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज़

786. CrPC की धारा 107 का उपयोग कब किया जाता है?

- (क) जब आरोपी पूर्व में दोषी हो
- (ख) जब लोक शांति भंग होने की संभावना हो
- (ग) जब जमानत की शर्तों का उल्लंघन हो
- (घ) जब प्राथमिकी दर्ज न हो

787. CrPC की धारा 109 किन व्यक्तियों के विरुद्ध लागू की जाती है?

- (क) आरोपी के मित्रों पर
- (ख) ऐसे व्यक्तियों पर जो संदेहास्पद अवस्था में पाए जाएँ और जिनके पास वैध आजीविका न हो
- (ग) मजिस्ट्रेट के आदेश की अवहेलना करने वालों पर
- (घ) सरकारी सेवकों पर

788. CrPC की धारा 110 का प्रयोग किन व्यक्तियों पर निगरानी हेतु किया जाता है?

- (क) सरकारी गवाहों पर
- (ख) आदतन अपराधियों और समाज में उपद्रव फैलाने वाले शरारती तत्वों पर
- (ग) पुलिस अधिकारियों पर
- (घ) प्राथमिकी दर्ज कराने वाले व्यक्तियों पर

789. CrPC की धारा 97 के अंतर्गत मजिस्ट्रेट किस प्रकार का आदेश जारी कर सकता है?

- (क) गिरफ्तारी वारंट

- (ख) तलाशी वारंट – किसी ऐसे व्यक्ति को मुक्त कराने के लिए जिसे अवैध रूप से हिरासत में लिया गया हो
- (ग) निष्कासन आदेश
- (घ) गवाह को समन करने का आदेश

790. दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 98 CrPC के अंतर्गत यदि कोई महिला या बच्चा अवैध रूप से किसी के संरक्षण में पाया जाता है, तो उसे किसके पास सौंपा जाता है?

- (क) उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को
- (ख) मजिस्ट्रेट को, ताकि वह उसे उपयुक्त संरक्षक को सौंप सके
- (ग) संबंधित पुलिस अधिकारी को
- (घ) मूल शिकायतकर्ता को

791. CrPC की धारा 100 के अनुसार यदि तलाशी के दौरान किसी बंद या अनदेखे स्थान को खोला जाता है, तो उस कार्यवाही पर किन व्यक्तियों के हस्ताक्षर अनिवार्य होते हैं?

- (क) मजिस्ट्रेट के
- (ख) दो स्वतंत्र एवं सम्मानित गवाहों के
- (ग) आरोपी के
- (घ) अभियोजन अधिकारी के

792. CrPC की धारा 101 के अंतर्गत जब कोई वस्तु या संपत्ति तलाशी के दौरान जब्त की जाती है, तो उसे किसके समक्ष प्रस्तुत किया जाता है?

- (क) संबंधित थाना प्रभारी के समक्ष
- (ख) स्थानीय गवाहों के समक्ष
- (ग) उस क्षेत्र के अधिकारप्राप्त मजिस्ट्रेट के समक्ष
- (घ) शिकायतकर्ता या वादी के समक्ष

793. CrPC की धारा 102 के अनुसार जब पुलिस अधिकारी किसी संपत्ति को ज़ब्त करता है, तो उसे इस संबंध में सूचना कब देनी होती है?

- (क) तुरंत मजिस्ट्रेट को
- (ख) 24 घंटे के भीतर
- (ग) 7 दिनों के भीतर
- (घ) न्यायालय के आदेश मिलने पर

794. CrPC की धारा 107 के तहत यदि किसी व्यक्ति से लोक शांति बनाए रखने हेतु बंधपत्र लिया जाता है, तो अधिकतम अवधि कितनी हो सकती है?

- (क) 6 माह
- (ख) 1 वर्ष
- (ग) 2 वर्ष
- (घ) 3 वर्ष

795. दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 109 CrPC का उद्देश्य क्या है?

- (क) किसी आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित करना
- (ख) न्यायालय की किसी प्रक्रिया को स्थगित करना
- (ग) ऐसे संदिग्ध व्यक्ति से सुरक्षा लेना, जिससे भविष्य में अपराध होने की संभावना हो
- (घ) गवाहों को समन जारी करना

796. धारा 92 CrPC के अनुसार डाक, टेलीग्राम या इलेक्ट्रॉनिक संदेश को खोलने की अनुमति किस उद्देश्य से दी जाती है?

- (क) अपराध से संबंधित सामग्री की खोज के लिए
- (ख) अभियुक्त को सज़ा दिलाने के लिए
- (ग) गवाहों की सूची तैयार करने हेतु
- (घ) आरोपी के विरुद्ध प्रचार हेतु

797. धारा 94 CrPC के अंतर्गत संदिग्ध वस्तुओं की तलाशी का आदेश कौन दे सकता है?

- (क) उच्च न्यायालय
- (ख) अभियोजन अधिकारी
- (ग) पुलिस अधीक्षक
- (घ) प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट

798. धारा 98 CrPC के अंतर्गत किसी महिला या बच्चे को सुरक्षित संरक्षक के पास भेजने की शक्ति किसके पास होती है?

- (क) पुलिस निरीक्षक
- (ख) उच्च न्यायालय
- (ग) अभियोजन अधिकारी
- (घ) मजिस्ट्रेट

799. CrPC की धारा 100 के अंतर्गत यदि तलाशी के समय कोई स्वतंत्र गवाह उपलब्ध न हो तो पुलिस को क्या करना चाहिए?

- (क) FIR दर्ज करनी चाहिए
- (ख) तलाशी रोक देनी चाहिए
- (ग) कारण अंकित कर तलाशी जारी रखनी चाहिए
- (घ) उच्च न्यायालय की अनुमति लेनी चाहिए

800. धारा 101 CrPC किस स्थिति में लागू होती है?

- (क) जब तलाशी आदेश अन्य क्षेत्राधिकार में लागू हो
- (ख) जब आरोपी को रिहा किया गया हो
- (ग) जब न्यायालय में कोई दस्तावेज़ प्रस्तुत न किया गया हो
- (घ) जब मजिस्ट्रेट अनुपस्थित हो

801. धारा 102 CrPC के अंतर्गत पुलिस द्वारा जब्त की गई संपत्ति की सूचना किसे दी जाती है?

- (क) मजिस्ट्रेट को
- (ख) वादी को
- (ग) अभियुक्त को
- (घ) न्यायालय लिपिक को

802. CrPC की धारा 107 के अनुसार यदि कोई व्यक्ति बंधपत्र नहीं देता है, तो क्या कार्यवाही हो सकती है?

- (क) गवाहों से पूछताछ की जाएगी
- (ख) व्यक्ति को हिरासत में लिया जा सकता है
- (ग) व्यक्ति को माफ़ किया जाएगा
- (घ) उसकी संपत्ति जब्त कर ली जाएगी

803. धारा 110 CrPC के अंतर्गत किसी व्यक्ति की आदतन अपराधी होने की स्थिति किस आधार पर तय की जाती है?

- (क) उच्च न्यायालय की स्वीकृति पर
- (ख) मजिस्ट्रेट के निर्णय पर
- (ग) उसके पिछले अपराधों की प्रमाणिक सूची के आधार पर
- (घ) अभियोजन अधिकारी की अनुशंसा पर

804. CrPC की धारा 91 के अनुसार, दस्तावेज़ या किसी वस्तु की प्रस्तुति हेतु समन जारी करने की अनुमति किन परिस्थितियों में दी जाती है?

- (क) जब आरोपी देश छोड़कर भागने वाला हो

- (ख) जब संबंधित वस्तु या दस्तावेज़ न्यायिक कार्यवाही में आवश्यक हो
- (ग) जब अभियोजन पक्ष तैयार न हो
- (घ) जब गवाह उपस्थित न हो

805. CrPC की धारा 94 के अंतर्गत तलाशी हेतु आदेश किसे जारी किया जा सकता है?

- (क) अभियोजन अधिकारी
- (ख) मजिस्ट्रेट द्वारा संबंधित पुलिस अधिकारी को
- (ग) उच्च न्यायालय के आदेश से
- (घ) जिला कलेक्टर द्वारा

806. CrPC की धारा 97 के अनुसार अवैध हिरासत में रखे गए व्यक्ति को मुक्त कराने हेतु तलाशी वारंट कौन जारी कर सकता है?

- (क) पुलिस अधिकारी
- (ख) मजिस्ट्रेट
- (ग) उच्च न्यायालय
- (घ) अभियोजन अधिकारी

807. CrPC की धारा 98 के अंतर्गत, महिला या बच्चे की अवैध हिरासत की स्थिति में कौन तलाशी आदेश जारी कर सकता है?

- (क) पुलिस अधिकारी
- (ख) मजिस्ट्रेट

- (ग) अभियोजन अधिकारी
- (घ) वादी

808. CrPC की धारा 101 के तहत यदि तलाशी किसी अन्य क्षेत्राधिकार में की जानी हो, तो संबंधित मजिस्ट्रेट को क्या किया जाता है?

- (क) तलाशी रोक दी जाती है
- (ख) सूचित किया जाता है
- (ग) FIR दर्ज की जाती है
- (घ) तलाशी का आदेश पुनः प्राप्त किया जाता है

809. CrPC की धारा 102 के अनुसार, जब्त की गई संपत्ति की सूचना किसे और कब दी जाती है?

- (क) मजिस्ट्रेट को तत्काल
- (ख) 24 घंटे में पुलिस अधीक्षक को
- (ग) अभियोजन अधिकारी को 48 घंटे में
- (घ) न्यायालय को 72 घंटे में

810. CrPC की धारा 107 के अनुसार, बंधपत्र किस उद्देश्य से लिया जाता है?

- (क) अपील दायर करने हेतु
- (ख) न्यायालय की सुरक्षा हेतु
- (ग) भविष्य में अपराध न करने के वचन हेतु
- (घ) आरोप खंडन हेतु

811. CrPC की धारा 109 किन व्यक्तियों पर लागू होती है?

- (क) सरकारी कर्मचारी
- (ख) संदिग्ध और वैध आजीविका रहित व्यक्ति
- (ग) गवाह
- (घ) आरोपी

812. CrPC की धारा 110 में आदतन अपराधियों से किस प्रकार की सुरक्षा ली जाती है?

- (क) सार्वजनिक नोटिस
- (ख) बंधपत्र के माध्यम से
- (ग) सीधी सजा
- (घ) जमानत रद्द

813. CrPC की धारा 98 के अनुसार, तलाशी आदेश किस उद्देश्य से दिया जाता है?

- (क) गिरफ्तारी हेतु
- (ख) अवैध रूप से रोके गए महिला या बच्चे को छुड़ाने हेतु
- (ग) संपत्ति ज़ब्ती हेतु
- (घ) गवाह तलब करने हेतु

814. CrPC की धारा 102 के अंतर्गत जब्त की गई संपत्ति की सूचना किसे दी जाती है?

- (क) संबंधित मजिस्ट्रेट को
- (ख) उच्च अधिकारी को

- (ग) अभियोजन अधिकारी को
- (घ) थाना प्रभारी को

815. भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता (CrPC) कब लागू हुई थी?

- (क) 1 अप्रैल 1974
- (ख) 25 जनवरी 1974
- (ग) 1 जुलाई 1973
- (घ) 25 मार्च 1973

816. CrPC भारत में कहाँ तक लागू होती है?

- (क) पूरे भारत में
- (ख) जम्मू-कश्मीर को छोड़कर
- (ग) केवल राज्यों में
- (घ) नागालैंड और अनुसूचित जनजातीय क्षेत्रों को छोड़कर पूरे भारत में

817. CrPC किस प्रकार का कानून है?

- (क) सब्सटेंटिव कानून
- (ख) प्रक्रियात्मक (प्रोसीजरल) कानून
- (ग) दोनों
- (घ) केवल अधिसूचना

818. CrPC की धारा 2(h) किसकी परिभाषा प्रदान करती है?

- (क) संज्ञेय अपराध
- (ख) शिकायत
- (ग) अन्वेषण
- (घ) पुलिस रिपोर्ट

819. CrPC की किस धारा में "जमानती अपराध" की परिभाषा दी गई है?

- (क) धारा 2(a)
- (ख) धारा 2(b)
- (ग) धारा 2(c)
- (घ) धारा 2(d)

820. CrPC और BNSS में से किस अधिनियम में गिरफ्तारी के समय वीडियो रिकॉर्डिंग को अनिवार्य किया गया है?

- (क) केवल CrPC
- (ख) केवल BNSS
- (ग) दोनों में
- (घ) किसी में नहीं

821. BNSS, 2023 के तहत न्यायालय में दस्तावेज़ प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में कौन-सी तकनीकी सुविधा जोड़ी गई है जो CrPC में नहीं थी?

- (क) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग
- (ख) डिजिटल दस्तावेज़ स्वीकार करना

- (ग) मैनुअल साक्ष्य
- (घ) फोटोकॉपी दस्तावेज़

822. CrPC में मजिस्ट्रेट द्वारा संज्ञान लेने की सीमा क्या थी जिसे BNSS में संशोधित किया गया है?

- (क) 30 दिन
- (ख) 90 दिन
- (ग) 180 दिन
- (घ) कोई सीमा नहीं

823. BNSS के अनुसार 'Zero FIR' की व्यवस्था कैसी है जो CrPC में अस्पष्ट थी?

- (क) केवल मूल थाने में FIR दर्ज होगी
- (ख) कोई भी थाना FIR दर्ज कर सकता है, चाहे अपराध कहीं भी हुआ हो
- (ग) FIR मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज होगी
- (घ) FIR ऑनलाइन ही दर्ज होगी

824. CrPC और BNSS में से किस विधि में 'प्ली बार्गेनिंग' की प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक परिभाषित किया गया है?

- (क) केवल CrPC
- (ख) केवल BNSS
- (ग) दोनों
- (घ) किसी में नहीं

825. BNSS में CrPC की तुलना में मुकदमों की त्वरित सुनवाई के लिए क्या विशेष व्यवस्था की गई है?

- (क) वर्चुअल कोर्ट की अनुमति
- (ख) समयबद्ध सुनवाई का प्रावधान
- (ग) सभी बयान ऑनलाइन
- (घ) पुलिस द्वारा फैसला

826. CrPC में निम्न में कौन-सी परिभाषा नहीं थी?

- (क) अपराध
- (ख) आरोपी
- (ग) इलेक्ट्रॉनिक संचार
- (घ) साक्ष्य

827. क्या मजिस्ट्रेट के पास मुकदमे को उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने की शक्ति होती है?

- (क) नहीं
- (ख) होती है
- (ग) केवल सत्र न्यायालय को भेज सकता है
- (घ) केवल विशेष आदेश द्वारा

828. प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) की एक प्रति पीड़ित को कब उपलब्ध कराई जानी चाहिए?

- (क) केवल न्यायालय के आदेश से
- (ख) आवेदन करने पर

- (ग) भुगतान के बाद
- (घ) निशुल्क और तुरंत

829. CrPC में कुल कितनी धाराएँ हैं?

- (क) 498
- (ख) 484
- (ग) 470
- (घ) 520

830. "शिकायत" (Complaint) की परिभाषा CrPC की किस धारा में दी गई है?

- (क) धारा 2(a)
- (ख) धारा 2(d)
- (ग) धारा 2(f)
- (घ) धारा 2(h)

831. CrPC की किस धारा में "अपराध" शब्द की परिभाषा दी गई है?

- (क) धारा 2(k)
- (ख) धारा 2(i)
- (ग) धारा 2(m)
- (घ) धारा 2(n)

832. CrPC के अनुसार "संज्ञेय अपराध" (Cognizable Offence) की परिभाषा किस धारा में दी गई है?

- (क) धारा 2(c)
- (ख) धारा 2(e)
- (ग) धारा 2(a)
- (घ) धारा 2(l)

833. CrPC के अनुसार किसी अभियुक्त को गिरफ्तार करने के बाद अधिकतम कितने समय में मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करना आवश्यक है?

- (क) 48 घंटे
- (ख) 36 घंटे
- (ग) 24 घंटे
- (घ) 72 घंटे

834. CrPC की किस धारा में कहा गया है कि गिरफ्तारी पर व्यक्ति को उसकी जमानत के अधिकार के बारे में सूचित किया जाएगा

- (क) 50
- (ख) 41
- (ग) 46
- (घ) 57

835. CrPC की किस धारा में "पुलिस रिपोर्ट" की परिभाषा दी गई है

- (क) 2(d)
- (ख) 2(k)

(ग) 2(l)

(घ) 2(r)

836. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (CrPC) की प्रस्तावना का उद्देश्य क्या दर्शाता है?

(क) भारतीय दंड संहिता को लागू करने के लिए

(ख) अपराधों की रोकथाम हेतु विशेष प्रावधान बनाने के लिए

(ग) अपराधों की जांच, विचारण और दंड के लिए प्रक्रिया निर्धारित करने वाली संहिता प्रदान करना

(घ) न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति और नियंत्रण के लिए दिशा-निर्देश देना

837. CrPC की किस धारा में “थाना प्रबंधक” की परिभाषा दी गई है

(क) 2(p)

(ख) 2(s)

(ग) 2(o)

(घ) 2(u)

838. CrPC के तहत पुलिस अधिकारी द्वारा FIR दर्ज करने से इंकार करने पर व्यक्ति निम्न में से कहां जा सकता है

(क) हाई कोर्ट

(ख) लोक अदालत

- (ग) मजिस्ट्रेट के पास (156(3)CrPC
- (घ) राष्ट्रपति के पास

839. जब पुलिस अधिकारी किसी अपराध से संबंधित कोई संपत्ति या वस्तु ज़ब्त करता है, तो यह कार्य दण्ड प्रक्रिया संहिता की किस धारा के अंतर्गत आता है?

- (क) धारा 99
- (ख) धारा 100
- (ग) धारा 102
- (घ) धारा 107

840. गिरफ्तारी करते समय पुलिस अधिकारी को बल प्रयोग की अनुमति कब दी जाती है?

- (क) कभी नहीं
- (ख) केवल गंभीर अपराधों में
- (ग) जब आवश्यकता हो
- (घ) मजिस्ट्रेट की अनुमति से

841. CrPC की धारा 151 का संबंध निम्न में से किससे है?

- (क) प्राथमिकी (FIR) दर्ज करना
- (ख) संज्ञेय अपराध की परिभाषा
- (ग) अपराध रोकने के लिए तत्काल गिरफ्तारी
- (घ) तलाशी वारंट जारी करना

842. दण्ड प्रक्रिया संहिता की निम्न में से किस धारा में बिना वारंट के गिरफ्तारी से संबंधित मुख्य प्रावधान दिया गया है?

- (क) धारा 40
- (ख) धारा 41
- (ग) धारा 43
- (घ) धारा 46

843. CrPC की निम्न में किस धारा में तलाशी के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया वर्णित है?

- (क) धारा 154
- (ख) धारा 100
- (ग) धारा 167
- (घ) धारा 437

844. क्या प्राथमिकी (FIR) को सार्वजनिक दस्तावेज़ माना जाता है?

- (क) हाँ
- (ख) नहीं
- (ग) आंशिक रूप से
- (घ) न्यायालय के आदेश पर निर्भर करता है

845. पुलिस द्वारा जांच पूरी होने पर चार्जशीट किस धारा के अंतर्गत प्रस्तुत की जाती है?

- (क) धारा 160 CrPC

(ख) धारा 161 CrPC

(ग) धारा 170 CrPC

(घ) धारा 173 CrPC

846. CrPC की धारा 50 के अनुसार, गिरफ्तारी के समय व्यक्ति को गिरफ्तारी का कारण बताना, क्या आवश्यक है?

(क) नहीं

(ख) केवल न्यायालय के आदेश पर

(ग) हां

(घ) उच्च न्यायालय के आदेश पर

847. CrPC की धारा 46 के अनुसार महिला की गिरफ्तारी किसके द्वारा की जानी चाहिए?

(क) केवल महिला पुलिस अधिकारी द्वारा

(ख) किसी भी पुलिस अधिकारी द्वारा

(ग) केवल बल प्रयोग होने पर

(घ) न्यायालय की अनुमति से

848. CrPC में 'जाँच' की परिभाषा किस धारा में दी गई है?

(क) धारा 2(g)

(ख) धारा 2(a)

(ग) धारा 2(c)

(घ) धारा 2(l)

849. CrPC की कौन-सी धारा पुलिस को अपराध रोकने हेतु तत्काल गिरफ्तारी की शक्ति देती है?

- (क) धारा 41
- (ख) धारा 151
- (ग) धारा 46
- (घ) धारा 50

850. CrPC की कौन-सी उपधारा कहती है कि महिला को सूर्यास्त के बाद और सूर्योदय से पहले गिरफ्तार नहीं किया जाएगा?

- (क) धारा 46(4)
- (ख) धारा 50
- (ग) धारा 41
- (घ) धारा 57

851. CrPC की धारा 54 के अंतर्गत गिरफ्तारी के पश्चात चिकित्सीय जांच कब की जानी चाहिए?

- (क) 48 घंटे के भीतर
- (ख) तुरंत
- (ग) केवल मजिस्ट्रेट के कहने पर
- (घ) जब पीड़िता मांग करे

852. CrPC की धारा 50A का विषय क्या है?

- (क) FIR दर्ज करने का प्रावधान

- (ख) गिरफ्तारी की सूचना परिवार को देना
- (ग) तलाशी प्रक्रिया
- (घ) साक्ष्य संग्रहण

853. क्या CrPC की धारा 154 के अन्तर्गत संज्ञेय अपराध की सूचना क्या कोई व्यक्ति पुलिस को दे सकता है?

- (क) नहीं
- (ख) हां, मौखिक या लिखित
- (ग) केवल वकील के माध्यम से
- (घ) केवल न्यायालय में

854. CrPC की धारा 167 के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद आरोप-पत्र (चार्जशीट) माननीय न्यायालय में दायर करने की अधिकतम समयसीमा क्या है?

- (क) 30 दिन
- (ख) 60/90 दिन (अपराध की प्रकृति पर निर्भर)
- (ग) 120 दिन
- (घ) 180 दिन

855. CrPC की धारा 144 के अंतर्गत जिला मजिस्ट्रेट को कौन-सा विशेष अधिकार प्राप्त है?

- (क) गिरफ्तारी करना
- (ख) धारा 144 लागू करना
- (ग) मुकदमा चलाना
- (घ) जमानत देना

856. CrPC की किस धारा में मजिस्ट्रेट को झगड़े या भूमि विवाद में हस्तक्षेप करने का प्रावधान/ अधिकार है?

(क) धारा 144

(ख) धारा 145

(ग) धारा 151

(घ) धारा 133

857. CrPC की धारा 190 के अंतर्गत मजिस्ट्रेट कब संज्ञान (Cognizance) ले सकता है?

(क) जब कोई अपराध घटित होता है

(ख) जब कोई शिकायत प्राप्त होती है

(ग) जब पुलिस रिपोर्ट मिलती है

(घ) उपरोक्त सभी परिस्थितियों में

858. CrPC की धारा 202 के अंतर्गत मजिस्ट्रेट किसी मामले में जांच स्वयं करेगा या जाँच का आदेश निम्न में से किसे दे सकता है?

(क) केवल पुलिस को

(ख) किसी अन्य व्यक्ति को

(ग) स्वतः संज्ञान लेकर

(घ) उपरोक्त सभी

859. CrPC की किस धारा में मजिस्ट्रेट सार्वजनिक रास्ते की रुकावट हटाने का आदेश दे सकता है?

- (क) धारा 145 CrPC
- (ख) धारा 133 CrPC
- (ग) धारा 133 IPC
- (घ) धारा 129 CrPC

860. CrPC की निम्न किस धारा के अंतर्गत मजिस्ट्रेट के समक्ष साक्ष्य (ब्यान) दर्ज किया जाता है?

- (क) धारा 161 CrPC
- (ख) धारा 164 CrPC
- (ग) धारा 167 CrPC
- (घ) धारा 174 CrPC

861. CrPC की कौन-सी धारा पुलिस डायरी से संबंधित है?

- (क) धारा 172 CrPC
- (ख) धारा 173 CrPC
- (ग) धारा 172 IPC
- (घ) धारा 176 CrPC

862. गवाहों को अदालत में बुलाने के लिए समन किस धारा के तहत जारी किया जाता है?

- (क) धारा 206 CrPC
- (ख) धारा 204 CrPC
- (ग) धारा 271 CrPC
- (घ) धारा 251 CrPC

863. CrPC के अनुसार, मेडिकल परीक्षण की रिपोर्ट कौन प्रस्तुत करता है?

- (क) जांच अधिकारी (IO)
- (ख) मजिस्ट्रेट
- (ग) मेडिकल अधिकारी
- (घ) पीड़िता

864. CrPC की किस धारा के अंतर्गत पीड़िता का ब्यान मजिस्ट्रेट के समक्ष रिकॉर्ड किया जाता है?

- (क) धारा 164 CrPC
- (ख) धारा 161 CrPC
- (ग) धारा 173 CrPC
- (घ) धारा 174 CrPC

865. भारतीय न्याय संहिता (BNSS), 2023 में ऐसा कौन-सा प्रावधान जो CrPC की तुलना में अभियुक्त के अधिकारों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करता है?

- (क) बंद कमरे में सुनवाई की बाध्यता
- (ख) गिरफ्तार व्यक्ति की पदाभिहित पुलिस अधिकारी (Designated police officer) को सूचना देना
- (ग) केवल मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में गिरफ्तार
- (घ) प्राथमिकी को गोपनीय रखने का अधिकार

866. BNSS, 2023 के तहत कौन-सी नई व्यवस्था CrPC की तुलना में पुलिस जांच में पारदर्शिता बढ़ाने हेतु प्रमुख सुधार मानी जाती है?

- (क) अनिवार्य मेडिकल परीक्षण
- (ख) FIR की ऑनलाइन उपलब्धता
- (ग) जांच में फॉरेंसिक साक्ष्य का अनिवार्य उपयोग
- (घ) चार्जशीट पर अभियुक्त के हस्ताक्षर

867. CrPC की किस धारा के अंतर्गत पुलिस को विवेचना पूर्ण होने पर रिपोर्ट (चार्जशीट या अंतिम रिपोर्ट) प्रस्तुत करनी होती है?

- (क) धारा 170 CrPC
- (ख) धारा 171 CrPC
- (ग) धारा 173 CrPC
- (घ) धारा 174 CrPC

868. CrPC की निम्न किस धारा के अनुसार व्यक्ति पुलिस अधिकारी द्वारा पूछताछ के लिए बुलाए जाने पर उपस्थित होने के लिए बाध्य होता है?

- (क) धारा 160 CrPC
- (ख) धारा 161 CrPC
- (ग) धारा 165 CrPC
- (घ) धारा 167 CrPC

869. CrPC की किस धारा के अंतर्गत FIR दर्ज न किए जाने की स्थिति में वादी मजिस्ट्रेट के समक्ष आवेदन कर सकता है?

- (क) धारा 155
- (ख) धारा 156(3)
- (ग) धारा 157
- (घ) धारा 158

870. CrPC की किस धारा के अनुसार पुलिस को FIR की एक प्रति मजिस्ट्रेट को भेजनी होती है?

- (क) धारा 155
- (ख) धारा 156
- (ग) धारा 157
- (घ) धारा 160

871. CrPC की निम्नलिखित किन धाराओं के अंतर्गत पुलिस अधिकारी तलाशी ले सकता है?

- (क) धारा 165
- (ख) धारा 166
- (ग) धारा 102
- (घ) उपरोक्त सभी

872. जब मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रथम दृष्टया कोई अपराध प्रतीत होता है, तो वह क्या करता है?

- (क) आरोप तय करता है

- (ख) संज्ञान (Cognizance) लेता है
- (ग) FIR दर्ज करता है
- (घ) चार्जशीट बनाता है

873. मजिस्ट्रेट निम्न में से किस स्थिति में किसी अपराध का संज्ञान नहीं ले सकता?

- (क) वादी उपस्थित न हो
- (ख) मामला समय-सीमा (Limitation Period) से बाहर हो
- (ग) मजिस्ट्रेट छुट्टी पर हो
- (घ) कोई अन्य मजिस्ट्रेट उपस्थित हो

874. CrPC की धारा 202 का मुख्य उद्देश्य क्या है?

- (क) परीक्षण
- (ख) विचारण-पूर्व जांच (Preliminary Inquiry)
- (ग) गिरफ्तारी
- (घ) अपील

875. क्या न्यायालय जमानती अपराध में अभियुक्त को जमानत देने से मना कर सकता है?

- (क) नहीं
- (ख) हां, यदि विशेष कारण हो
- (ग) केवल मजिस्ट्रेट के विवेक से
- (घ) पुलिस के आदेश से

876. आरोप तय करने से पूर्व न्यायालय क्या करता है?

- (क) अभियुक्त को बरी कर देता है
- (ख) प्रारंभिक साक्ष्य की समीक्षा करता है
- (ग) वकील नियुक्त करता है
- (घ) जांच अधिकारी को दंडित करता है

877. मजिस्ट्रेट निम्नलिखित में से किन परिस्थितियों में किसी केस को खारिज कर सकता है?

- (क) पर्याप्त साक्ष्य न होने पर
- (ख) वादी के अनुपस्थित होने पर
- (ग) शिकायत झूठी होने पर
- (घ) उपरोक्त सभी

878. CrPC की धारा 144 किस स्थिति में लागू की जाती है?

- (क) दंगे रोकने के लिए
- (ख) आपातकालीन स्थिति में
- (ग) महामारी जैसी स्थिति में
- (घ) उपरोक्त सभी

879. सार्वजनिक शांति भंग की आशंका होने पर CrPC की कौन-सी धारा के अंतर्गत कार्यवाही की जाती है?

- (क) धारा 106 CrPC
- (ख) धारा 107 CrPC
- (ग) धारा 108 CrPC
- (घ) धारा 109 CrPC

880. CrPC की किस धारा के अंतर्गत मजिस्ट्रेट अभियोजन पक्ष को अभियोजन वापस लेने की अनुमति दे सकता है?

- (क) धारा 320 CrPC
- (ख) धारा 321 CrPC
- (ग) धारा 322 CrPC
- (घ) धारा 323 CrPC

881. CrPC की धारा 167 के अनुसार, गंभीर अपराधों में न्यायिक हिरासत (Remand) अधिकतम कितने दिनों के लिए दी जा सकती है?

- (क) 30 दिन
- (ख) 45 दिन
- (ग) 90 दिन
- (घ) 120 दिन

882. CrPC की कौन-सी धारा के अंतर्गत मजिस्ट्रेट संज्ञेय अपराध की सूचना मिलने पर पुलिस को जांच का आदेश दे सकता है?

- (क) धारा 202 CrPC
- (ख) धारा 156(3) CrPC
- (ग) धारा 180 CrPC
- (घ) धारा 200 CrPC

883. CrPC की निम्न में से किन धाराओं के अंतर्गत पुलिस द्वारा जब्त की गई संपत्ति के न्यायालय द्वारा निस्तारण (disposal) की व्यवस्था की गई है?

- (क) धारा 451
- (ख) धारा 452
- (ग) धारा 457
- (घ) उपरोक्त सभी

884. CrPC की किस धारा में "उच्च न्यायालय" की परिभाषा दी गई है?

- (क) धारा 2(b)
- (ख) धारा 2(c)
- (ग) धारा 2(e)
- (घ) धारा 2(g)

885. CrPC में "संक्षिप्त विचारण (Summary Trial)" की व्यवस्था किस अध्याय में दी गई है?

- (क) अध्याय 18
- (ख) अध्याय 21
- (ग) अध्याय 24
- (घ) अध्याय 20

886. CrPC का प्रमुख उद्देश्य क्या है?

- (क) अभियुक्त की रक्षा करना
- (ख) पुलिस को विनियमित करना

- (ग) निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करना
- (घ) दोषियों को सजा देना

887. CrPC के अनुसार बिना वारंट के गिरफ्तारी कब की जा सकती है?

- (क) केवल जमानती अपराधों में
- (ख) संज्ञेय अपराधों में
- (ग) गैर-संज्ञेय अपराधों में
- (घ) कभी नहीं

888. CrPC की किन धाराओं में गिरफ्तारी और अभियुक्त के अधिकारों का वर्णन है?

- (क) धारा 50-60 CrPC
- (ख) धारा 41-60A CrPC
- (ग) धारा 70-80 CrPC
- (घ) धारा 100-110 CrPC

889. CrPC की किस धारा के अंतर्गत एक सामान्य नागरिक भी गिरफ्तारी कर सकता है?

- (क) धारा 42
- (ख) धारा 43
- (ग) धारा 44
- (घ) धारा 45

890. CrPC की धारा 167(2)के अनुसार पुलिस हिरासत(पुलिस रिमाण्ड) की अधिकतम अवधि क्या है?

- (क) 7 दिन
- (ख) 15 दिन
- (ग) 60 दिन
- (घ) 90 दिन

891. CrPC के अनुसार जमानती अपराधों में जमानत का क्या प्रावधान है?

- (क) न्यायालय की मर्जी पर
- (ख) कुछ शर्तों पर
- (ग) अभियुक्त का अधिकार होता है
- (घ) अनुमति नहीं है

892. CrPC की कौन-सी धारा गिरफ्तारी की आशंका होने पर अग्रिम जमानत से संबंधित है?

- (क) धारा 437
- (ख) धारा 438
- (ग) धारा 439
- (घ) धारा 440

893. CrPC के अनुसार डिफॉल्ट जमानत किस स्थिति में दी जाती है?

- (क) 30 दिन बाद
- (ख) 45 दिन बाद

- (ग) 60 या 90 दिन बाद
- (घ) 180 दिन

894. CrPC के अनुसार जमानत रद्द करने का अधिकार किसके पास होता है?

- (क) मजिस्ट्रेट
- (ख) पुलिस
- (ग) वही न्यायालय जिसने जमानत दी
- (घ) कोई नहीं

895. CrPC की धारा 41A का संबंध निम्न में से किससे है?

- (क) गिरफ्तारी प्रक्रिया
- (ख) पुलिस द्वारा नोटिस देकर उपस्थिति हेतु बुलाना
- (ग) मेडिकल परीक्षण
- (घ) FIR दर्ज करना

896. CrPC की धारा 57 के अनुसार गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को कितने समय में मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत करना अनिवार्य है?

- (क) 12 घंटे में
- (ख) 24 घंटे में
- (ग) 48 घंटे में
- (घ) 72 घंटे में

897. CrPC की किस धारा के अंतर्गत संज्ञेय अपराध की रिपोर्ट (FIR) दर्ज की जाती है?

- (क) धारा 154
- (ख) धारा 155
- (ग) धारा 156
- (घ) धारा 157

898. CrPC की किस धारा के अंतर्गत गैर-संज्ञेय अपराधों की रिपोर्ट दर्ज की जाती है?

- (क) धारा 154
- (ख) धारा 155
- (ग) धारा 156
- (घ) धारा 157

899. CrPC के अनुसार न्यायालय में दोष सिद्ध करने हेतु अभियोजन का मुख्य कर्तव्य क्या होता है?

- (क) जांच करना
- (ख) गवाहों को प्रस्तुत करना
- (ग) आरोपों को प्रमाणित करना (Prove the Charges)
- (घ) आरोपी को गिरफ्तार करना

900. यदि किसी मुकदमे में निष्पक्ष सुनवाई नहीं हो रही हो, तो अभियुक्त किस न्यायालय में याचिका दायर कर सकता है?

- (क) मजिस्ट्रेट

- (ख) सत्र न्यायालय
- (ग) उच्च न्यायालय (रिट या पुनरीक्षण)
- (घ) पुलिस

901. CrPC में कुल कितने अध्याय और धाराएं हैं?

- (क) 32 अध्याय, 511 धाराएं
- (ख) 37 अध्याय, 484 धाराएं
- (ग) 38 अध्याय, 530 धाराएं
- (घ) 28 अध्याय, 420 धाराएं

902. CrPC की किस धारा के अंतर्गत मजिस्ट्रेट गिरफ्तारी स्वयं कर सकता है या गिरफ्तारी का आदेश दे सकता है?

- (क) धारा 155
- (ख) धारा 156
- (ग) धारा 190
- (घ) धारा 44

903. CrPC की किस धारा के अंतर्गत पुलिस को बिना वारंट के तलाशी लेने का अधिकार है?

- (क) धारा 165 CrPC
- (ख) धारा 93 CrPC
- (ग) धारा 100 CrPC
- (घ) धारा 163 CrPC

904. CrPC की धारा 144 किस विषय से संबंधित है?

- (क) गिरफ्तारी
- (ख) निषेधाज्ञा (Prohibition Orders)
- (ग) तलाशी
- (घ) चार्जशीट

905. CrPC की निम्न किन धाराओं के अंतर्गत कार्यपालक मजिस्ट्रेट किसी व्यक्ति को सार्वजनिक शांति हेतु सुरक्षा बंधपत्र भरने का आदेश दे सकता है?

- (क) धारा 107
- (ख) धारा 109
- (ग) धारा 110
- (घ) उपरोक्त सभी

906. CrPC की किस धारा के अंतर्गत मजिस्ट्रेट किसी व्यक्ति को सार्वजनिक स्थान पर हथियार ले जाने से रोक सकता है?

- (क) धारा 133 CrPC
- (ख) धारा 144 CrPC
- (ग) धारा 129 CrPC
- (घ) धारा 141 CrPC

907. CrPC की किस धारा के अंतर्गत मजिस्ट्रेट भूमि व जल विवाद (dispute concerning land or

water)से संबंधित मामलों में सार्वजनिक शांतिभंग होने की आशंका पर कार्यवाही करता है?

- (क) धारा 145
- (ख) धारा 107
- (ग) धारा 109
- (घ) धारा 125

908. क्या कार्यपालक मजिस्ट्रेट CrPC के अंतर्गत आता है?

- (क) हां
- (ख) नहीं
- (ग) केवल राज्य अधिसूचना से
- (घ) केवल न्यायिक मजिस्ट्रेट

909. CrPC की धारा 13 के अनुसार, विशेष मजिस्ट्रेट की नियुक्ति कौन करता है?

- (क) जिला न्यायाधीश
- (ख) राज्य सरकार
- (ग) उच्च न्यायालय
- (घ) राष्ट्रपति

910. CrPC की धारा 11 के अनुसार, न्यायिक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति कौन करता है?

- (क) जिला न्यायालय
- (ख) राज्य सरकार
- (ग) उच्च न्यायालय की परामर्श से राज्य सरकार

(घ) सुप्रीम कोर्ट

911. CrPC में सत्र न्यायालय का प्रावधान निम्न में से किस अध्याय में वर्णित है?

(क) अध्याय II (धारा 6-25क)

(ख) अध्याय VI (धारा 61-90)

(ग) अध्याय IX (धारा 125-128)

(घ) अध्याय XIII (धारा 177-189)

912. CrPC के अनुसार, पुलिस द्वारा अन्वेषण के दौरान बयान लेना निम्न में किससे संबंधित है?

(क) धारा 161 CrPC

(ख) धारा 164 CrPC

(ग) धारा 167 CrPC

(घ) धारा 173 CrPC

913. CrPC के अनुसार, पुलिस द्वारा धारा 161 के अंतर्गत लिया गया बयान अदालत में क्या होता है?

(क) पूर्ण रूप से मान्य

(ख) आंशिक रूप से मान्य

(ग) साक्ष्य नहीं होता (only for contradiction u/s 145 IEA)

(घ) केवल दस्तावेज़ के रूप में

914. मजिस्ट्रेट इकबालिया बयान (confession) CrPC की निम्न किस धारा के अंतर्गत दर्ज करता है ।

- (क) धारा 162 CrPC
- (ख) धारा 163 CrPC
- (ग) धारा 164 CrPC
- (घ) धारा 165 CrPC

915. CrPC की धारा 164 के अंतर्गत दर्ज बयान किस स्थिति में अमान्य हो जाएगा?

- (क) जब मजिस्ट्रेट के समक्ष न हो
- (ख) जब बयान स्वेच्छा से न दिया गया हो
- (ग) जब बयान डर या दबाव में दिया गया हो
- (घ) उपरोक्त सभी

916. CrPC के अनुसार अभियुक्त की पहचान परेड (Test Identification Parade) किसकी उपस्थिति में कराई जाती है?

- (क) SHO
- (ख) IO
- (ग) मजिस्ट्रेट
- (घ) वकील

917. CrPC की किस धारा के अंतर्गत पंचनामा (Inquest Report) तैयार किया जाता है?

- (क) धारा 173

(ख) धारा 174

(ग) धारा 176

(घ) धारा 179

918. CrPC की किस धारा के अंतर्गत संदेहास्पद मृत्यु की स्थिति में मजिस्ट्रेट द्वारा न्यायिक जांच की जाती है?

(क) धारा 174(3)

(ख) धारा 175

(ग) धारा 176

(घ) धारा 177

919. CrPC के अनुसार न्यायिक जांच की रिपोर्ट कौन प्रस्तुत करता है?

(क) पुलिस अधिकारी

(ख) अभियोजन अधिकारी

(ग) मजिस्ट्रेट

(घ) पीड़ित

920. CrPC की धारा 46(4) के अनुसार महिलाओं की गिरफ्तारी किस समय नहीं की जा सकती?

(क) दिन में

(ख) सूर्यास्त से सूर्योदय तक

(ग) दोपहर 3 से 4 बजे

(घ) कभी भी

921. CrPC की किन धाराओं के अंतर्गत बिना वारंट गिरफ्तारी की जा सकती है?

- (क) धारा 41
- (ख) धारा 42
- (ग) धारा 43
- (घ) उपरोक्त सभी

922. क्या नाबालिगों के लिए CrPC में अलग विचारण की व्यवस्था है?

- (क) नहीं है
- (ख) हां, "किशोर न्याय अधिनियम, 2015" के अंतर्गत
- (ग) CrPC में
- (घ) IPC में

923. क्या बिना मजिस्ट्रेट की अनुमति के शव का पोस्टमार्टम कराया जा सकता है?

- (क) नहीं हो सकता
- (ख) हो सकता है
- (ग) केवल पुलिस आदेश से
- (घ) डॉक्टर के निर्देश से

924. यदि कोई पुलिस अधिकारी FIR दर्ज करने से इन्कार करे, तो व्यक्ति क्या कर सकता है?

- (क) मजिस्ट्रेट के समक्ष शिकायत प्रस्तुत कर सकता है
(CrPC धारा 156(3))
- (ख) थाना बदले
- (ग) उच्च न्यायालय जाए
- (घ) स्वयं FIR लिखे

925. निम्न में से कौन-से अपराध को "गंभीर अपराध (Heinous Offence)" माना जाता है?

- (क) जिसमें सजा 3 वर्ष से अधिक हो
- (ख) जो गैर-जमानती हो
- (ग) जो संज्ञेय हो
- (घ) उपरोक्त सभी

926. CrPC की धारा 24 के अनुसार लोक अभियोजक (Public Prosecutor) की नियुक्ति कौन करता है?

- (क) पुलिस
- (ख) राज्य सरकार
- (ग) उच्च न्यायालय
- (घ) अभियुक्त

927. CrPC की धारा 447 का उपयोग कब होता है?

- (क) जब जमानतदार मर जाता है या असमर्थ हो जाता है
- (ख) जब अभियुक्त भाग जाए
- (ग) जब मजिस्ट्रेट अनुपस्थित हो
- (घ) जब कोई नया साक्ष्य मिले

928. धारा 448 CrPC का संबंध किससे है?

- (क) नाबालिग अभियुक्त के बंधपत्र के लिए अभिभावक की जिम्मेदारी
- (ख) महिला गवाह की सुरक्षा
- (ग) निषेधाज्ञा
- (घ) गिरफ्तारी के बाद चिकित्सा

929. CrPC की धारा 449 किस विषय से संबंधित है?

- (क) धारा 446 CrPC के अधीन आदेशों की अपील
- (ख) अपराध का वर्गीकरण
- (ग) गवाह की पहचान
- (घ) अभियुक्त का बयान

930. CrPC की धारा 450 किसकी शक्ति से संबंधित है?

- (क) सत्र न्यायालय की मजिस्ट्रेट को आदेशों को लागू करवाने की शक्ति
- (ख) उच्च न्यायालय की अपील शक्ति
- (ग) पुलिस का विवेचना अधिकार
- (घ) अभियोजन स्वीकृति

931. CrPC की धारा 451 में क्या वर्णित है?

- (क) अभियोजन के दौरान जब्त वस्तुओं का अंतरिम संरक्षण
- (ख) अभियुक्त की गिरफ्तारी

- (ग) गवाह का समन
- (घ) अपील प्रक्रिया

932. CrPC की धारा 452 के अनुसार निम्न में से क्या किया जाता है?

- (क) निर्णय के बाद संपत्ति के निस्तारण का आदेश
- (ख) गवाह की हाजिरी
- (ग) तलाशी की प्रक्रिया
- (घ) साक्ष्य की रिकॉर्डिंग

933. CrPC की धारा 457 किस स्थिति में लागू होती है?

- (क) FIR दर्ज हो
- (ख) आरोपी को दोषमुक्त किया जाए
- (ग) गवाह अनुपस्थित हो
- (घ) संपत्ति पुलिस द्वारा जब्त हो लेकिन न्यायालय में प्रस्तुत न की गई हो

934. CrPC की धारा 458 में निम्न में से क्या प्रावधान करती है?

- (क) ऐसी संपत्ति का निस्तारण जहां छह मास के अन्दर कोई दावेदार हाज़िर न हो
- (ख) गवाह की पहचान
- (ग) अग्रिम जमानत
- (घ) अपील की प्रक्रिया

935. CrPC की धारा 1 का प्रयोजन क्या है?

- (क) दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के विस्तार को निर्धारित करना
- (ख) भारतीय दंड संहिता को लागू करना
- (ग) साक्ष्य अधिनियम को लागू करना
- (घ) संविधान की व्याख्या करना

936. CrPC की धारा 2(घ) के अंतर्गत 'परिवाद' का तात्पर्य है -

- (क) मजिस्ट्रेट को कार्यवाही हेतु केवल मौखिक कंप्लेंट
- (ख) मजिस्ट्रेट को कार्यवाही हेतु केवल लिखित कंप्लेंट
- (ग) मजिस्ट्रेट को कार्यवाही हेतु मौखिक या लिखित कंप्लेंट
- (घ) घरेलुहिंसा

937. CrPC की धारा 6 के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौन से दण्ड न्यायालय सम्मिलित है?

- (क) सत्र न्यायालय
- (ख) कार्यपालक मजिस्ट्रेट
- (ग) प्रथम वर्ग न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (घ) उपरोक्त सभी

938. CrPC की धारा 11 के अंतर्गत किस प्रकार की अदालतों की स्थापना का प्रावधान है?

- (क) मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट
- (ख) कार्यपालक मजिस्ट्रेट

- (ग) न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी
- (घ) विशेष मजिस्ट्रेट

939. CrPC की धारा 12 के अनुसार मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति कौन करता है?

- (क) उच्च न्यायालय
- (ख) राज्य सरकार
- (ग) सत्र न्यायालय
- (घ) राज्यपाल

940. CrPC की धारा 13 के अनुसार विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति कितने समय के लिए की जा सकती है?

- (क) दो वर्ष
- (ख) एक वर्ष
- (ग) छह माह
- (घ) अनिश्चित काल

941. CrPC की धारा 20 के अनुसार जिला मजिस्ट्रेट की नियुक्ति कौन करता है?

- (क) राष्ट्रपति
- (ख) राज्यपाल
- (ग) राज्य सरकार
- (घ) उच्च न्यायालय

942. CrPC की धारा 20 के अनुसार उपमंडल मजिस्ट्रेट को नियुक्त करने का अधिकार किसके पास है?

- (क) जिला मजिस्ट्रेट
- (ख) राज्य सरकार
- (ग) उच्च न्यायालय
- (घ) राष्ट्रपति

943. CrPC की धारा 24 के अंतर्गत लोक अभियोजक की नियुक्ति कौन करता है?

- (क) राज्यपाल
- (ख) जिला मजिस्ट्रेट
- (ग) राज्य सरकार
- (घ) उच्च न्यायालय

944. CrPC की धारा 37 के अनुसार पुलिस अधिकारी जनता की सहायता किस परिस्थिति में मांग सकता है?

- (क) लोक संपत्ति की रक्षा हेतु
- (ख) अपराध रोकने हेतु
- (ग) गिरफ्तारी में सहायता हेतु
- (घ) उपरोक्त सभी

945. CrPC की धारा 41 CrPC के अंतर्गत गिरफ्तारी किस स्थिति में नहीं की जा सकती है?

- (क) अपराध संज्ञेय हो

- (ख) अपराध असंज्ञेय हो
- (ग) बिना मजिस्ट्रेट की अनुमति के
- (घ) संदेह या विश्वसनीय जानकारी के आधार पर

946. CrPC की धारा 42 CrPC किस प्रकार की गिरफ्तारी से संबंधित है?

- (क) संज्ञेय अपराध में गिरफ्तारी
- (ख) नाम और निवास बताने से इंकार करने पर
- (ग) न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी
- (घ) पुलिस स्टेशन में गिरफ्तारी

947. CrPC की धारा 43 किससे संबंधित है?

- (क) मजिस्ट्रेट द्वारा गिरफ्तारी
- (ख) पुलिस द्वारा गिरफ्तारी
- (ग) प्राईवेट व्यक्ति द्वारा गिरफ्तारी
- (घ) कोई नहीं

948. CrPC की धारा 44 के अंतर्गत गिरफ्तारी का अधिकार किसे प्राप्त है?

- (क) कार्यपालक मजिस्ट्रेट को
- (ख) न्यायिक मजिस्ट्रेट को
- (ग) क व ख दोनों को
- (घ) केवल पुलिस को

949. CrPC की धारा 45 के अनुसार सशस्त्र बलों के सदस्य को गिरफ्तार करने से पहले किसकी अनुमति आवश्यक होती है?

- (क) राज्य सरकार
- (ख) केंद्र सरकार
- (ग) जिला मजिस्ट्रेट
- (घ) न्यायालय

950. CrPC की धारा 46 के अनुसार गिरफ्तारी कैसे की जाती है?

- (क) बल प्रयोग से
- (ख) हथकड़ी लगाकर
- (ग) व्यक्ति को शारीरिक रूप से छूकर
- (घ) चेतावनी देकर

951. CrPC की धारा 47 किससे संबंधित है?

- (क) गिरफ्तारी
- (ख) स्थान की तलाशी
- (ग) जब्ती
- (घ) गवाही

952. CrPC की धारा 48 के अंतर्गत पुलिस अधिकारी को किस सीमा तक अभियुक्त का पीछा करने का अधिकार है?

- (क) केवल थाना क्षेत्र में

- (ख) राज्य के भीतर
- (ग) भारतवर्ष में कहीं भी
- (घ) केवल जिला सीमा में

953. CrPC की धारा 49 के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति के साथ क्या नहीं किया जाएगा?

- (क) उसे यातना दी जाएगी
- (ख) अनावश्यक अवरोध नहीं किया जाएगा
- (ग) हथकड़ी पहना दी जाएगी
- (घ) न्यायालय ले जाया जाएगा

954. CrPC की धारा 50 के अनुसार गिरफ्तारी के समय व्यक्ति को क्या बताया जाना अनिवार्य है?

- (क) उसका नाम
- (ख) गिरफ्तारी का कारण व आधार
- (ग) FIR नंबर
- (घ) कोर्ट का नाम

955. CrPC की धारा 50A के अंतर्गत गिरफ्तारी की सूचना किसे दी जानी चाहिए?

- (क) किसी वकील को
- (ख) किसी लोक सेवक को
- (ग) गिरफ्तार व्यक्ति द्वारा नामित व्यक्ति को
- (घ) उच्च न्यायालय को

956. CrPC की धारा 51 का संबंध किससे है?

- (क) गिरफ्तार व्यक्ति की तलाशी
- (ख) गिरफ्तारी
- (ग) पूछताछ
- (घ) आरोप

957. CrPC की धारा 53 के अनुसार पुलिस द्वारा चिकित्सा परीक्षण किस व्यक्ति का व किस उद्देश्य से किया जाता है?

- (क) पीड़िता की पहचान के लिए
- (ख) अभियुक्त से साक्ष्य प्राप्त करने के लिए
- (ग) मेडिकल फिटनेस के लिए
- (घ) मजिस्ट्रेट के आदेश के बिना

958. CrPC की धारा 54 के अंतर्गत गिरफ्तार व्यक्ति किसके समक्ष चिकित्सा परीक्षण की मांग कर सकता है?

- (क) पुलिस अधीक्षक
- (ख) सिविल सर्जन
- (ग) न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (घ) SHO

959. CrPC की धारा 55 के अंतर्गत गिरफ्तार करने का अधिकार किसे है?

- (क) उच्च न्यायालय

- (ख) पुलिस अधीक्षक
- (ग) अधीनस्थ पुलिस अधिकारी को, जब लिखित आदेश हो
- (घ) जिला मजिस्ट्रेट

960. CrPC की धारा 56 का संबंध किससे है?

- (क) FIR दर्ज करना
- (ख) गिरफ्तार व्यक्ति को न्यायालय में प्रस्तुत करना
- (ग) गिरफ्तार व्यक्ति का चिकित्सा परीक्षण
- (घ) गिरफ्तार व्यक्ति की शारीरिक तलाशी

961. CrPC की धारा 57 के अंतर्गत किसी गिरफ्तार व्यक्ति को बिना मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किए अधिकतम कितने समय तक पुलिस हिरासत में रखा जा सकता है?

- (क) 12 घंटे
- (ख) 24 घंटे
- (ग) 48 घंटे
- (घ) 36 घंटे

962. CrPC की धारा 58 किससे संबंधित है?

- (क) FIR की नकल
- (ख) गिरफ्तारीयों की सूचना
- (ग) FIR की रसीद
- (घ) जमानत

963. CrPC की धारा 60A के अनुसार किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी किस प्रकार से की जाती है?

- (क) केवल मजिस्ट्रेट के आदेश से
- (ख) पुलिस द्वारा
- (ग) जिस तरीके से संहिता (CrPC) में वर्णित है
- (घ) उपरोक्त सभी

964. CrPC की धारा 61 किसके लिए प्रयोग होती है?

- (क) गिरफ्तारी वारंट के लिए
- (ख) समन के लिए
- (ग) तलाशी वारंट के लिए
- (घ) नोटिस के लिए

965. CrPC की धारा 62 के अंतर्गत समन निम्न में से किसके माध्यम से तामील किया जाएगा?

- (क) पुलिस अधिकारी
- (ख) वकील
- (ग) मजिस्ट्रेट
- (घ) नायब तहसीलदार

966. CrPC की धारा 64 में क्या व्यवस्था की गई है?

- (क) गिरफ्तारी
- (ख) समन की वैकल्पिक तामील
- (ग) तलाशी
- (घ) बंधपत्र

967. CrPC की धारा 66 के अंतर्गत समन की तामील कब होती है?

- (क) पुलिस स्टेशन से
- (ख) सरकारी अधिकारी द्वारा
- (ग) कार्यलय प्रमुख के द्वारा जिसे आदेश प्राप्त हुआ हो
- (घ) कोई नहीं

968. CrPC की धारा 69 किन व्यक्तियों के लिए लागू होती है?

- (क) सामान्य नागरिकों के लिए
- (ख) विदेशियों के लिए
- (ग) साक्षी के लिए
- (घ) अधिकारी वर्ग के लिए

969. CrPC की धारा 70 किससे संबंधित है?

- (क) तलाशी
- (ख) गिरफ्तारी वारंट
- (ग) FIR
- (घ) जमानत

970. CrPC की धारा 74 का संबंध किससे है?

- (क) समन की रसीद
- (ख) पुलिस अधिकारी को निर्दिष्ट वारंट
- (ग) FIR दर्ज करना

(घ) गवाहों की उपस्थिति

971. CrPC की धारा 80 की प्रक्रिया कब लागू होती है?

- (क) जब गिरफ्तारी वारंट का निष्पादन उस जिले से बाहर हुआ हो जिस में वह जारी हुआ था
- (ख) FIR रजिस्ट्रेशन के लिए
- (ग) तलाशी वारंट के लिए
- (घ) गिरफ्तारी के लिए

972. CrPC की धारा 82 के अंतर्गत उद्घोषणा किस स्थिति में की जाती है?

- (क) जब अभियुक्त पुलिस के सामने उपस्थित नहीं होता है
- (ख) जब अभियुक्त का कोई पता नहीं होता
- (ग) जब वारंट की तामील नहीं हो पाती
- (घ) जब न्यायालय को विश्वास हो कि अभियुक्त छिपा हुआ है

973. CrPC की धारा 83 का उद्देश्य क्या है?

- (क) फरार व्यक्ति की संपत्ति की कुर्की
- (ख) तलाशी वारंट
- (ग) गिरफ्तारी वारंट
- (घ) अन्वेषण का आदेश

974. CrPC की धारा 88 के अंतर्गत किसे जमानत दी जा सकती है?

- (क) अभियुक्त
- (ख) पीड़ित
- (ग) मजिस्ट्रेट
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

975. CrPC की धारा 89 किन परिस्थितियों में लागू होती है?

- (क) जब वारंट जारी होता है
- (ख) जब व्यक्ति फरार हो जाता है
- (ग) हाजरी या बंधपत्र भंग होने पर
- (घ) जब संपत्ति कुर्क की जाती है

976. CrPC की धारा 91 किससे संबंधित है?

- (क) दस्तावेजों या अन्य चीजों को प्रस्तुत करने के लिए आदेश
- (ख) वारंट जारी करने के लिए
- (ग) गिरफ्तारी के लिए
- (घ) FIR दर्ज करने के लिए

977. CrPC की धारा 92 CrPC का प्रयोग कब होता है?

- (क) जब कोई दस्तावेज डाक या तार प्राधिकारी की अभिरक्षा में हो
- (ख) जब न्यायालय इसका आदेश दे
- (ग) जब पुलिस को ऐसे दस्तावेज की आवश्यकता हो
- (घ) उपरोक्त सभी

978. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 94 किस प्रकार की प्रक्रिया से संबद्ध है?

- (क) केवल चोरी के साधारण संदेह पर कार्रवाई करने से
- (ख) कोई भी तलाशी-वारंट जारी करने से
- (ग) उन स्थानों की तलाशी से जहाँ चोरी की संपत्ति या धारा 94 में वर्णित आपत्तिजनक वस्तुओं के जमा होने का संदेह हो
- (घ) किसी गवाह को बुलाने के लिये समन जारी करने से

979. CrPC की धारा 98 किससे संबंधित है?

- (क) स्त्री या नाबालिग को अवैध हिरासत से मुक्त कराना
- (ख) तलाशी
- (ग) समन
- (घ) बंधपत्र

980. CrPC की धारा 100 का मुख्य उद्देश्य क्या है?

- (क) बंद स्थानों की तलाशी
- (ख) न्यायालय में समन
- (ग) FIR पंजीकरण
- (घ) अन्वेषण का आदेश

981. CrPC की धारा 101 के अंतर्गत जब्ती की सूचना किस स्थान की अदालत को देनी चाहिए?

- (क) अपराध स्थल की

- (ख) जिस स्थान पर जब्ती की गई
- (ग) जिस स्थान पर FIR हुई
- (घ) पुलिस अधीक्षक को

982. CrPC की धारा 129 के अंतर्गत कौन आदेश दे सकता है?

- (क) कोई भी नागरिक
- (ख) पुलिस अधीक्षक
- (ग) जिला न्यायाधीश
- (घ) कार्यपालक मजिस्ट्रेट

983. CrPC की धारा 130 विधि विरुद्ध जमाव को तितर बितर करने के लिये किस प्रकार की कार्यवाही की अनुमति देती है?

- (क) शस्त्र बलों का उपयोग करने की
- (ख) FIR दर्ज करने की
- (ग) गिरफ्तारी की
- (घ) तलाशी करने की

984. CrPC की धारा 131 किस बारे में है?

- (क) जमानत प्रक्रिया
- (ख) आपात स्थिति में सेना के अधिकारियों द्वारा कार्यवाही
- (ग) तलाशी वारंट
- (घ) FIR को रोकना

985. CrPC की धारा 132 में निम्न में से किसे अभियोजन से प्रतिरक्षा दी गई है?

- (क) शस्त्र बलों द्वारा धारा 129 से 131 के अन्तर्गत किये कार्यों के अभियोजन से
- (ख) मजिस्ट्रेट को FIR से
- (ग) गवाह को
- (घ) पीड़ित को

986. CrPC की धारा 133 किस समस्या के समाधान हेतु प्रयुक्त होती है?

- (क) FIR न होने पर
- (ख) चोरी
- (ग) अपहरण
- (घ) सार्वजनिक स्थान पर बाधा/न्यूसेंस

987. CrPC की धारा 145 का मुख्य उद्देश्य क्या है?

- (क) तलाशी वारंट जारी करना
- (ख) जमीन या जल पर कब्जे के विवाद से उत्पन्न शांति भंग को रोकना
- (ग) अभियुक्त को सजा देना
- (घ) FIR पंजीकरण

988. CrPC की धारा 147 किस पर लागू होती है?

- (क) भूमि या जल के उपयोग के अधिकार से संबंधित विवादों पर

- (ख) भूमि विवादों पर
- (ग) गिरफ्तारी के मामलों पर
- (घ) संपत्ति कुर्की पर

989. CrPC की धारा 154 का संबंध किससे है?

- (क) समन जारी करना
- (ख) आरोप निर्धारण
- (ग) दस्तावेज की कुर्की
- (घ) संज्ञेय मामलों की इत्तिला

990. CrPC की धारा 155 किस अपराध की सूचना से संबंधित है?

- (क) असंज्ञेय अपराध
- (ख) संज्ञेय अपराध
- (ग) अपराध का संदेह
- (घ) संगठित अपराध

991. CrPC की धारा 156 में पुलिस की शक्ति क्या है?

- (क) संज्ञेय अपराध का अन्वेषण करने की
- (ख) आरोपी को सजा देना
- (ग) न्यायिक जांच करना
- (घ) साक्ष्य संग्रह करना

992. CrPC की धारा 157 के अनुसार, अन्वेषण की सूचना कब मजिस्ट्रेट को भेजनी चाहिए?

- (क) अन्वेषण प्रारंभ करते ही
- (ख) गिरफ्तारी के बाद
- (ग) FIR के 24 घंटे बाद
- (घ) आरोप पत्र दायर करने से पहले

993. CrPC की धारा 158 में कौन रिपोर्ट अग्रेषित करता है?

- (क) सिपाही
- (ख) वरिष्ठ पुलिस अधिकारी
- (ग) मजिस्ट्रेट
- (घ) अन्वेषण अधिकारी

994. CrPC की धारा 159 किसे जांच या स्थानीय निरीक्षण का अधिकार देती है?

- (क) मजिस्ट्रेट को
- (ख) पुलिस अधिकारी को
- (ग) आरोपी को
- (घ) गवाह को

995. CrPC की धारा 161 में क्या होता है?

- (क) आरोप निर्धारण पुलिस द्वारा
- (ख) पुलिस द्वारा गवाहों की परीक्षा
- (ग) आरोपी की जमानत
- (घ) अभियोजन की स्वीकृति

996. CrPC की धारा 162 किन बयानों की उपयोगिता को सीमित करती है?

- (क) पुलिस जांच के दौरान लिए गए बयानों की
- (ख) न्यायालय में दिए गए बयानों की
- (ग) मजिस्ट्रेट के समक्ष दिए गए बयानों की
- (घ) गुप्तचर एजेंसी के बयानों की

997. CrPC की धारा 164 के अंतर्गत बयान कौन दर्ज करता है?

- (क) अधिवक्ता
- (ख) पुलिस
- (ग) मजिस्ट्रेट
- (घ) अभियोजन अधिकारी

998. CrPC की धारा 165 क्या प्रावधान देती है?

- (क) गवाहों की सुरक्षा
- (ख) गिरफ्तारी का अधिकार
- (ग) FIR लिखने का आदेश
- (घ) पुलिस अधिकारी द्वारा तलाशी का अधिकार

999. CrPC की धारा 166 किन स्थितियों में लागू होती है?

- (क) अपराध संज्ञेय न हो
- (ख) FIR दर्ज न हो
- (ग) मजिस्ट्रेट के पास आरोपी हो

(घ) जब पुलिस को अन्य थाने की सीमा में तलाशी करनी हो

1000.CrPC की धारा 167 में कितने दिन का पुलिस रिमांड दिया जा सकता है?

- (क) अधिकतम 15 दिन
- (ख) अधिकतम 07 दिन
- (ग) अधिकतम 60 दिन
- (घ) अधिकतम 90 दिन

1001.CrPC की धारा 168 किस प्रक्रिया से संबंधित है?

- (क) न्यायिक जांच
- (ख) तलाशी वारंट
- (ग) अधीनस्थ पुलिस अधिकारी की अन्वेषण रिपोर्ट से
- (घ) संपत्ति की कुर्की

1002.CrPC की धारा 169 कब लागू होती है?

- (क) जब FIR झूठी हो
- (ख) जब आरोप सिद्ध हो जाए
- (ग) जब साक्ष्य पर्याप्त नहीं हो
- (घ) जब आरोपी भाग जाए

1003.CrPC की धारा 172 किस पर केंद्रित है?

- (क) गिरफ्तारी
- (ख) जमानत

- (ग) केस डायरी
- (घ) संपत्ति कुर्की

1004.CrPC की धारा 173 में क्या वर्णित है?

- (क) अंतिम रिपोर्ट/चार्जशीट प्रस्तुत करने की प्रक्रिया
- (ख) समन जारी करना
- (ग) तलाशी आदेश
- (घ) साक्ष्य का परीक्षण

1005.CrPC की धारा 174 निम्न में से किस विषय से संबंधित है?

- (क) गिरफ्तारी का विवरण
- (ख) अस्वाभाविक मृत्यु की सूचना
- (ग) FIR की कॉपी
- (घ) साक्ष्य की सूची

1006.CrPC की धारा 175 के अंतर्गत पुलिस को किस प्रकार की शक्ति है?

- (क) व्यक्ति को समन करने की शक्ति
- (ख) संपत्ति जब्त करना
- (ग) गिरफ्तारी का आदेश देना
- (घ) अदालत में साक्ष्य देना

1007.CrPC की धारा 176 के अन्तर्गत मजिस्ट्रेट निम्न में से कब जांच करते हैं?

- (क) संपत्ति विवाद में
- (ख) FIR के पंजीकरण में
- (ग) न्यायिक हिरासत में मृत्यु के मामलों में
- (घ) तलाशी वारंट जारी करते समय

1008.CrPC की धारा 260 किन मामलों में संक्षिप्त प्रक्रिया अपनाने का प्रावधान देती है?

- (क) बाल अपराध
- (ख) संगीन अपराध
- (ग) गैर-जमानती अपराध
- (घ) हल्के अपराध जिनकी सजा दो वर्ष तक हो

1009.CrPC की धारा 300 में किस सिद्धांत का उल्लेख है?

- (क) एक ही अपराध में दो बार विचारण निषिद्ध
- (ख) गिरफ्तारी से पूर्व जांच
- (ग) तलाशी की वैधता
- (घ) दोहरा साक्ष्य

1010.CrPC की धारा 306 किन व्यक्तियों को सरकारी गवाह बनने की अनुमति देती है?

- (क) गवाह
- (ख) सह-अभियुक्त या आरोपी
- (ग) पुलिस अधिकारी
- (घ) मजिस्ट्रेट

1011.CrPC की धारा 320 CrPC के अंतर्गत किन अपराधों में समझौता किया जा सकता है?

- (क) निर्दिष्ट अपराधों की अनुसूची में शामिल अपराध
- (ख) सभी अपराधों में
- (ग) संज्ञेय अपराधों में
- (घ) संगीन अपराधों में

1012.CrPC की धारा 321 किसे अभियोजन वापस लेने का अधिकार देती है?

- (क) पीड़ित
- (ख) पुलिस अधिकारी
- (ग) लोक अभियोजक
- (घ) मजिस्ट्रेट

1013.CrPC की धारा 436 किन मामलों में जमानत की अनुमति देती है?

- (क) राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में
- (ख) गैर-जमानती अपराधों में
- (ग) आर्थिक अपराधों में
- (घ) जमानती अपराधों में

1014.CrPC की धारा 437 CrPC में क्या प्रावधान है?

- (क) गैर-जमानती मामलों में जमानत का अधिकार
- (ख) मजिस्ट्रेट द्वारा गिरफ्तारी

- (ग) पीड़ित की सहायता
- (घ) अभियुक्त की जाँच

1015.CrPC की धारा 439 में जमानत के अधिकार किसे हैं?

- (क) जुडिशल मजिस्ट्रेट द्वितीय वर्ग
- (ख) जुडिशल मजिस्ट्रेट प्रथमवर्ग
- (ग) सत्र न्यायालय और उच्च न्यायालय को
- (घ) अभियोजन अधिकारी को

1016.CrPC की धारा 443 CrPC किस परिस्थिति में लागू होती है?

- (क) जब पीड़ित क्षमादान दे
- (ख) जब आरोपी अपराध स्वीकार कर ले
- (ग) जब मजिस्ट्रेट अनुपस्थित हो
- (घ) जब प्रस्तुत प्रतिभूति अपर्याप्त/ असन्तुष्टजनक हो

1017.CrPC की धारा 444 क्या अनुमति देती है?

- (क) प्रतिभूति का उन्मोचन/छोड़ना
- (ख) गिरफ्तारी
- (ग) कुर्की
- (घ) साक्ष्य परीक्षण

1018.CrPC की धारा 445 में क्या प्रावधान है?

- (क) गवाह की अनुपस्थिति

- (ख) आरोपी का पुलिस रिमांड
- (ग) मुचलके के बजाये धरोहर
- (घ) न्यायालय का स्थानांतरण

1019.CrPC की धारा 446 के अंतर्गत प्रतिभूति भंग होने की स्थिति में क्या होता है?

- (क) जब्ती की कार्यवाही की जाती है
- (ख) आरोपी रिहा हो जाता है
- (ग) अभियोजन समाप्त हो जाता है
- (घ) पीड़ित को क्षतिपूर्ति दी जाती है

1020.CrPC की धारा 447 किन मामलों में लागू होती है?

- (क) जब प्रतिभू दिवालिया हो जाये
- (ख) जब आरोपी अनुपस्थित हो
- (ग) जब अभियोजन अधिकारी बदल जाए
- (घ) जब पीड़ित गवाही से मुकर जाए

1021.CrPC की धारा 448 में क्या कहा गया है?

- (क) महिला के लिए विशेष आदेश
- (ख) नाबालिग के लिए जमानती द्वारा मुचलका सम्पादित करने के आदेश
- (ग) मृत्युदंड मामलों में नियम
- (घ) गुप्त गवाहों की सुरक्षा

1022.CrPC की धारा 449 के अनुसार किसी मजिस्ट्रेट द्वारा धारा 446 के अधीन दिए गए आदेशों की अपील कहाँ की जाती है?

- (क) सत्र न्यायालय में
- (ख) उच्चतम न्यायालय में
- (ग) पुलिस अधीक्षक के समक्ष
- (घ) राज्य सरकार के समक्ष

1023.CrPC की धारा 451 किस विषय से संबंधित है?

- (क) न्यायालय में प्रस्तुत संपत्ति का अंतरिम निपटान
- (ख) अभियोजन की सूचना
- (ग) गवाह की हाजिरी
- (घ) तलाशी वारंट

1024.CrPC की धारा 452 क्या निर्दिष्ट करती है?

- (क) न्यायिक जांच
- (ख) आरोपी की गिरफ्तारी
- (ग) निर्णय के बाद संपत्ति का अंतिम निपटान
- (घ) ट्रायल प्रक्रिया

1025.CrPC की धारा 457 के अंतर्गत जब्त संपत्ति का क्या होता है?

- (क) मजिस्ट्रेट उपयुक्त आदेश देता है
- (ख) अभियुक्त को लौटाई जाती है
- (ग) पीड़ित को सौंप दी जाती है

(घ) पुलिस के कब्जे में रखी जाती है

1026.CrPC की धारा 458 कब लागू होती है?

(क) जब दोष सिद्ध न हो

(ख) जब आरोपी गिरफ्तार हो

(ग) जब छह मास के अन्दर कोई दावेदार हाजिर न हो

(घ) जब गवाह मुकर जाए

1027.CrPC की धारा 459 किस विषय से जुड़ी है?

(क) विनश्वर संपत्ति का विक्रय करने से

(ख) गवाह सुरक्षा

(ग) न्यायालय निषेध

(घ) बंदी प्रत्यक्षीकरण

1028.CrPC की धारा 468 का मुख्य विषय क्या है?

(क) अभियोजन के संज्ञान की सीमा अवधि

(ख) साक्ष्य की स्वीकृति

(ग) आरोपी का मनोवैज्ञानिक परीक्षण

(घ) अदालत का स्थानांतरण

1029.CrPC की धारा 468 के अनुसार यदि किसी अपराध की सजा एक वर्ष है, तो अभियोजन की सीमा क्या होगी?

(क) छह माह

(ख) एक वर्ष

- (ग) दो वर्ष
- (घ) कोई सीमा नहीं

1030.CrPC की धारा 468 में तीन वर्ष तक की सजा वाले अपराध की सीमा अवधि कितनी है?

- (क) तीन वर्ष
- (ख) दो वर्ष
- (ग) छह माह
- (घ) एक वर्ष

1031.CrPC की धारा 468 किन अपराधों पर लागू नहीं होती है?

- (क) जिसमें आजीवन कारावास या मृत्यु दंड है
- (ख) ट्रैफिक उल्लंघन
- (ग) जमानती अपराध
- (घ) चेक बाउंस

1032.CrPC की धारा 20 के अंतर्गत कार्यपालक मजिस्ट्रेटों की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है?

- (क) राज्य सरकार
- (ख) केंद्र सरकार
- (ग) उच्च न्यायालय
- (घ) जिला मजिस्ट्रेट

1033.CrPC की धारा 24 के अनुसार लोक अभियोजक की नियुक्ति कौन करता है?

- (क) उच्च न्यायालय
- (ख) केंद्र सरकार
- (ग) राज्य सरकार
- (घ) सत्र न्यायालय

1034.CrPC की धारा 40 के तहत ग्रामीण कार्य के लिये लगाये गये किसी अधिकारी का कर्तव्य क्या है?

- (क) केवल सूचना दर्ज करना
- (ख) अपराध की सूचना मजिस्ट्रेट और एसएचओ को देना
- (ग) गिरफ्तारी करना
- (घ) मुआवजा देना

1035.CrPC की धारा 41 के अनुसार पुलिस बिना वारण्ट कब गिरफ्तारी कर सकती है?

- (क) जब संज्ञेय अपराध हो
- (ख) मजिस्ट्रेट की अनुमति हो
- (ग) पीड़ित की शिकायत हो
- (घ) किसी भी सामान्य कारण से

1036.CrPC की धारा 41A में किस विषय पर प्रावधान है?

- (क) तलाशी वारंट
- (ख) अग्रिम जमानत

- (ग) अन्वेषणाधिकारी के समक्ष हाजिर होने की नोटिस द्वारा सूचना
- (घ) गिरफ्तारी के बाद रिपोर्ट

1037.CrPC की धारा 42 में पुलिस किस स्थिति में गिरफ्तारी कर सकती है?

- (क) जब व्यक्ति निवास स्थान बताने से मना करे
- (ख) जब अपराध असंज्ञेय हो
- (ग) जब महिला आरोपी हो
- (घ) जब मजिस्ट्रेट आदेश दे

1038.CrPC की धारा 44 के अंतर्गत मजिस्ट्रेट किसे गिरफ्तार कर सकता है?

- (क) केवल पुलिसकर्मी को
- (ख) अपने सामने अपराध करते व्यक्ति को
- (ग) किसी साक्षी को
- (घ) केंद्र सरकार के आदेश से

1039.CrPC की धारा 46 में गिरफ्तारी कैसे की जाती है?

- (क) शारीरिक स्पर्श द्वारा
- (ख) नोटिस देकर
- (ग) सिर्फ मौखिक आदेश से
- (घ) मीडिया के समक्ष

1040.CrPC की धारा 47 किस विषय पर आधारित है?

- (क) तलाशी
- (ख) गिरफ्तारी के लिए प्रवेश और तलाशी
- (ग) जमानत
- (घ) अपराध की सूचना

1041.CrPC की धारा 48 के अनुसार पुलिस किस सीमा तक पीछा कर सकती है?

- (क) सिर्फ राज्य के भीतर
- (ख) भारत में कहीं भी
- (ग) जिले की सीमा तक
- (घ) मजिस्ट्रेट की अनुमति तक

1042.CrPC की धारा 49 क्या निषेध करती है?

- (क) गिरफ्तार व्यक्ति पर अनावश्यक बल प्रयोग
- (ख) गिरफ्तारी करने से
- (ग) तलाशी लेने से
- (घ) अभिरक्षा में रखने से

1043.CrPC की धारा 50 के अनुसार व्यक्ति को गिरफ्तारी के समय क्या बताया जाना चाहिए?

- (क) कारण और आरोप
- (ख) परिवार को सूचना
- (ग) डॉक्टर को रिपोर्ट
- (घ) प्रेस विज्ञप्ति

1044.CrPC की धारा 50A के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति की जानकारी किसे दी जाती है?

- (क) वकील को
- (ख) मीडिया को
- (ग) व्यक्ति द्वारा नामित व्यक्ति को
- (घ) पीड़ित को

1045.CrPC की धारा 51 किस प्रकार की तलाशी से संबंधित है?

- (क) पुरुष की तलाशी
- (ख) गिरफ्तार व्यक्ति की व्यक्तिगत तलाशी
- (ग) तलाशी वारंट
- (घ) वाहन की तलाशी

1046.CrPC की धारा 52 किस से संबंधित है?

- (क) दस्तावेज़ जब्ती से
- (ख) आक्रामक आयुधों की जब्ती से
- (ग) जमानत से
- (घ) तलाशी की रिपोर्ट

1047.CrPC की धारा 53के अंतर्गत गिरफ्तारी के बाद पुलिस द्वारा करवाया जाने वाला चिकित्सा परीक्षण कौन करता है?

- (क) वकील
- (ख) मजिस्ट्रेट

- (ग) चिकित्सा अधिकारी
- (घ) पुलिस अधीक्षक

1048.CrPC की धारा 132 किस विषय से संबंधित है?

- (क) पुलिस हिरासत की निगरानी
- (ख) लोक सेवकों के संरक्षण
- (ग) न्यायालय की अवमानना
- (घ) आपराधिक आदेशों की अपील

1049.CrPC की धारा 98 किससे संबंधित है?

- (क) महिला या बच्चे की अवैध अभिरक्षा
- (ख) तलाशी वारंट
- (ग) चिकित्सकीय निरीक्षण
- (घ) गिरफ्तारी आदेश

1050.CrPC की धारा 100 के तहत तलाशी के समय कितने गवाह आवश्यक हैं?

- (क) कम से कम एक
- (ख) कम से कम दो
- (ग) कम से कम तीन
- (घ) कोई आवश्यकता नहीं

1051.CrPC की धारा 436A के अनुसार यदि किसी अभियुक्त ने अपनी अधिकतम संभावित सजा की

आधी अवधि पहले ही जेल में बिताई हो, तो उसे क्या मिल सकता है?

- (क) अनिवार्य सजा
- (ख) जमानत
- (ग) दया याचिका का अधिकार
- (घ) मुआवजा

1052.CrPC की धारा 69 के अंतर्गत समन की तामील कैसे की जाती है?

- (क) व्यक्तिगत रूप से
- (ख) डाक द्वारा
- (ग) टेलीग्राम द्वारा
- (घ) ईमेल द्वारा

1053.CrPC की धारा 452 के अनुसार संपत्ति का निपटारा किसके द्वारा किया जाता है?

- (क) पुलिस
- (ख) न्यायालय
- (ग) लोक अभियोजक
- (घ) कार्यपालक मजिस्ट्रेट

1054.CrPC की धारा 74 किस विषय को संबोधित करती है?

- (क) गिरफ्तारी प्रक्रिया
- (ख) पुलिस अधिकारी को निर्दिष्ट वारंट

- (ग) समन की तामील
- (घ) सूचना का अधिकार

1055.CrPC की धारा 450 किस विषय से संबंधित है?

- (क) अग्रिम जमानत
- (ख) कुछ मुचलकों पर देय रकम की उगाही करने का निर्देश
- (ग) विशेष मजिस्ट्रेट की शक्तियाँ
- (घ) निष्पादित आदेश का पालन

1056.CrPC की धारा 459 किस विषय को कवर करती है?

- (क) बंदी प्रत्यक्षीकरण
- (ख) जब्त नश्वर संपत्ति की बिक्री
- (ग) तलाशी प्रक्रिया
- (घ) अपील की समयसीमा

1057.CrPC. की धारा 151 पुलिस को कब गिरफ्तार करने की अनुमति देती है?

- (क) संज्ञेय अपराध होने पर
- (ख) अपराध को रोकने के लिए
- (ग) मजिस्ट्रेट के आदेश पर
- (घ) गिरफ्तारी वारंट मिलने पर

1058.CrPC की धारा 91 निम्न में से किस प्रकार की शक्ति को निर्दिष्ट करती है?

- (क) पुलिस को तलाशी का
- (ख) दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु नोटिस जारी करने का
- (ग) न्यायिक मजिस्ट्रेट को फांसी की सजा देने का
- (घ) अभियुक्त को बेल देने का

1059.CrPC की धारा 83 के अनुसार कुर्की कब की जाती है?

- (क) अभियुक्त अदालत में हाज़िर न हो
- (ख) अभियुक्त दोषमुक्त हो
- (ग) न्यायालय आदेश दे
- (घ) पुलिस अनुरोध करे

1060.CrPCकी धारा 6के अनुसार निम्न में कौन सी न्यायालय श्रेणियाँ दंड न्यायालय के अंतर्गत आती हैं?

- (क) सेशन न्यायालय, मजिस्ट्रेट न्यायालय
- (ख) जिला न्यायालय, पारिवारिक न्यायालय
- (ग) सिविल न्यायालय, अपील न्यायालय
- (घ) केवल मजिस्ट्रेट न्यायालय

1061.CrPC की धारा 11 के अनुसार एक जिला में कितने न्यायिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किए जा सकते हैं?

- (क) एक
- (ख) आवश्यकता अनुसार
- (ग) दो
- (घ) राज्यपाल के आदेश से

1062.CrPC की धारा 12 के अंतर्गत मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति कौन करता है?

- (क) राज्यपाल
- (ख) सेशन न्यायाधीश
- (ग) उच्च न्यायालय
- (घ) राज्य सरकार

1063.CrPC की धारा 20 के अंतर्गत कार्यपालक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति का अधिकार किसके पास है?

- (क) जिला मजिस्ट्रेट
- (ख) राज्य सरकार
- (ग) उच्च न्यायालय
- (घ) पुलिस अधीक्षक

1064.CrPC की धारा 21 के अनुसार विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की जा सकती है –

- (क) केवल युद्धकाल में
- (ख) केवल जब जिला मजिस्ट्रेट अनुमति दे
- (ग) विशेष प्रयोजनों हेतु सीमित समय के लिए
- (घ) जब हाईकोर्ट आदेश दे

1065.CrPC की धारा 36 के अनुसार पुलिस अधीक्षक को किसकी शक्तियाँ प्राप्त होती हैं?

- (क) थाना प्रभारी

- (ख) अन्वेषण अधिकारी
- (ग) कार्यपालक मजिस्ट्रेट
- (घ) उप-निरीक्षक

1066.CrPC की धारा 37 के तहत पुलिस अधिकारी कब जनता की सहायता मांग सकता है?

- (क) लोक संपत्ति की रक्षा में
- (ख) अपराध रोकने में
- (ग) गिरफ्तारी में सहयोग हेतु
- (घ) उपरोक्त सभी

1067.CrPC की धारा 39 के अनुसार किन अपराधों की सूचना जनता को देना अनिवार्य है?

- (क) केवल संज्ञेय अपराध
- (ख) केवल अजमानती अपराध
- (ग) विशेष रूप से उल्लिखित गंभीर अपराध
- (घ) सभी अपराध

1068.CrPC की धारा 40 के अनुसार ग्राम प्रहरी को क्या करना आवश्यक होता है?

- (क) गिरफ्तारी
- (ख) जमानत लेना
- (ग) अपराध की रिपोर्ट देना
- (घ) साक्ष्य नष्ट करना

1069.CrPC की धारा 44 के अनुसार गिरफ्तारी का आदेश निम्न में कौन दे सकता है?

- (क) पुलिस अधीक्षक
- (ख) मजिस्ट्रेट
- (ग) पंचायत
- (घ) जिला अधिकारी

1070.CrPC की धारा 46 में गिरफ्तारी के लिए निम्न किन नियमों का पालन आवश्यक है?

- (क) उचित बल का प्रयोग
- (ख) हथकड़ी का प्रयोग आवश्यक
- (ग) महिला की गिरफ्तारी रात्रि में निषिद्ध
- (घ) क और ग दोनों

1071.CrPC की धारा 47 के अनुसार यदि अभियुक्त किसी घर में छिपा है तो पुलिस उसे गिरफ्तार करने के लिए क्या कर सकती है?

- (क) तलाशी वारंट प्राप्त करे
- (ख) घर में प्रवेश कर सकती है
- (ग) खिड़की दरवाज़े तोड़ सकती है
- (घ) उपरोक्त सभी

1072.CrPC की धारा 50 के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति को क्या सूचना दी जानी चाहिए?

- (क) अपराध की प्रकृति

- (ख) गिरफ्तारी का कारण
- (ग) उसकी ज़मानत का अधिकार
- (घ) उपरोक्त सभी

1073. CrPC की धारा 50A के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति को क्या अधिकार प्राप्त है?

- (क) जमानत मांगने का
- (ख) नामित व्यक्ति को सूचना देने का
- (ग) तुरंत रिहाई का
- (घ) गवाहों से मिलने का

1074. CrPC धारा 51 के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति की तलाशी निम्न में कौन ले सकता है?

- (क) मजिस्ट्रेट
- (ख) चिकित्सक
- (ग) गिरफ्तारी करने वाला अधिकारी
- (घ) कोई भी व्यक्ति

1075. CrPC की धारा 53 के अनुसार अभियुक्त की चिकित्सकीय परीक्षा किसके आदेश/ प्रार्थना पर होती है?

- (क) पुलिस कर्मचारी
- (ख) चिकित्सक
- (ग) मजिस्ट्रेट
- (घ) उप-निरीक्षक

1076.CrPC की धारा 53A के अनुसार बलात्कार के मामलों में अभियुक्त की चिकित्सकीय परीक्षा कब की जा सकती है?

- (क) केवल मजिस्ट्रेट के आदेश पर
- (ख) जब पुलिस अधिकारी को साक्ष्य की आवश्यकता हो
- (ग) पीड़िता की अनुमति से
- (घ) अदालत के निर्देश से

1077.CrPC की धारा 54 के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति क्या अनुरोध कर सकता है?

- (क) तत्काल जमानत का
- (ख) स्वयं के चिकित्सकीय परीक्षण का
- (ग) रिहाई का
- (घ) पूछताछ का समय बदलने का

1078.CrPC की धारा 54A के अनुसार अभियुक्त की पहचान परेड किसके समक्ष करवाई जाती है?

- (क) मजिस्ट्रेट
- (ख) पुलिस अधिकारी
- (ग) लोक अभियोजक
- (घ) चिकित्सक

1079.CrPC की धारा 55 के अंतर्गत जब कोई गिरफ्तारी अधीनस्थ अधिकारी द्वारा की जाती है तो निम्न में से क्या आवश्यक है?

- (क) मौखिक आदेश पर्याप्त है
- (ख) लिखित आदेश दिखाना अनिवार्य है
- (ग) आदेश की आवश्यकता नहीं
- (घ) केवल वरिष्ठ अधिकारी की उपस्थिति में

1080.CrPC की धारा 55A के अंतर्गत गिरफ्तार व्यक्ति की सुरक्षा और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी किसकी होती है?

- (क) चिकित्सक
- (ख) मजिस्ट्रेट
- (ग) अभिरक्षा में रखने वाले अधिकारी की
- (घ) सहायक उपनिरीक्षक

1081.CrPC की धारा 57 के अनुसार यदि गिरफ्तार व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के समक्ष समय पर प्रस्तुत नहीं किया गया तो क्या होगा?

- (क) व्यक्ति स्वतः रिहा
- (ख) गिरफ्तारी अवैध मानी जाएगी
- (ग) पुलिस अधिकारी पर कार्रवाई
- (घ) उपरोक्त सभी

1082.CrPC की धारा 58 के अंतर्गत गिरफ्तारियों की रिपोर्ट कहाँ भेजी जाती है?

- (क) उच्च न्यायालय
- (ख) सेशन कोर्ट
- (ग) इलाका मजिस्ट्रेट
- (घ) राज्य सरकार

1083.CrPC की धारा 60 के अंतर्गत पुलिस अधिकारी को क्या करना होता है?

- (क) व्यक्ति को कोर्ट में लाना
- (ख) व्यक्ति को छोड़ देना
- (ग) विधि पूर्ण अभिरक्षा से निकल भागने पर पीछा करना और पकड़ना
- (घ) जमानत पर रिहा करना

1084.CrPC की धारा 61 के अनुसार समन किस प्रकार तैयार किया जाता है?

- (क) मौखिक रूप में
- (ख) लिखित रूप में, न्यायालय के मुहरव् हस्ताक्षर सहित
- (ग) टेलीफोन द्वारा
- (घ) केवल मौखिक सूचना से

1085.CrPC की धारा 64 के अनुसार यदि समन किया गया व्यक्ति अनुपस्थित हो तो समन किसे दिया जा सकता है?

- (क) नाबालिग पुत्र को
- (ख) उस स्थान पर रह रहे किसी प्रौढ़ पुरुष सदस्य को

- (ग) पुलिस अधीक्षक को
- (घ) किसी सेवक को

1086.CrPC की धारा 69 के अंतर्गत यदि कोई व्यक्ति अपना स्थायी निवास छोड़ चुका हो तो समन किसे भेजा जाएगा?

- (क) नजदीकी रिश्तेदार को
- (ख) अंतिम ज्ञात पते पर
- (ग) ग्राम पंचायत को
- (घ) पुलिस थाना प्रभारी को

1087.CrPC की धारा 70 के अनुसार गिरफ्तारी वारंट किस रूप में जारी किया जाता है?

- (क) मौखिक
- (ख) लिखित, न्यायालय के मुहरव् हस्ताक्षर सहित
- (ग) ईमेल द्वारा
- (घ) मौखिक सूचना द्वारा

1088.CrPC की धारा 74 के अनुसार गिरफ्तारी वारंट किसके द्वारा जारी किया जाता है?

- (क) मजिस्ट्रेट
- (ख) पुलिस अधीक्षक
- (ग) राज्य सरकार
- (घ) सेशन न्यायालय

1089.CrPC की धारा 75 के अनुसार गिरफ्तारी वारंट की तामील के समय पुलिस अधिकारी को क्या करना होता है?

- (क) मौखिक सूचना देना
- (ख) वारंट की प्रति दिखाना
- (ग) जमानत पर छोड़ देना
- (घ) चिकित्सकीय परीक्षण कराना

1090.CrPC की धारा 76 के अनुसार गिरफ्तार व्यक्ति को कितने समय में मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए?

- (क) 12 घंटे
- (ख) 24 घंटे
- (ग) 48 घंटे
- (घ) 72 घंटे

1091.CrPC की धारा 77 के अनुसार वारंट की तामील कहाँ की जा सकती है?

- (क) केवल उसी जिले में
- (ख) केवल उसी राज्य में
- (ग) भारत के किसी भी भाग में
- (घ) केवल मजिस्ट्रेट के सामने

1092.CrPC की धारा 78 के अनुसार यदि गिरफ्तारी वारंट दूसरे जिले में भेजा जाता है तो वह किसके माध्यम से भेजा जाएगा?

- (क) राज्यपाल
- (ख) उच्च न्यायालय
- (ग) स्थानीय मजिस्ट्रेट
- (घ) सेशन जज

1093.CrPC की धारा 80 के अनुसार दूसरे जिले में गिरफ्तारी के बाद आरोपी को कहां ले जाया जाएगा?

- (क) उसी जिले के मजिस्ट्रेट के पास
- (ख) गिरफ्तारी करने वाले अधिकारी के कार्यालय
- (ग) राज्य पुलिस मुख्यालय
- (घ) सीधे ट्रायल कोर्ट में

1094.CrPC की धारा 82 के अनुसार उद्घोषणा किस स्थिति में जारी की जाती है?

- (क) जब आरोपी बार-बार तिथि पर अनुपस्थित रहता है
- (ख) जब आरोपी कोर्ट से भगोड़ा घोषित होता है
- (ग) जब आरोपी के खिलाफ वारंट तामील नहीं हो पाता
- (घ) जब आरोपी जेल से भाग जाता है

1095.CrPC की धारा 83 के अंतर्गत कुर्की की कार्रवाई किस स्थिति में की जाती है?

- (क) जब उद्घोषणा के बाद भी आरोपी उपस्थित नहीं होता

- (ख) जब पुलिस आदेश दे
- (ग) जब मजिस्ट्रेट अन्वेषण शुरू करे
- (घ) जब गवाह उपस्थित न हो

1096.CrPC की धारा 88 के अनुसार क्या आदेश दिया जा सकता है?

- (क) गिरफ्तारी
- (ख) समन
- (ग) मुचलका या जमानत
- (घ) कुर्की

1097.CrPC की धारा 91 के अनुसार दस्तावेज की मांग किसके द्वारा की जा सकती है?

- (क) पुलिस थाना का भारसाधक अधिकारी
- (ख) मजिस्ट्रेट
- (ग) उपरोक्त कोई नहीं
- (घ) क व ख दोनों

1098.CrPC की धारा 92 के अनुसार यदि कोई दस्तावेज डाक या टेलीग्राम के रूप में है तो कौन आदेश देगा?

- (क) पुलिस अधिकारी
- (ख) मजिस्ट्रेट
- (ग) डाक अधीक्षक
- (घ) लोक अभियोजक

1099.CrPC की धारा 94 के अनुसार जब किसी स्थान पर आपत्तिजनक वस्तुएं होने की आशंका हो, तो कौन तलाशी का आदेश दे सकता है?

- (क) मजिस्ट्रेट
- (ख) पुलिस अधीक्षक
- (ग) जिला अधिकारी
- (घ) लोक अभियोजक

1100.CrPC की धारा 98 निम्न में किससे संबंधित है?

- (क) तलाशी वारंट
- (ख) नावालिग बालिका के अपहरण की स्थिति में संरक्षण का आदेश
- (ग) स्त्री की तलाशी
- (घ) ज़मानत आदेश

1101.CrPC की धारा 101के अनुसार तलाशी के बाद जब वस्तु बरामद होती है तो उसे कहाँ प्रस्तुत किया जाता है?

- (क) पुलिस थाने में
- (ख) मजिस्ट्रेट के समक्ष
- (ग) न्यायालय के रिकॉर्ड रूम में
- (घ) लोक अभियोजक को

1102.CrPC की धारा 110 का संबंध है –

- (क) आदतन असामाजिक तत्वों से

- (ख) सरकारी अधिकारी से
- (ग) नाबालिग बच्चों से
- (घ) महिला अपराधियों से

1103.CrPC की धारा 129 के अंतर्गत सार्वजनिक शांति भंग होने की स्थिति में निम्न में कौन सिविल बल का प्रयोग करके कार्यवाही कर सकता है?

- (क) कोई भी आम नागरिक
- (ख) पुलिस अधीक्षक
- (ग) मजिस्ट्रेट
- (घ) उच्च न्यायालय

1104.CrPC की धारा 130 के अंतर्गत मजिस्ट्रेट निम्न में से किसे सशस्त्रबल की मदद से जमाब को तितर बितर करने के आदेश दे सकता है?

- (क) थानेदार को
- (ख) जिला अधिकारी को
- (ग) पुलिस अधीक्षक को
- (घ) ऐसे सशस्त्र बल के अधिकारी को जो अपनी किसी टुकड़ी का समादेशन कर रहा है

1105.CrPC की धारा 144के अंतर्गत कौन आदेश पारित कर सकता है?

- (क) जिला मजिस्ट्रेट
- (ख) उच्च न्यायालय

- (ग) पुलिस अधीक्षक
- (घ) सिविल जज

1106.CrPC की धारा 145का प्रयोजन है –

- (क) भूमि या जल विवाद की स्थिति में शांतिपूर्ण समाधान
- (ख) तलाशी वारंट जारी करना
- (ग) गिरफ्तार व्यक्ति को न्यायालय में प्रस्तुत करना
- (घ) दस्तावेज प्राप्त करना

1107.CrPC की धारा 147का संबंध -----से है –

- (क) संपत्ति के उपयोग से उत्पन्न विवादों को सुलझाना
- (ख) तलाशी प्रक्रिया से
- (ग) दस्तावेज संकलन से
- (घ) गवाहों की उपस्थिति से

1108.CrPC की धारा 150 के तहत पुलिस अधिकारी को क्या करना होता है?

- (क) संभावित अपराध की सूचना मजिस्ट्रेट को देना
- (ख) गिरफ्तार व्यक्ति को छोड़ देना
- (ग) जमानत देना
- (घ) समन तामील करना

1109.CrPC की धारा 154के अंतर्गत एफआईआर किसके पास दर्ज की जाती है?

- (क) पुलिस अधिकारी

- (ख) मजिस्ट्रेट
- (ग) लोक अभियोजक
- (घ) न्यायालय लिपिक

1110.CrPC की धारा 156 के अनुसार पुलिस थाना के भारसाधक अधिकारी को किस प्रकार की शक्ति प्राप्त है?

- (क) संज्ञेय अपराधों की विवेचना करने की
- (ख) केवल गिरफ्तारी करने की
- (ग) मजिस्ट्रेट को रिपोर्ट देने की
- (घ) गवाह बुलाने की

1111.CrPC की धारा 158 किस विषय में है?

- (क) रिपोर्ट की मजिस्ट्रेट को प्रेषण प्रक्रिया
- (ख) आरोप पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया
- (ग) जमानत आवेदन
- (घ) पुलिस डायरी की समीक्षा

1112.CrPC की धारा 159 में मजिस्ट्रेट को क्या अधिकार प्राप्त है?

- (क) एफआईआर दर्ज करने का
- (ख) गिरफ्तारी करने का
- (ग) स्वयं जांच करने या प्रारम्भिक जांच हेतु आदेश देने का
- (घ) वकील नियुक्त करने का

1113.CrPC की धारा 160 के तहत पुलिस अधिकारी मामले की विवेचना के दौरान निम्न में से किससे पुछताछ कर सकता है?

- (क) जो मामले के तथ्यों या परिस्थितियों से परिचित हो
- (ख) केवल आरोपी
- (ग) केवल सरकारी कर्मचारी
- (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

1114.CrPC की धारा 161 में पुलिस अधिकारी को किस कार्य हेतु अधिकृत किया गया है?

- (क) तलाशी
- (ख) गिरफ्तारी
- (ग) गवाहों की परीक्षा
- (घ) समन जारी करना

1115.CrPC की धारा 163 के अंतर्गत पुलिस अधिकारी को क्या नहीं करना चाहिए?

- (क) धमकाकर बयान लेना
- (ख) सहायता देना
- (ग) घटना स्थल की जानकारी लेना
- (घ) मजिस्ट्रेट को सूचित करना

1116.CrPC की धारा 165 किससे संबंधित है?

- (क) तलाशी वारंट के बिना पुलिस द्वारा तलाशी

- (ख) गिरफ्तारी
- (ग) जमानत
- (घ) दस्तावेज की जब्ती

1117.CrPC की धारा 166 किस स्थिति में प्रयोग होती है?

- (क) न्यायालय में चार्जशीट दाखिल करने के लिए
- (ख) गवाहों की पेशी
- (ग) मजिस्ट्रेट की अनुमति के लिए
- (घ) दूसरे पुलिस स्टेशन की सीमा में तलाशी हेतु

1118.CrPC की धारा 171 निम्न में किससे संबंधित है?

- (क) परिवादी और साक्षियों की पुलिस अधिकारी के साथ जाने की अपेक्षा और उनका अवरुद्ध न किया जाना
- (ख) गवाह को पकड़ने से
- (ग) मजिस्ट्रेट को रिपोर्ट देने से
- (घ) अभियुक्त की जमानत से

1119.CrPC की धारा 172 के अनुसार केस डायरी कौन तैयार करता है?

- (क) अभियुक्त
- (ख) मजिस्ट्रेट
- (ग) अन्वेषणाधिकारी
- (घ) सरकारी अधिवक्ता

1120.CrPC की धारा 202 के तहत मजिस्ट्रेट क्या कर सकता है?

- (क) शिकायत की सत्यता जाँचने के लिए जाँच या पूछताछ कर सकता है
- (ख) एफआईआर दर्ज करना
- (ग) गिरफ्तारी वारंट
- (घ) जमानत आदेश

1121.CrPC की धारा 260 किन मामलों में संक्षिप्त न्यायालयीन कार्यवाही की अनुमति देता है?

- (क) आर्थिक अपराध
- (ख) गंभीर अपराध
- (ग) दुष्कर्म
- (घ) विशेष वर्ग के मामूली अपराध

1122.CrPC की धारा 300 का मुख्य उद्देश्य क्या है?

- (क) आरोप तय करना
- (ख) एक ही अपराध के लिए दोबारा मुकदमा न चलाया जाए
- (ग) गिरफ्तारी का आदेश देना
- (घ) मजिस्ट्रेट को स्थानांतरित करना

1123.CrPC की धारा 306 किस स्थिति में उपयोग की जाती है?

- (क) सह-अभियुक्त को सरकारी गवाह बनाने हेतु

- (ख) मजिस्ट्रेट द्वारा जमानत देने के लिए
- (ग) किसी अपराध की जांच के लिए
- (घ) अपील दर्ज करने के लिए

1124.CrPC. की धारा 307 किस विषय से संबंधित है?

- (क) क्षमा-दान का निर्देश देने की शक्ति
- (ख) पुनरीक्षण याचिका
- (ग) मजिस्ट्रेट का स्थानांतरण
- (घ) जांच का अधिकार

1125.CrPC की धारा 439 के अंतर्गत विशेष अधिकार किसे प्राप्त हैं?

- (क) सत्र न्यायालय और उच्च न्यायालय को
- (ख) जिला मजिस्ट्रेट को
- (ग) पुलिस अधिकारी को
- (घ) अधिवक्ता को

1126.CrPC की धारा 440 के अनुसार न्यायालय जमानत राशि के निर्धारण में क्या सुनिश्चित करता है?

- (क) अभियोजन को लाभ मिले
- (ख) केवल अमीर लोगों को राहत मिले
- (ग) जमानत राशि अधिक न हो
- (घ) अपराध सिद्ध हो जाए

1127.CrPC की धारा 441 में क्या प्रावधान है?

- (क) अपराधी की जमानत/मुचलका भरने की प्रक्रिया
- (ख) जाँच रिपोर्ट का प्रारूप
- (ग) गवाह की पेशी
- (घ) आरोप तय करना

1128.CrPC की धारा 442 निम्न में किससे संबंधित है?

- (क) न्यायिक हिरासत
- (ख) एफआईआर की प्रतिलिपि
- (ग) अभिरक्षा से मुक्त करना
- (घ) न्यायालय का आदेश

1129.CrPC की धारा 443 किस स्थिति में लागू होती है?

- (क) अपील में देरी होने पर
- (ख) अभियुक्त दोषी होने पर
- (ग) जब पहले ली गई जमानत अपर्याप्त है, तब पर्याप्त जमानत के लिए आदेश देने की शक्ति
- (घ) समन जारी होने पर

1130.CrPC की धारा 444में क्या प्रावधान है?

- (क) समन न देना
- (ख) स्थायी गिरफ्तारी
- (ग) जमानतों का छोड़ना
- (घ) निष्कासन

1131.CrPC की धारा 445 में क्या उल्लेख है?

- (क) नकद ज़मानत स्वीकार करने का विकल्प
- (ख) केवल संपत्ति की ज़मानत
- (ग) पुलिस द्वारा गिरफ्तार
- (घ) वारंट जारी करना

1132.CrPC की धारा 447 में क्या उल्लेखित है?

- (क) प्रतिभू के दिवालिया हो जाने पर प्रक्रिया
- (ख) दोबारा जांच
- (ग) अपील प्रक्रिया
- (घ) न्यायालय का फैसला

1133.CrPC की धारा 448में किसकी व्यवस्था है?

- (क) साक्ष्य संकलन
- (ख) अवयस्क से अपेक्षित बंधपत्र
- (ग) मजिस्ट्रेट का आदेश
- (घ) अपील की अनुमति

1134.CrPC की धारा 450 किस स्थिति से संबंधित है?

- (क) अदालत द्वारा गिरफ्तार करने का आदेश
- (ख) अदालत द्वारा मुचलकों पर देय रकम का उद्ग्रहण (उगाही) करने का निर्देश
- (ग) कार्यपालक मजिस्ट्रेट का गिरफ्तारी आदेश
- (घ) अपराध सिद्ध करना

1135.CrPC की धारा 458 कब लागू होती है?

- (क) जब अभियुक्त का पता नहीं चलता
- (ख) जब अभियुक्त दोषी सिद्ध होता है
- (ग) जब संपत्ति सरकार को दे दी जाती है
- (घ) जब संपत्ति मजिस्ट्रेट के पास रहती है

1136.CrPC की धारा 459 के अनुसार जब्त की गई संपत्ति का मूल्य अगर 500 रुपये से कम हो तो मजिस्ट्रेट क्या कर सकता है?

- (क) उसे नष्ट कर सकता है
- (ख) उसे नीलाम कर सकता है
- (ग) उसे सरकार को सौंप सकता है
- (घ) उसे अभियुक्त को दे सकता है

1137.CrPC की धारा 468 के अंतर्गत समय सीमा समाप्त होने के बाद अभियोजन कब प्रारंभ नहीं किया जा सकता?

- (क) जब अपराध की सजा तीन वर्ष से कम हो
- (ख) जब न्यायालय की अनुमति हो
- (ग) जब अभियुक्त दोषी हो
- (घ) जब पुलिस जांच कर रही हो

1138.CrPC की धारा 12 किस विषय से संबंधित है?

- (क) पुलिस अधिकारियों की शक्तियाँ
- (ख) अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की नियुक्ति
- (ग) कार्यपालक मजिस्ट्रेट के अधिकार

(घ) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति

1139.CrPC की धारा 21 में कौन अधिकारी विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट बनाया जा सकता है?

- (क) केवल पुलिस अधिकारी
- (ख) राज्य सरकार द्वारा नियुक्त व्यक्ति
- (ग) मजिस्ट्रेट द्वारा अनुशंसित व्यक्ति
- (घ) न्यायालय द्वारा नियुक्त व्यक्ति

1140.CrPC की धारा 13 में निम्न में से किस की नियुक्ति का उल्लेख है?

- (क) विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (ख) अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
- (ग) कार्यकारी मजिस्ट्रेट
- (घ) जिला पुलिस अधीक्षक

1141.CrPC की धारा 6 में किस न्यायालय की श्रेणियों का वर्णन है?

- (क) आपराधिक न्यायालय (दण्ड न्यायालय) की
- (ख) दीवानी न्यायालयों की
- (ग) सत्र न्यायालय की
- (घ) सुप्रीम कोर्ट की

1142.CrPC की धारा 11 में किस न्यायालय की स्थापना का प्रावधान है?

- (क) न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (ख) सत्र न्यायालय
- (ग) उच्च न्यायालय
- (घ) विशेष न्यायालय

1143.CrPC की धारा 66 के अनुसार यदि समन किया गया व्यक्ति न्यायालय की अधिकारिता क्षेत्र से बाहर है तो समन की तामील कैसे की जाती है?

- (क) डाक द्वारा
- (ख) क्षेत्रीय मजिस्ट्रेट के माध्यम से
- (ग) गवाह के द्वारा
- (घ) टेलीग्राम से

1144.CrPC की धारा 69 के अनुसार व्यक्तिगत सेवा न होने पर समन किस प्रकार किया जा सकता है?

- (क) पंजीकृत डाक द्वारा
- (ख) एसएमएस द्वारा
- (ग) टेलीफोन द्वारा
- (घ) सोशल मीडिया द्वारा

1145.CrPC की धारा 72 निम्न में से किस विषय से संबंधित है?

- (क) समन जारी करने की प्रक्रिया
- (ख) वारंट किस को निर्दिष्ट होंगे
- (ग) मजिस्ट्रेट के अधिकार

(घ) अभियुक्त की गिरफ्तारी

1146.CrPC की धारा 74में निम्न में से क्या उल्लेखित है?

- (क) पुलिस अधिकारी को निदिष्ट वारंट
- (ख) गिरफ्तारी का कारण
- (ग) मुचलका जमा
- (घ) तलाशी आदेश

1147.CrPC की धारा 75 निम्न में से किस विषय से संबंधित है?

- (क) गवाहों की उपस्थिति से
- (ख) वारंट का निष्पादन से
- (ग) वारंट के सार की सूचना देने से
- (घ) संपत्ति की जब्ती से

1148.CrPC की धारा 107 के अंतर्गत यदि,कार्यपालक मजिस्ट्रेट को सूचना है कि कोई व्यक्ति शांति भंग करने या सार्वजनिक शांति को बाधित करने वाला कोई कार्य कर सकता है। ऐसे में मजिस्ट्रेट क्या कर सकता है?

- (क) उसे गिरफ्तार कर जेल भेज सकता है
- (ख) उसे तुरंत अभियोग चलाकर दण्डित कर सकता है
- (ग) उसे कारण बताने का निर्देश देकर एक बंधपत्र (बॉन्ड) प्रस्तुत करने का आदेश दे सकता है
- (घ) उसे क्षेत्र से बाहर निकाल सकता है

1149.CrPC के अंतर्गत यदि कार्यपालक मजिस्ट्रेट को सूचना मिलती है कि कोई व्यक्ति अपने अस्तित्व को छिपाकर किसी संज्ञेय अपराध की योजना बना रहा है, तो धारा 109 के तहत वह उस व्यक्ति से क्या मांग सकता है?

- (क) तत्काल गिरफ्तारी
- (ख) उसे पुलिस मुख्यालय में रिपोर्ट करने का आदेश
- (ग) अच्छा आचरण सुनिश्चित करने के लिए बॉन्ड प्रस्तुत करने का आदेश दे सकता है
- (घ) उसे जुर्माना देने का आदेश

1150.CrPC की धारा 110 के तहत, किन परिस्थितियों में कार्यपालक मजिस्ट्रेट किसी व्यक्ति को अच्छा आचरण सुनिश्चित करने के लिए बांड प्रस्तुत करने का आदेश दे सकता है?

- (क) जब व्यक्ति किसी गंभीर अपराध का अभियुक्त है
- (ख) जब व्यक्ति आदतन अपराधी हो
- (ग) जब व्यक्ति पहली बार कोई अपराध करता है
- (घ) जब व्यक्ति कोई राजनीतिक रैली आयोजित करता है

1151.CrPC की धारा 129 के अनुसार, जब पाँच या अधिक लोगों की कोई अवैध सभा जो सार्वजनिक शांति भंग कर सकती है, को तितर बितर करना आवश्यक हो, तो संबंधित कार्यपालक मजिस्ट्रेट या पुलिस अधिकारी का कर्तव्य क्या है?

- (क) सभा को अनदेखा करना
- (ख) सभा को लिखित नोटिस देना और अदालत में पेश होने को कहना
- (ग) सिविल बल का प्रयोग कर के सभा को तितर बितर करना
- (घ) सभा को स्वयं ही निर्णय लेने देना

1152. मजिस्ट्रेट किस धारा के अंतर्गत किसी वस्तु या दस्तावेज को पेश करने हेतु समन जारी कर सकता है?

- (क) धारा 91 IPC
- (ख) धारा 91 Cr.P.C.
- (ग) धारा 100 Cr.P.C.
- (घ) धारा 165 Cr.P.C.

1153. 'जमानती अपराध' की परिभाषा CrPC की किस धारा में दी गई है?

- (क) धारा 2(क)
- (ख) धारा 2(घ)
- (ग) धारा 2(ख)
- (घ) धारा 2(ज)

1154. CrPC की धारा 164 निम्न में से किससे संबंधित है?

- (क) जांच प्रक्रिया
- (ख) बयान (स्वीकारोक्ति)

- (ग) गिरफ्तारी
- (घ) पेशी

1155. यदि एक व्यक्ति का अपराध 10 वर्षों से अधिक की सजा वाला हो, को मजिस्ट्रेट के आदेश से CrPC की धारा 167 के तहत अधिकतम कितने दिनों तक न्यायिक हिरासत में रखा जा सकता है?

- (क) 60 दिन
- (ख) 90 दिन
- (ग) 30 दिन
- (घ) 120 दिन

1156. मृत्यु दण्ड, आजीवन कारावास की सजा के अपराधों में न्यायालय में चार्जशीट दाखिल करने की अधिकतम समय सीमा कितनी होती है?

- (क) 30 दिन
- (ख) 45 दिन
- (ग) 90 दिन
- (घ) 60 दिन

1157. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अनुसार अभियुक्त को गिरफ्तारी के समय किस अधिकार की जानकारी देना अनिवार्य है?

- (क) चुप रहने का अधिकार
- (ख) अपने खिलाफ साक्ष्य न देने का अधिकार

- (ग) जमानत का अधिकार
- (घ) मजिस्ट्रेट से मिलने का अधिकार

1158. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की कौन-सी धारा 'तलाशी वारंट' के बिना पुलिस को तलाशी करने की अनुमति देती है?

- (क) धारा 100
- (ख) धारा 165
- (ग) धारा 166
- (घ) धारा 102

1159. CrPC की धारा 41 के अंतर्गत पुलिस को कब गिरफ्तारी करने का अधिकार होता है?

- (क) केवल वारंट होने पर
- (ख) संज्ञेय अपराध के संदेह पर
- (ग) गैर-संज्ञेय अपराध में
- (घ) मजिस्ट्रेट के आदेश से

1160. CrPC की धारा 144 का उपयोग कब किया जाता है?

- (क) गवाहों को बुलाने में
- (ख) गिरफ्तारी में
- (ग) सार्वजनिक शांति बनाए रखने हेतु निषेधाज्ञा के लिए
- (घ) तलाशी वारंट जारी करने हेतु

1161.CrPC की धारा 91 के अंतर्गत किस प्रकार के आदेश होते हैं?

- (क) FIR दर्ज करना
- (ख) गिरफ्तारी का आदेश
- (ग) दस्तावेज या वस्तु प्रस्तुत करने का आदेश
- (घ) मजिस्ट्रेट का स्थानांतरण

1162.CrPC की धारा 202 का उद्देश्य क्या है?

- (क) गिरफ्तारी करना
- (ख) जांच स्थगित करना
- (ग) प्रारंभिक जांच करना
- (घ) मजिस्ट्रेट बदलना

1163.CrPC की धारा 164A विशेष रूप से किससे संबंधित है?

- (क) महिला गवाह का संरक्षण
- (ख) बलात्कार पीड़िता की चिकित्सकीय जांच
- (ग) बलात्कार पीड़ित को मुआवजा
- (घ) वीडियो कांफ्रेंसिंग से बयान

1164.CrPC की धारा 320 किस विषय से संबंधित है?

- (क) अपील
- (ख) समझौता योग्य अपराध
- (ग) मुकदमा वापस लेना
- (घ) सजा में सुधार

1165.CrPC की धारा 446 किससे संबंधित है?

- (क) जमानत की राशि
- (ख) जमानती की जिम्मेदारी
- (ग) ट्रायल स्थगन
- (घ) वारंट जारी करना

1166.CrPC की धारा 439 किसके लिए लागू होती है?

- (क) पुलिस अधिकारी को जमानत का अधिकार
- (ख) सत्र न्यायालय या उच्च न्यायालय को जमानत देने की शक्ति
- (ग) FIR दर्ज करने का निर्देश
- (घ) न्यायिक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति

1167.CrPC की धारा 50A के अंतर्गत पुलिस को क्या करना आवश्यक है?

- (क) केस डायरी प्रस्तुत करना
- (ख) गिरफ्तारी की सूचना नामित व्यक्ति को देना
- (ग) वारंट प्राप्त करना
- (घ) जमानत की याचिका दायर करना

1168.CrPC की धारा 167(2) के अनुसार यदि समय सीमा में चार्जशीट दाखिल न हो तो क्या होता है?

- (क) गिरफ्तारी रद्द
- (ख) ट्रायल स्थगित

- (ग) डिफॉल्ट जमानत का अधिकार
- (घ) मजिस्ट्रेट द्वारा जुर्माना

1169. एक व्यक्ति को पुलिस ने धारा 41 CrPC के तहत गिरफ्तार किया, लेकिन उसे 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत नहीं किया गया। इस पर वह किस संवैधानिक और CrPC प्रावधान के उल्लंघन का दावा कर सकता है?

- (क) अनुच्छेद 20 और धारा 167 CrPC
- (ख) अनुच्छेद 22(2) और धारा 57 CrPC
- (ग) अनुच्छेद 21 और धारा 50 CrPC
- (घ) अनुच्छेद 19 और धारा 151 CrPC

1170. यदि पुलिस द्वारा जांच पूरी करने में 90 दिन से अधिक लग जाते हैं, और अभियुक्त न्यायिक हिरासत में है, तो CrPC की कौन सी धारा उसे डिफॉल्ट जमानत प्राप्त करने का अधिकार देती है?

- (क) धारा 437
- (ख) धारा 440
- (ग) धारा 167(2)
- (घ) धारा 439

1171. एक पुलिस अधिकारी एक महिला की गिरफ्तारी रात 9 बजे करता है। इस पर CrPC की कौन सी धारा का उल्लंघन होता है?

- (क) धारा 46(4) CrPC
- (ख) धारा 41A CrPC
- (ग) धारा 50 CrPC
- (घ) धारा 60 CrPC

1172. मजिस्ट्रेट ने आरोपी को तलब किया लेकिन वह बार-बार अनुपस्थित रहता है। मजिस्ट्रेट CrPC की किस धारा के तहत उसे उद्घोषित अपराधी घोषित कर सकता है?

- (क) धारा 83 CrPC
- (ख) धारा 82 CrPC
- (ग) धारा 84 CrPC
- (घ) धारा 144 CrPC

1173. एक अभियुक्त को अग्रिम जमानत मिल गई है, लेकिन गिरफ्तारी के समय पुलिस उसे हथकड़ी पहना देती है। यह CrPC की किस धारा के विरुद्ध है?

- (क) धारा 46 CrPC
- (ख) धारा 41D CrPC
- (ग) धारा 438 CrPC
- (घ) धारा 50 CrPC

1174. यदि मजिस्ट्रेट को संदेह हो कि कोई FIR द्वेषपूर्वक दर्ज की गई है, तो वह CrPC की किस धारा के अंतर्गत पुलिस को जांच का आदेश दे सकता है?

- (क) धारा 156(3)
- (ख) धारा 159
- (ग) धारा 173
- (घ) धारा 202

1175. यदि कोई व्यक्ति आत्महत्या करता है और मौत संदिग्ध प्रतीत होती है, तो CrPC की कौन सी धारा मजिस्ट्रेट को जांच करने का अधिकार देती है?

- (क) धारा 173
- (ख) धारा 174
- (ग) धारा 176
- (घ) धारा 178

1176. यदि एक ही अपराध में दो व्यक्तियों पर मुकदमा चलना है, लेकिन उनमें से एक की उम्र 17 वर्ष है, तो किशोर न्याय बोर्ड और सामान्य अदालत के बीच किस प्रकार की कार्यवाही होगी?

- (क) संयुक्त ट्रायल
- (ख) पृथक ट्रायल
- (ग) केवल किशोर न्यायालय में
- (घ) मजिस्ट्रेट तय करेगा

1177. यदि FIR के आधार पर दर्ज अपराध असंज्ञेय है, तो पुलिस को CrPC की किस धारा के अंतर्गत मजिस्ट्रेट से पूर्व अनुमति लेनी होती है?

- (क) धारा 154(2)
- (ख) धारा 155(2)
- (ग) धारा 161
- (घ) धारा 197

1178. एक मजिस्ट्रेट किसी आपराधिक शिकायत पर कार्यवाही शुरू करने से पहले स्थानिक अधिकारिता (territorial jurisdiction) की जांच करना चाहता है। उसे किस धारा के अंतर्गत यह जांच करनी चाहिए?

- (क) धारा 190 CrPC
- (ख) धारा 201 CrPC
- (ग) धारा 202 CrPC
- (घ) धारा 204 CrPC

1179. CrPC की धारा 437A के अनुसार, न्यायालय द्वारा बरी किए गए अभियुक्त को क्या करना अनिवार्य है?

- (क) देश न छोड़ने का वचन देना
- (ख) भविष्य में उच्चतम न्यायालय में उपस्थित होने हेतु बन्धपत्र देना
- (ग) पुलिस निगरानी में रहना
- (घ) उच्च न्यायालय को रिपोर्ट करना

1180. एक अभियुक्त को 90 दिन की न्यायिक हिरासत पूरी होने के बाद भी जमानत नहीं दी गई, जबकि पुलिस

ने चार्जशीट दाखिल नहीं की। उसे किस प्रावधान का लाभ मिलेगा?

- (क) धारा 436 CrPC
- (ख) धारा 167(2) CrPC
- (ग) धारा 437A CrPC
- (घ) धारा 438 CrPC